

राज
कॉमिक्स
विशेषांक
मूल्य 30.00 संख्या 655

जम्हा

सुपरकमांडो ध्रुव



ध्रुव का
एक जम्बो पोस्टर
मुफ्त

जीत और हार, इनके बीच के खाली स्थान को भरता है रोमांच और इस रोमांच को महसूस करने के लिए इंसान अपना सब कुछ दांव पर लगा सकता है! ये रोमांच तब पैदा होता है जब भिड़ते हैं दो प्रतिद्वंद्वी, उनके बीच की इस प्रतिद्वंद्विता को देखते हैं लाखों दर्शक और ऐसे हर खेल को कहते हैं....

रोमांच

संजय गुप्ता
की पेशकश

लेखक :
जॉली सिन्हा

चित्र :
अनुपम सिन्हा

इंकिंग :
विनोद कुमार

सुलेख एवं रंग :
सुनील पाण्डेय

सम्पादक :
मनीष गुप्ता

ये खेल किसी भी किस्म के हो सकते हैं-

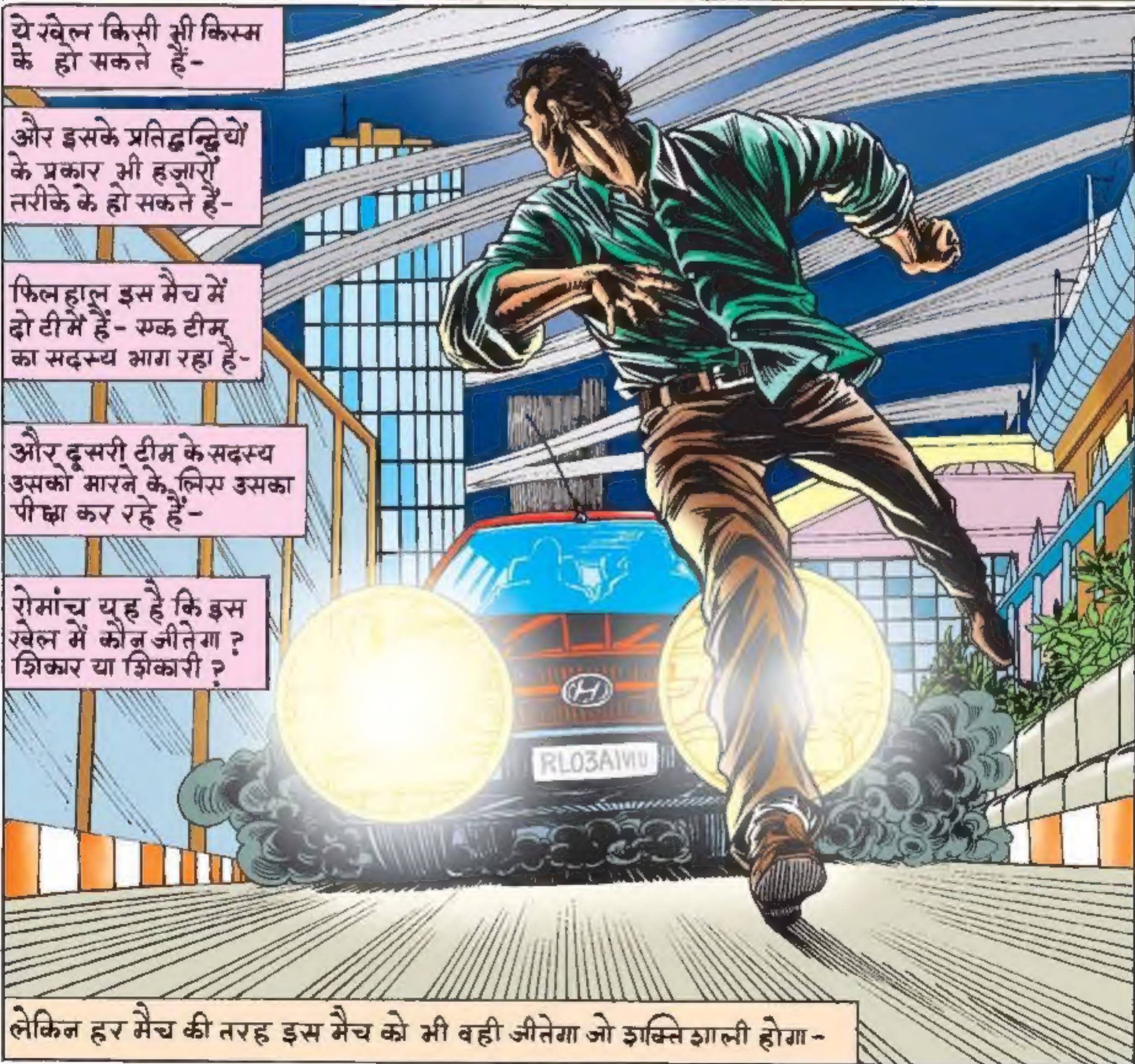
और इसके प्रतिद्वंद्वियों के प्रकार भी हजारों तरीके के हो सकते हैं-

फिलहाल इस मैच में दो टीम हैं- एक टीम का सदस्य भाग रहा है-

और दूसरी टीम के सदस्य उसको मारने के लिए उसका पीछा कर रहे हैं-

रोमांच यह है कि इस खेल में कौन जीतेगा ? शिकार या शिकारी ?

लेकिन हर मैच की तरह इस मैच को भी वही जीतेगा जो इम्तिहानी होगा -



धृष्ट

और फिलहाल वह टीम ज्यादा
शक्तिशाली है, जिसके सदस्य संख्या
में भी बढ़कर हैं और शक्ति में भी-



बचकर
कहां जाएगा,
पिल्ले?

अब बोल!
पैसा साबुत हाथों
से देगा या टूटे
हाथों से?

पैसा कैसा?
तुमने मेरे साथ
घोरबा किया
है!

धड़धड़

बहस में टाइम
रवाली-पीली फोकट
क्यों कर रहे हो?

डाल चाकू
इसके पेट में! अभी
बहुत वसूली करने
को बाकी है!

मैच को रुक
और चीज़ रोमांचक
बनाती है-

मैच



और वह होता है मैच का उतार-चढ़ाव -

मैच रुक दम् दूसरी दिशा में पलट जाता है, और रोमांच सकारक बढ़ जाता है -

सुपर कमांडो ध्रुव !



**धा
इ
क**

पहली टीम में एक सदस्य और शामिल हो गया है -

और यह खिलाड़ी काफी मक्का हुआ है -

यह सवाल एक बार फिर खड़ा हो गया है कि इस मैच को कौन जीतेगा -

दोनों तरफ से जीतने के लिये हर तरह के दांव आजमाए जा रहे हैं-

लेकिन दूसरी टीम के जीतने की संभावनाएं तेजी से कम होती जा रही हैं-

क्योंकि उनकी संरक्षा में लगातार गिरावट आ रही है-

अब मैच खत्म होने में शायद ज्यादा देर नहीं है-

क्योंकि दूसरी टीम मैदान छोड़कर भाग गई है-

और पहली टीम को 'वाक ओवर' मिल गया है-

वे मैच जीत चुके हैं-

क्या हो रहा था यहाँ पर?



क... क्या हो रहा था ?
तुमने खुद तो देखा न ? कुछ गुंडे
मूठको लूटने की कोशिश कर रहे
थे ! पर थैंक्स गॉड कि तुम सही वक्त
पर आ गए ! थैंक्स ध्रुव और
बाय !

मैंने उन गुंडों
की जेबें तो नहीं देखीं,
लेकिन उनकी जेबों में
तुम्हारी जेब से ज्यादा
पैसे रहे होंगे !

बात कुछ और ही
है ! ये गुंडे पेड़ोवर थे !
मामूली पॉकेटमार
या चैनचोर नहीं
थे !

सही बात बताओगे
या मैं तुमको इसके
पास छोड़कर जाऊँ ?

न... नहीं नहीं !
मैं सही बात बताता
हूँ ! सच्ची बात तो ये
है कि...



... मैं रुक जाऊँगी
हूँ ! रुक सट्टे बाज ! मैं
मैंचों पर दांव लगाता हूँ !
और ये गुंडे उस आदमी
के थे जो दांव लगाता
है !

इस काले धंधे के बारे में सुना तो मैंने भी है। पर मैं ज्यादा विस्तार से नहीं जानता। कैसे लगाया जाता है ये दांव?

किसी भी मैच में दो या दो से ज्यादा टीमों होती हैं। और उन टीमों के जीतने की संभावना के आधार पर उन पर दांव लगाया जाता है।

अगर सबसे कमजोर टीम के जीतने पर दांव के दस गुने मिलते हैं तो सबसे ताकतवर टीम के जीतने पर दोगुने से भी कम पैसे मिलते हैं।

पर ये दांव लगाने कहां जाते हैं?

ये पूरा एक माफिया है। एक आपराधिक संगठन। वे ही दांव जीतने पर पैसा देते हैं। और हारने पर वसूलते हैं।

पर बात इतनी सी ही नहीं है...

ये संगठन इतने शक्तिशाली हैं कि इनके चंगुल में सिर्फ मैचों पर दांव लगाने वाले ही नहीं, बल्कि मैच खेलने वाले खिलाड़ी भी फंसे हुए हैं।

कौन है ये माफिया बॉस जो खेल जैसे साफ सुथरे मनोरंजन के माध्यम को गंदा कर रहे हैं?

वे या तो पैसे लेकर इन माफिया बॉसों के अनुसार मैच का परिणाम पलट देते हैं, और या फिर माफिया बॉस किसी न किसी तरह से उनका खेल कैरियर ही खत्म करा देते हैं।

और कभी-कभी तो उनकी जिन्दगी ही खत्म करा देते हैं।

ये मैं नहीं जानता। मैं क्या, शायद कोई भी नहीं जानता।

क्योंकि सारे दांव फोन पर ही लगते हैं। ये फोन नंबर हर हफ्ते बदलते रहते हैं।

मैंने भी ऐसे ही एक नंबर पर दांव लगाया था ! और दांव लगाने के थोड़ी ही देर बाद मेरे पास एक गुमनाम फोन आया ! फोन करने वाले ने मुझको एक 'टिप' दी जिसमें एक रवास टीम के जीतने की बात थी ! उसके बाद ऐसी ही दो तीन और कॉल्स मेरे पास आई ! मेरा लालच बढ़ गया और मैंने फोन करके अपना दांव बदल दिया !

हम ! मुझको वह फोन नंबर चाहिए जिस पर आपने दांव लगाया था !

वे गुंडे तो भाग गए हैं लेकिन वह नंबर मुझे सट्टा माफिया तक पहुंचा सकता है !

पर वे सारी टिप्स झूठी थीं ! मैं एक भारी रकम हार गया ! थोड़ी ही देर में मेरे पास पैसा वसूली के लिए फोन आया ! फोन करने वाले की आवाज और टिप्स देने वाली आवाज एक ही थी ! मैं समझ गया कि झूठी टिप्स मुझको वहीं से दी गई थी जहां पर मैंने दांव लगाया था !

लेकिन आपको मुझे पुलिस तक पहुंचाना पड़ेगा ! क्योंकि सट्टा अगर खिलाना अपराध है तो खेलना भी अपराध है !

मैंने पैसे देने से मना कर दिया ! और उसके बाद जो हुआ वह तुम जानते ही हो !

मुझको अंदाजा नहीं था कि सट्टेबाजी की जड़ें नगरे की तरह काफी गहरी और दूर तक फैली हुई हैं !

इसको यहीं पर रोकना होगा !

और फिर-

ध्रुव ने सट्टा माफिया को रोकने का अभियान शुरू कर दिया था-

और सट्टा माफिया ने ध्रुव को रोकने के लिए दीवारें खड़ी करनी शुरू कर दी थीं-

तो तुम तीनों काम अधूरा छोड़ कर भाग आओ!

और वह भी रुक छोड़कर के डर से!

वह छोकरा नहीं है राजाजी, आफत का टोकरा है! उसके रहते उस ग्राहक से बसूली कर पाना असंभव था।

यानी अब ध्रुव से मैच मुझको ही खेलना पड़ेगा! सट्टेराजा का अगला दांव ध्रुव की जिन्दगी पर ही लगेगा!

दांव लगाना है तो जल्दी लगाइए सट्टेराजा! क्योंकि दो दिनों बाद इंडिया और पाकिस्तान के बीच खेले जाने वाला टेस्ट मैच राजनगर में ही खेला जाना है!

उस मैच पर अरबों का दांव लगा है! अगर ध्रुव रास्ते से नहीं हटा तो कुछ भी हो सकता है! हम बरबाद भी हो सकते हैं!

सद्देराजा सिर्फ दांव ही नहीं लगावाता, वह हर मैच का आंखों देखा हाल पहले ही लिखलेता है! मैच का रुख कब किधर को मोड़ना है, यह सिर्फ सद्देराजा को पता होता है!

और मेरा आंखों देखा हाल बता रहा है कि किसी के रास्ते से हटने का वक़्त आ गया है!

पांसा!

हुक्म, सद्देराजा!

तीन पांसे निकाल!

तीन मोटियों को पीटना है!

हू... हमें माफ़ कर दो राजा! हम इस बार बसूली बराबर करके लाएंगे!

वो बात नहीं है रे! बसूली के लिए हम ज़ान नहीं लेते! अपंगा करके छोड़ देते हैं!

लेकिन तुम तीनों को धुव ने पहचान लिया है! अब हम न तुमको रख सकते हैं और न ही छोड़ सकते हैं! अलविदा!

य... ये पांसा क्या करता है ? कैसे मारता है ?

अबे डरता क्यों है ? ये रुक है और हम तीन ! और ये कोई धुब तो है नहीं !

रुक साथ टूट पड़ो और खत्म कर दो इसको !

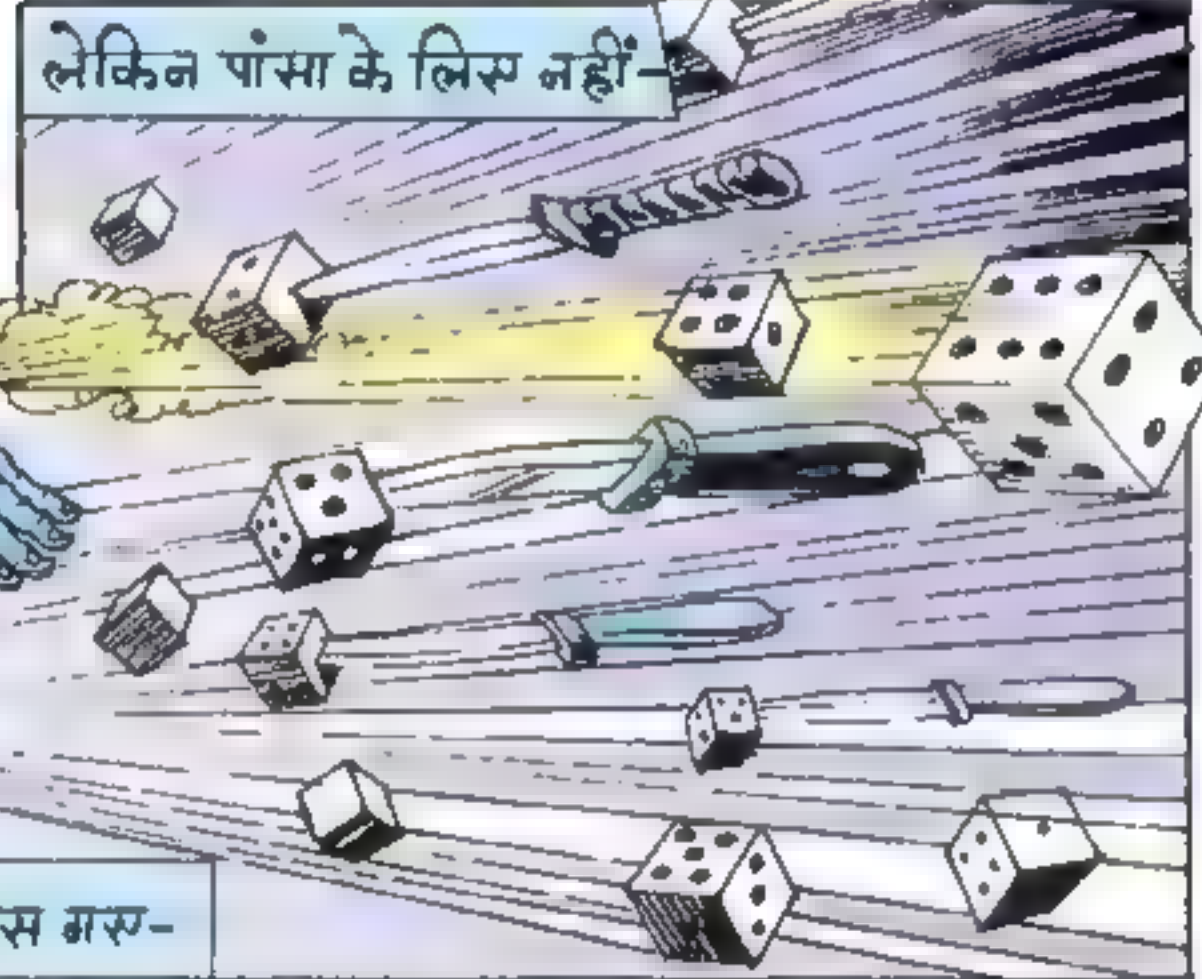


वैसे तो इसके लिये मेरे चाकु ही काफी हैं !

चाकुओं की कतार हवा में बढ़ चली - सभी से रुक साथ बच पाना असंभव था -



लेकिन पांसा के लिये नहीं -

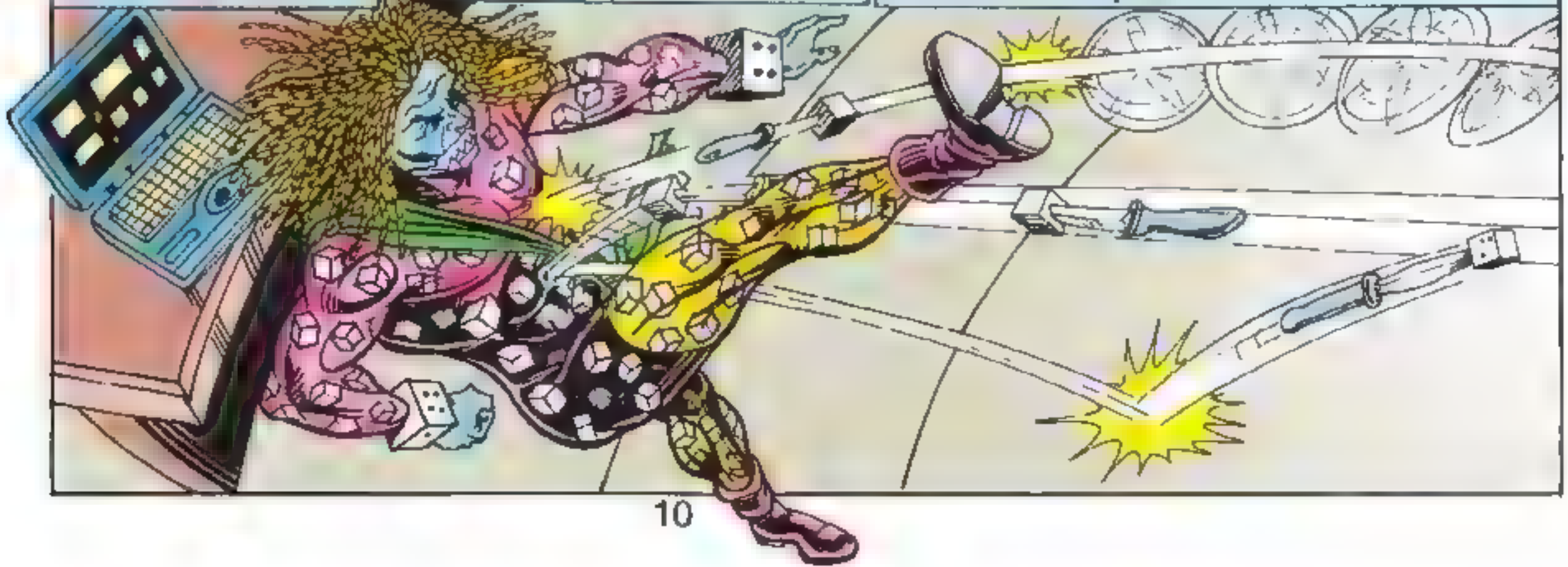


लचीले पांसे हवा में उड़कर चाकुओं की नोकों पर धंस गए -

और चाकुओं की नोक बेअसर हो गई -

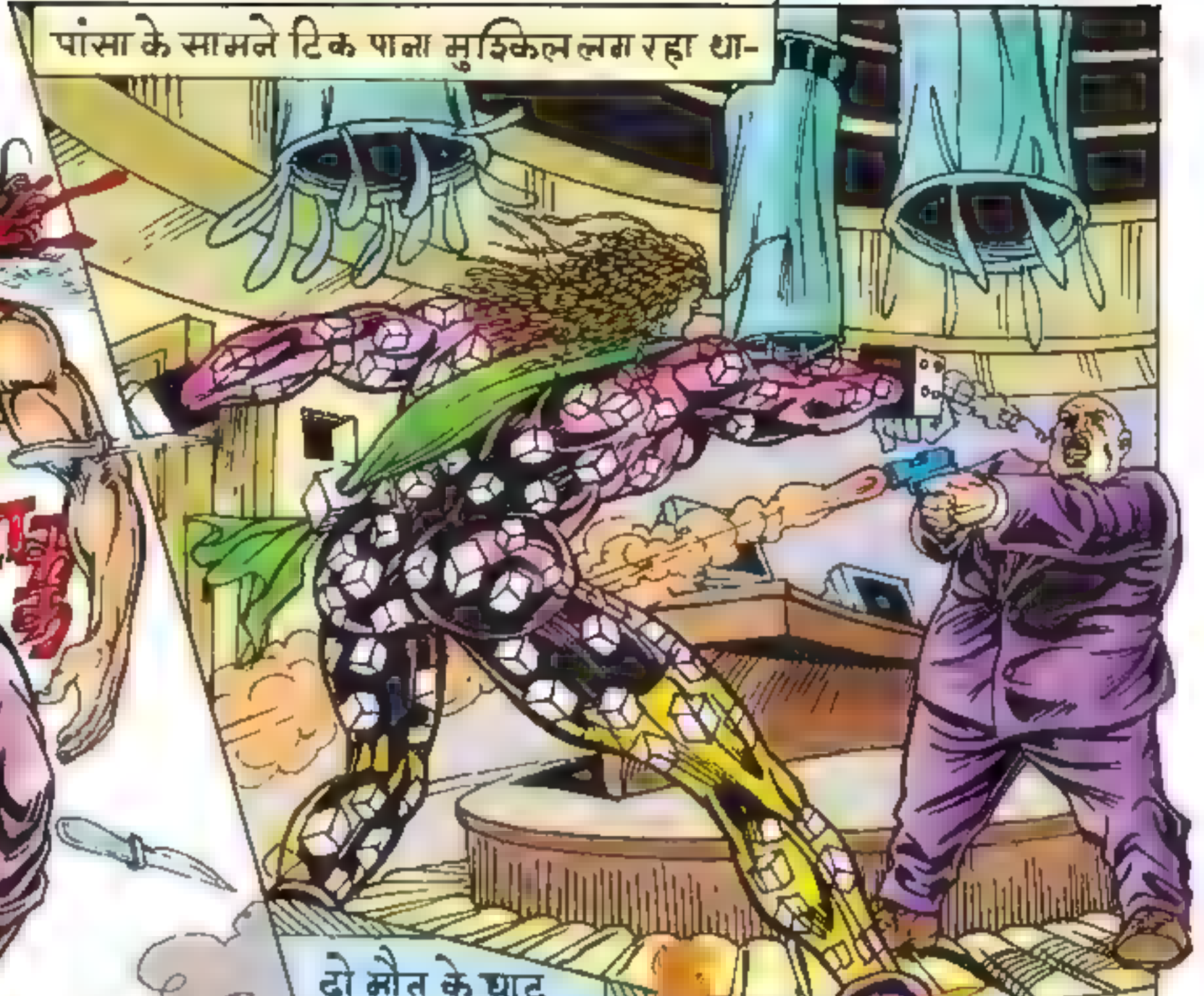
चाकु, पांसा के झरीर से टकरा कर वापस हवा में उछले -

और पांसा की किक ने चाकुओं का चक्र बनाकर उनका रुख मोड़ दिया -

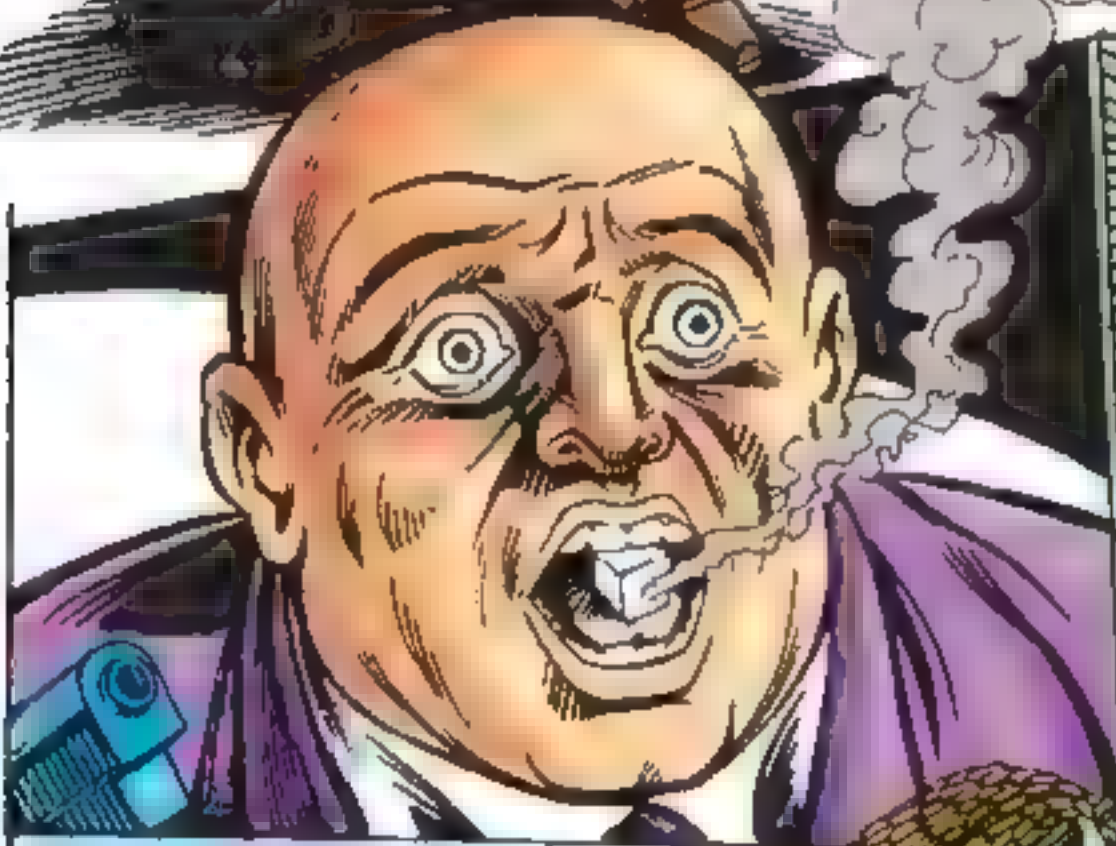


निशाना बदल गया था-

पांसा के सामने टिक पाना मुश्किल लग रहा था-

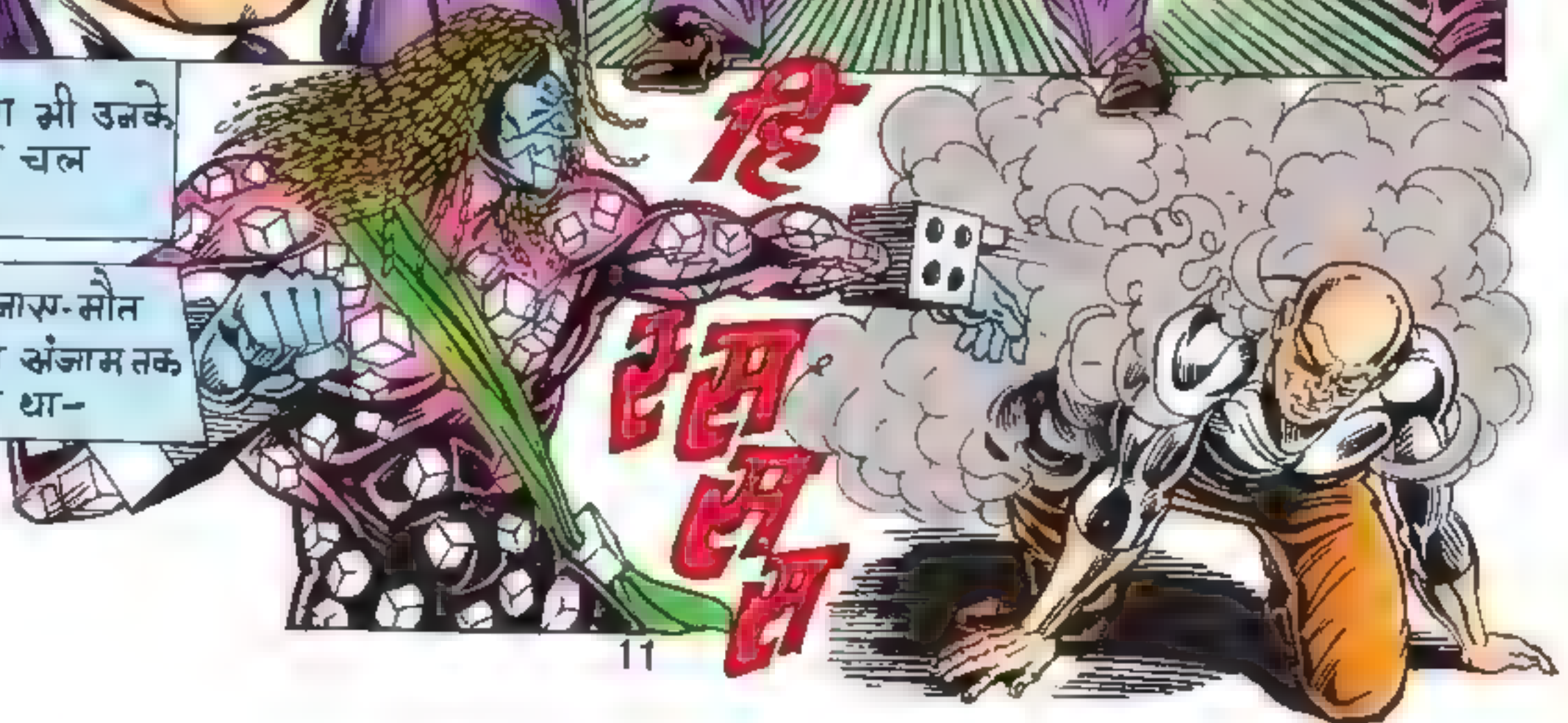


दो मौत के घाट
उतर चुके थे-



और तीसरा भी उनके
पीछे-पीछे चल
दिया था-

पांसा ने सजाय-मौत
के हुक्म को अंजाम तक
पहुंछा दिया था-





शाबश, पांसा!
अब सुन !

तेरा अगला
निशाना सुपर
कमांडो ध्रुव...

राजाजी!
राजाजी!

उसको देश प्रेम
का कीड़ा काट गया
है! कहता है देश की
इज्जत का सौदा
किसी कीमत पर
नहीं करूंगा!

जरा उससे यह तो
पूछ लेता कि वह
अपनी टांग का सौदा
किस कीमत पर
करेगा ?

अब अगर वो
खेला तो इंडिया
मैच जीतेगी और
हम हारेगे!

याही... यानी
उसे घायल कर
दिया जाय ?

सक
सिम्पल सक्सी.
डेंट में!



शंभू दलाल
अब तुम्हें क्या
हुआ ?

बुरी खबर है राजाजी!
परसों से शुरू होने वाले मैच
में दांव तो लग चुके हैं लेकिन
जरा फिक्सिंग में प्रॉब्लम
हो रही है!

दांव पर मुनाफा कमाने के लिए
हमारी टीम का मैच हारना जरूरी है, लेकिन वह
नया आलराउंडर धोंकनी सेट नहीं हो पा रहा है,
वह पैसा लेकर जल्दी आकट होने के लिए
तैयार नहीं है!

कैसी
प्रॉब्लम ?



धोंकनी राजनगर
में आसगा तो डोंपिंग
करने भी जरूर जासगा!
वहां पर उसकी दो तीन
लड़कों से झड़प होगी!
बात बदेगी और वे
उसकी टांग तोड़
देगे!

उनकी हम जमानत
करा देगे और कहानी
खत्म!

बोल, कैसी
लगी कमेंट्री?

सुपुर्ब राजाजी!
आप मैच तो क्या,
जिन्दगी और मौत की
भी फिक्सिंग कर सकते
हैं!

छुप सदटेराजा के दांव को नाकाम करने की हर भरसक कोशिश कर रहा था-

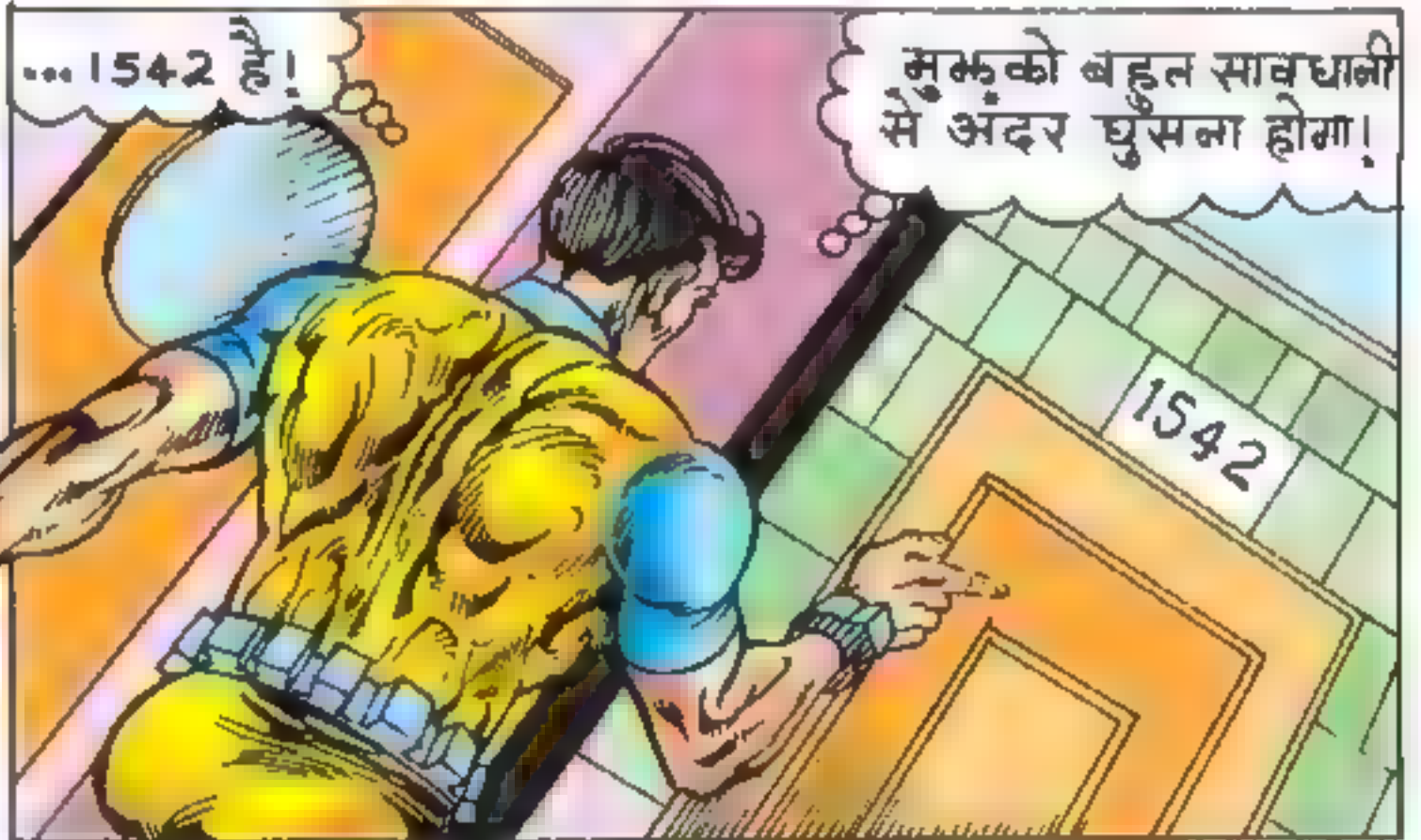
मैंने दांव लगाने वाले फोन नंबर की मदद से उस आदमी का पता मालूम कर लिया है, जिसके नाम पर यह फोन है! उसका नाम प्रफुल्ल पटेरा है! हो सकता है कि यह सदटा माफिया का ही आदमी हो और यह अपार्टमेंट उनका अड्डा हो!

इसी पंद्रहवें फ्लोर पर वह अपार्टमेंट है जिसका नंबर...



... 1542 है!

मुझे बहुत सावधानी से अंदर घुसना होगा!



अगर अंदर पेझेवर गुंडे हैं तो उनको तभी पकड़ना होगा जब वे चकित और असावधान हों!

बेल बजते ही-



इसीलिए मैं इस रास्ते से अंदर जाऊंगा ताकि उनको मेरे आने की भनक न लग पाए!

ध्रुव की चकित हो
जाना पड़ा-

उस पर हमला इतनी फुर्ती से
हुआ था कि वह खुद असंतुलित
हो गया-

और संभलने से पहले ही वह दुश्मन की गिरफ्त में
आ चुका था-

हैंड्स अप!
हिलना मत!

ओफ़! ये क्या
बेवकूफी कर बैठा
मैं?

कौन हो
तुम? पीछे
मुड़ो!

अरे! तुम तो
ध्रुव हो!
मेरे सुपर
हीरो!

मम्मी! जल्दी
आओ! देखो तो
कौन आया है?

ओ गॉड! ये तो
सिर्फ एक...
झाररती बच्चा
है!

पर इस जगह
पर एक बच्चा!
और इसकी
माँ भी है!

यानी ये जगह
सट्टे बाजों
का अड्डा
नहीं हो सकता!

कौन है,
रोहित?

क्यों
चिल्ला रहा
है?





बच्चे की जिद
के आगे धुव
को झुकना ही
पड़ा-

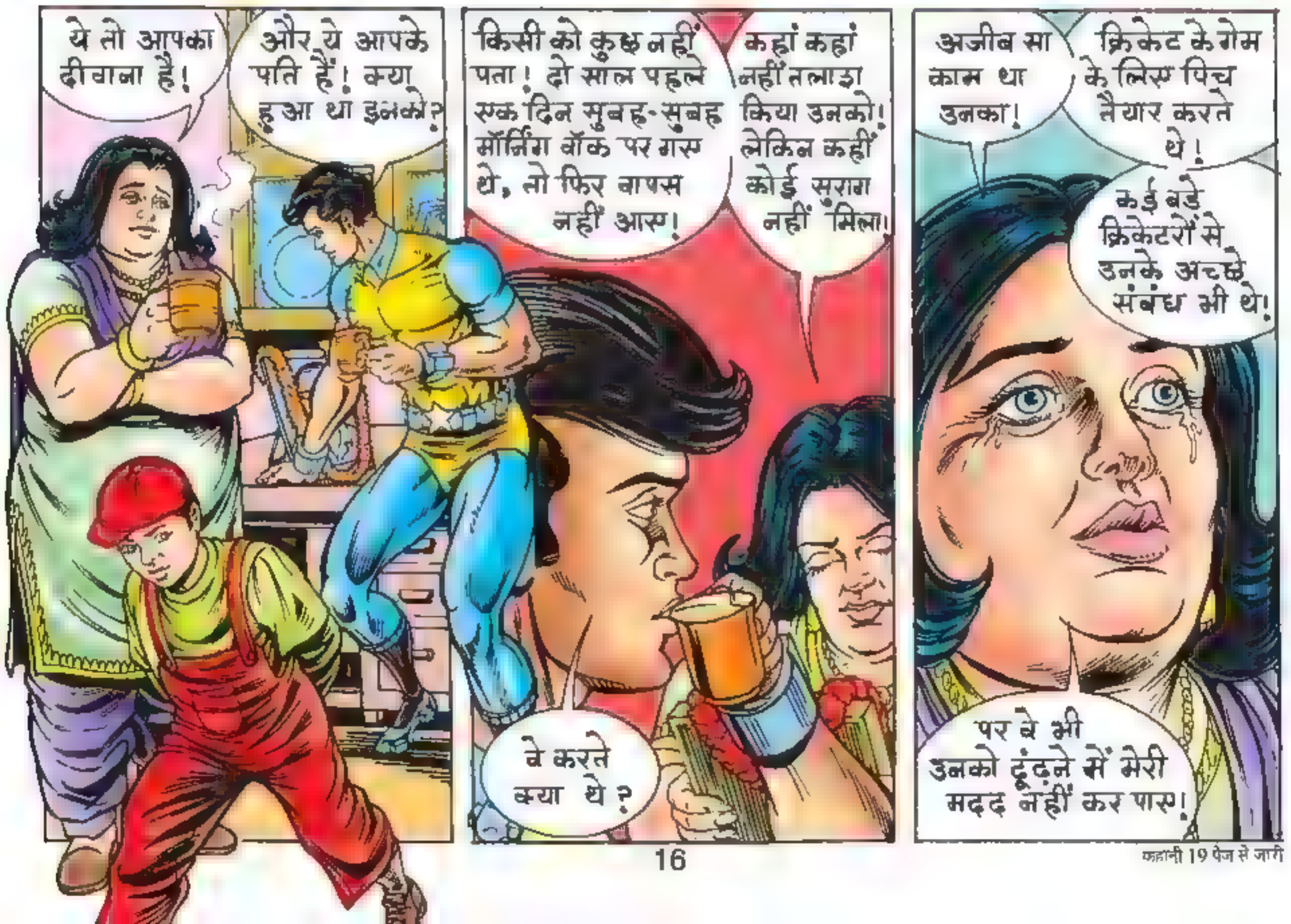
और देखिये! मैं
भी आपकी तरह ही
कूदता हूँ! वन...
हूँ...

बस, रोहित
बहुत हो गया!
अब मैं डॉक्टर
का रबच बर्दाश्त
नहीं कर सकती!

हर महीने
एक नई चोट
लगा लेता है!

चलो, धीरे
से नीचे उतरो
चुपचाप!

और धुव भड़का
को और तंग मत करो!
अपने कमरे में जाओ,
और टेस्ट की तैयारी
करो!



ये तो आपका
दीवाना है!

और ये आपके
पति हैं! क्या
हूआ था इनको?

किसी को कुछ नहीं
पता! दो साल पहले
एक दिन सुबह-सुबह
मॉर्निंग वॉक पर गए
थे, तो फिर वापस
नहीं आए!

कहां कहां
नहीं तलाश
किया उनको!
लेकिन कहीं
कोई सुराग
नहीं मिला!

अजीब सा
काम था
उनका!

क्रिकेट के गेम
के लिए पिच
तैयार करते
थे!

कई बड़े
क्रिकेटर्स से
उनके अच्छे
संबंध भी थे!

वे करते
क्या थे?

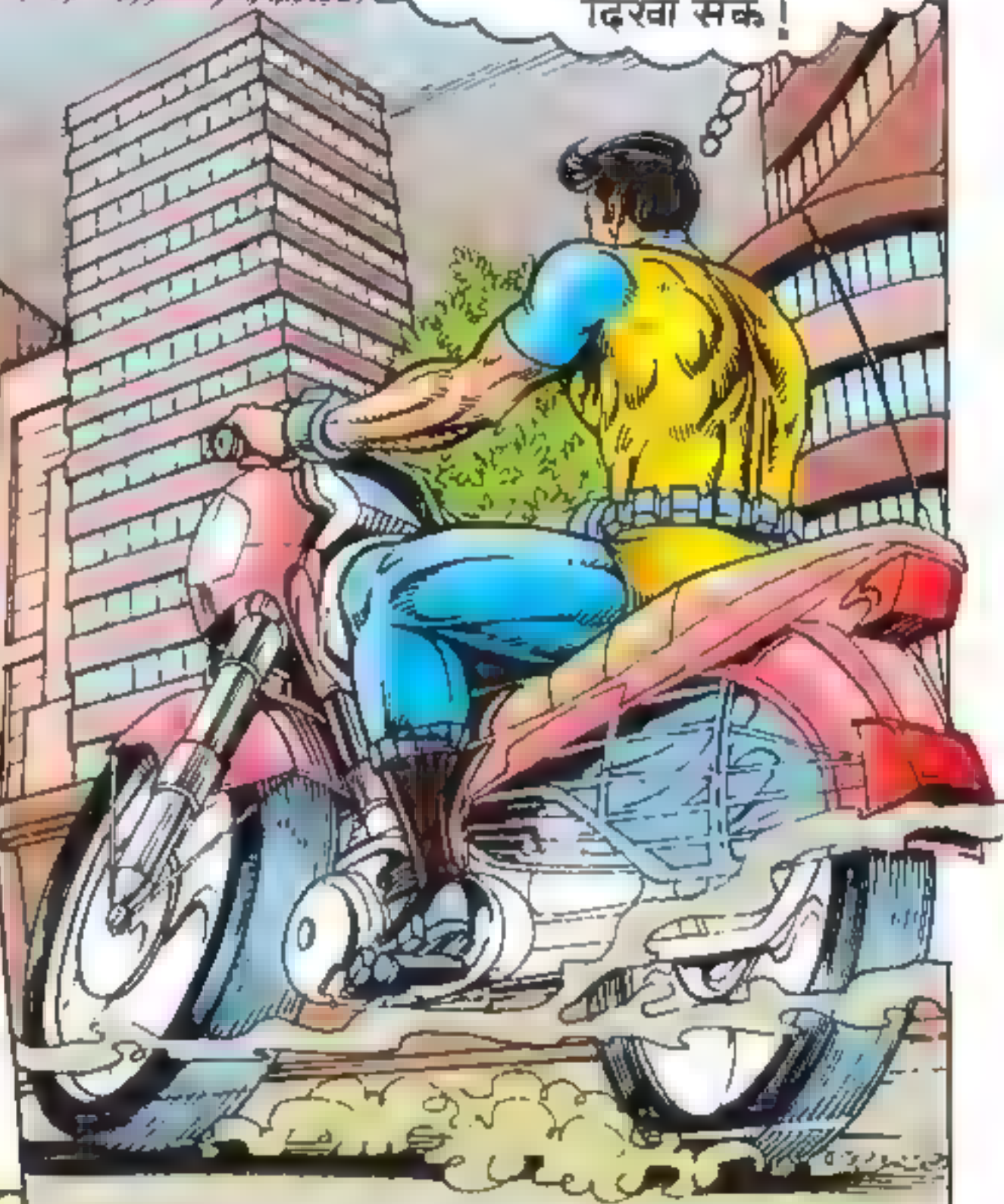
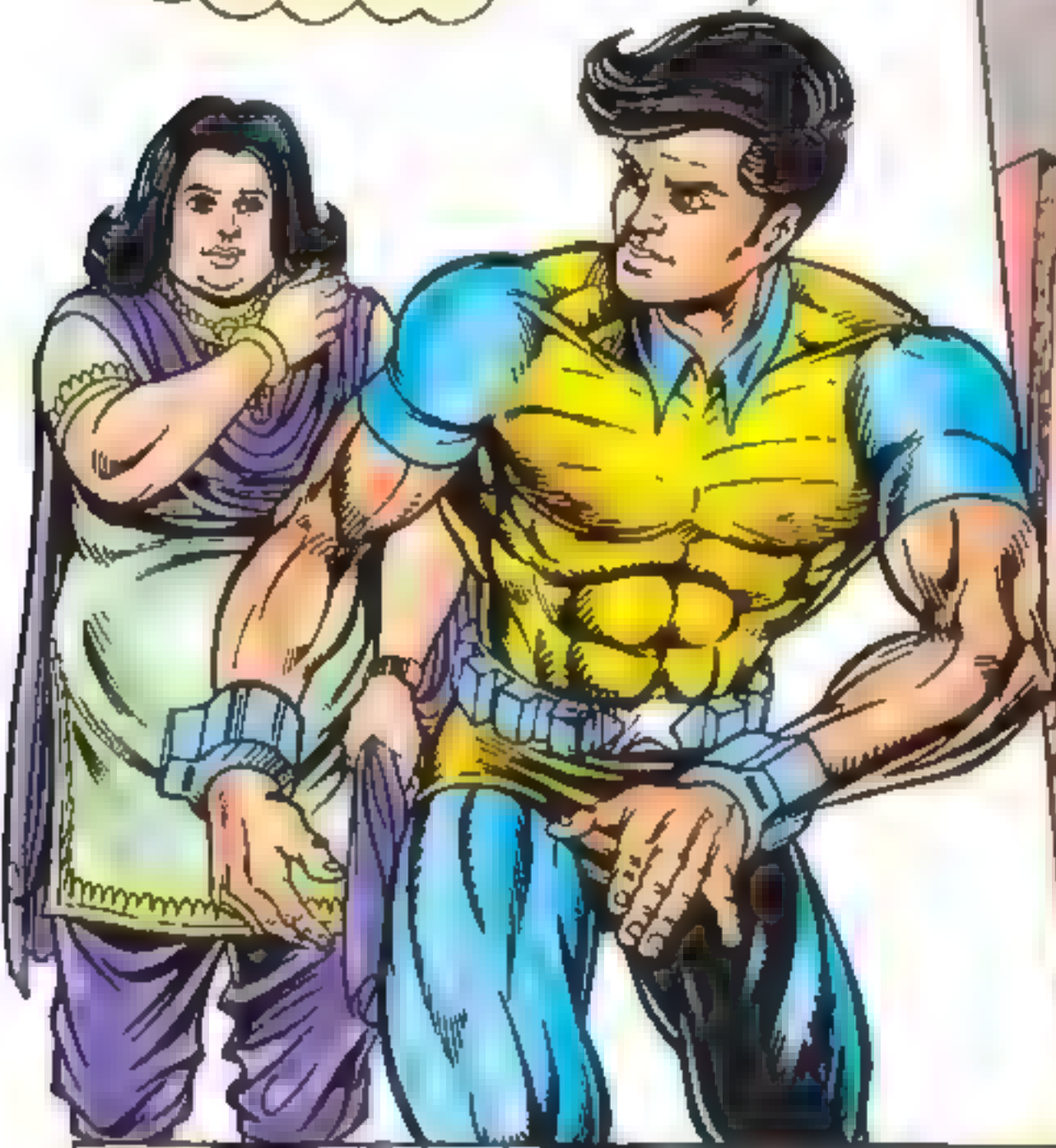
पर वे भी
उनको ढूंढने में मेरी
मदद नहीं कर पाए!

क्रिकेट! यानी इस सारे मामले से इस फ्लैट का कुछ न कुछ संबंध तो है! मुझको इन लापता मिस्टर राय के बारे में और पता करना पड़ेगा!

चाय के लिए शुक्रिया मिसेज राय! अब मुझे इजाजत दीजिए!

अब ध्रुव की मोटरसाइकल पुलिस हेडक्वार्टर के रास्ते पर दौड़ रही थी-

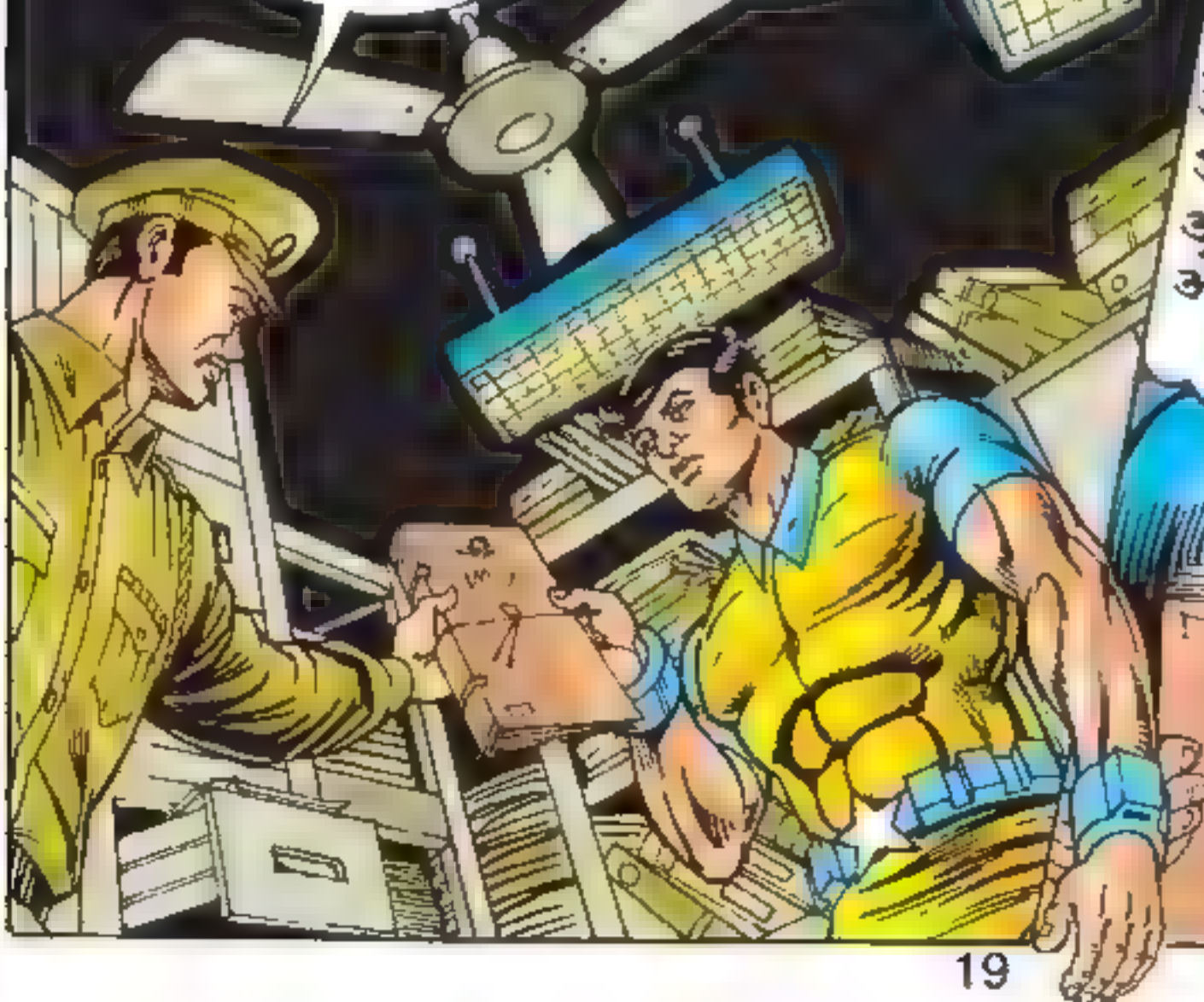
मिस्टर राय की पुलिस फाइल में कोई न कोई ऐसी जानकारी जरूर होगी जो मुझको आगे का रास्ता दिखवा सके!



और फिर-

ये भी सौमित राय की फाइल है! जरा धूल झाड़ लेना!

पर मुझे डक है कि इसमें तुमको कुछ भी मिलेगा!



हम! इस फाइल के अनुसार तो सौमित राय एक निहायत ही झरीफ इंसान थे! उनकी किसी से कोई रंजिश नहीं थी! उनका न तो किसी ने अपहरण होते हुए देखा, और न ही उनके मरने की पुष्टि हुई है!



न जाने मुझे ऐसा क्यों लग रहा है कि इस गुमशुदगी के तार सदटा माफिया से जुड़े हुए हैं !

अगर सौमित राय जिन्दा हों, और मैं उनको ढूँढ़ सकूँ तो मुझको सदटा माफिया के बॉस तक पहुँचने में ज्यादा वक़्त नहीं लगेगा !

और सौमित की फोटो देखने के बाद उनकी तलाश करने का एक बहुत कारगर रास्ता मेरे पास है !

सेमा तो ही ही नहीं सकता था-

सदटेराजा ! एक हिलाकर रख देने वाली न्यूज है !

ध्रुव, सौमित राय की तलाश कर रहा है !

अच्छा !

पर सौमित वाली फाइल तो पुलिस भी दो साल पहले ही बंद कर चुकी है ! जब पुलिस का लंबा चौड़ा नेटवर्क सौमित को नहीं ढूँढ़ पाया तो अकेला ध्रुव उसको कैसे ढूँढ़ेगा !

ध्रुव की इन कोशिशों की खबर सदटेराजा तक न पहुँचे-

ध्रुव का नेटवर्क बहुत बड़ा है सदटेराजा ! अब से आकाश में उड़ने वाली एक-एक चिड़िया और जमीन पर घूमने वाला हर एक चौपाया सौमित राय की ही तलाश करेगा !

और अगर सौमित जिन्दा हुआ और वह ध्रुव को मिल गया तो उसको हम तक पहुँचते-देर नहीं लगेगी !

ध्रुव को रोकने की कमेंटरी मैं पहले ही निरव चुका हूँ ! घबराओ मत ! इंडिया पाकिस्तान पर लगे सौ करोड़ के सदटे पर कोई आंच नहीं आयेगी !

पता नहीं ये प्रॉब्लम रुक-रुक करके क्यों नहीं आती? परसों से मैच शुरू होने वाला है! अभी धौंकनी का बैट बजाना बाकी है और ऊपर से ये नई समस्या आ गई है!

पांसा को मैसेज भेजो कि उसको ध्रुव का मैच फाइव डे से बन्दे का करना है!

फौरन गेम बजा डालना है उसका!

जिम्नास्ट को!

लेकिन वो तो... वो तो... हड्डियों को सिर्फ तोड़ता ही नहीं है, पूरे पिंजर को बदन से बाहर निकाल देता है!

इंडियन टीम राजनगर पहुंच चुकी थी-

और हमेशा की तरह उसके खिलाड़ियों को क्रिकेट के अलावा और भी कार्यक्रम थे-

अब मार्केटिंग की दुनिया के सबसे नए कंसेप्ट 'मिल्क बार' का उद्घाटन करेंगे भारतीय क्रिकेट टीम की रीढ़ की हड्डी माने जाने वाले आलराउंडर श्री धौंकनी!

आइए... धौंकनी जी!

MILK BAR

अब जैसी धौंकनी की किस्मत!

भीड़ में धौकनी के कुछ खास फैन भी शामिल थे-

से इबेला।
यहाँ तो बड़ी भीड़ है! अब हम आगे पहुँच कर धौकनी से मिलेंगे कैसे?

IMMIGRATION
GH DHOKNI

Milk bar

अब तु मेकअप करेगी? अरे धौकनी तक पहुँच पाए तो कुछ फायदा भी है! वह देखेगा तो इम्प्रेस होगा न!

पाउडर लगा के!

अरे, ये पाउडर अपने लिए नहीं!

पब्लिक के लिए है!

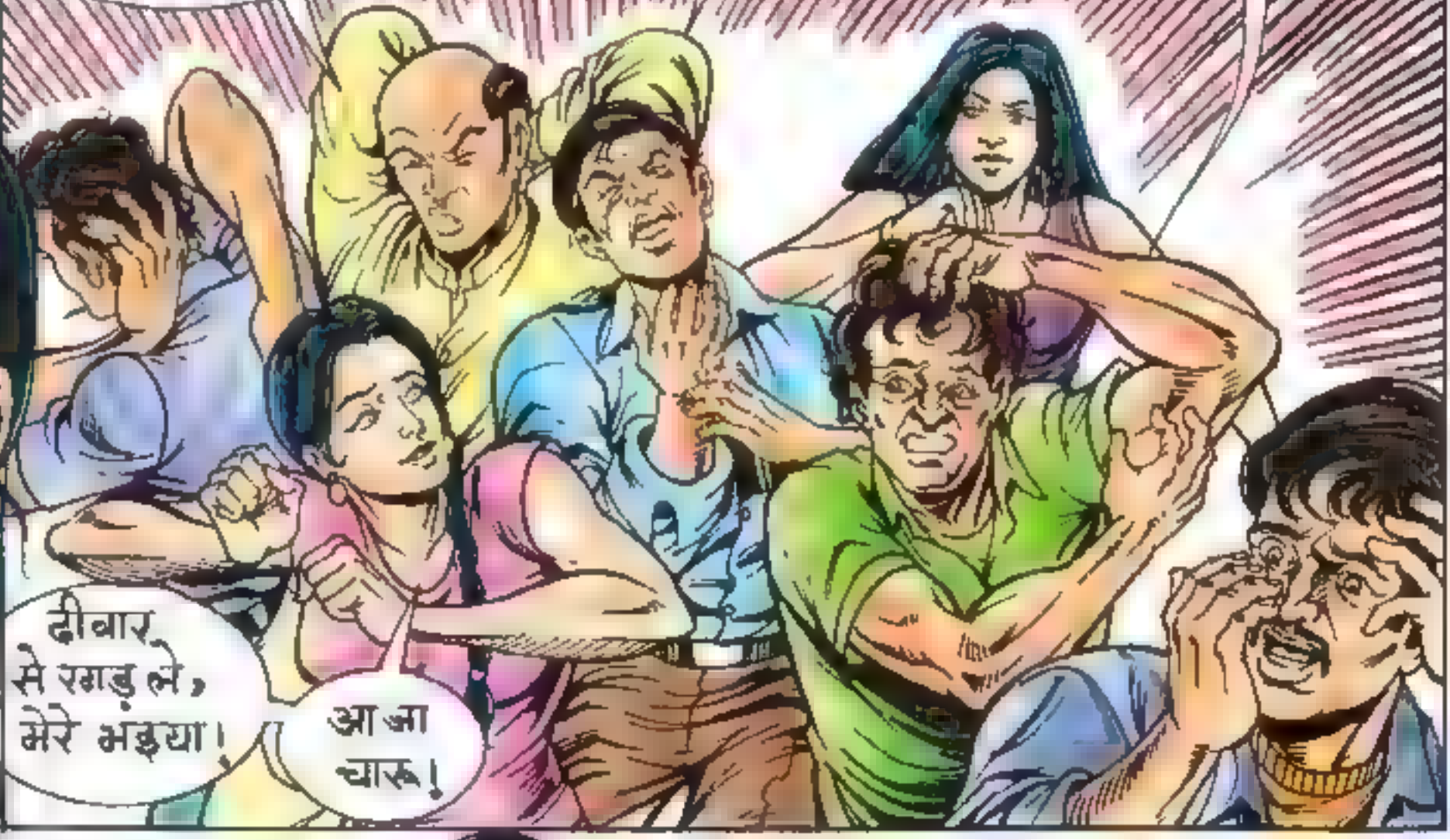
क्योंकि ये पाउडर खुजली का पाउडर है!

फूँस

ओर! मैं पाँच दिन पहले ही तो नहाया था! फिर खुजली क्यों हो रही है?

ऊँस! आँस! आँस! बड़ा मजा आ रहा है!

बहनजी! जरा पीठ रबुजला दो न! मेरे दो ही हाथ हैं और दोनों बिजी हैं!



दीवार से रगड़ ले, मेरे भइया!

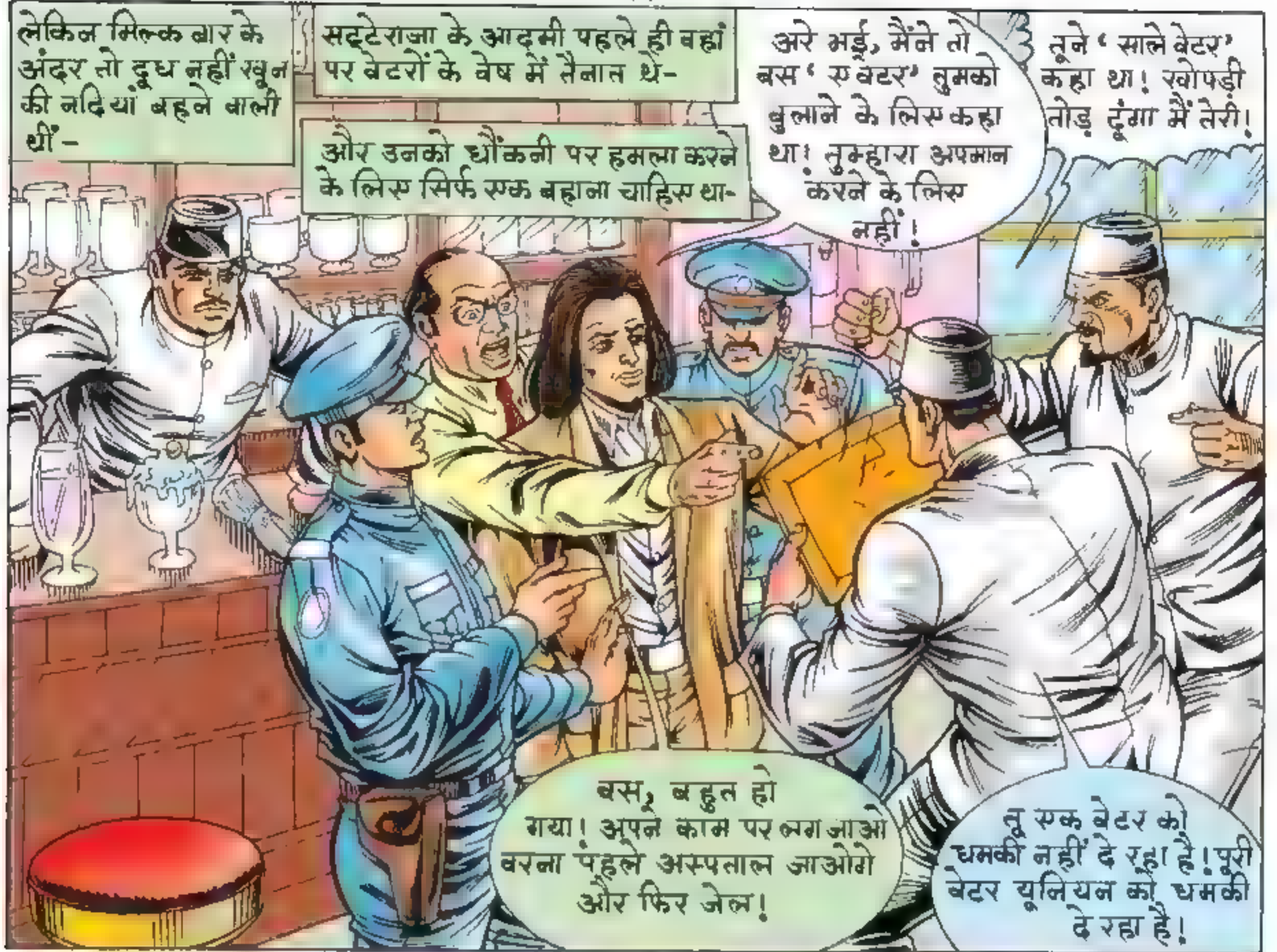
आ जा चारु!

ले! हम इतनी मेहनत करके यहाँ आए तो धौकनी अंदर बार में चला गया!

तो हम भी चलते हैं न!

एक-एक बादामी दूध पी लेंगे!





रे! रे! रुक जाओ!
तुम लोगों को अभी
नौकरी से बर्खास्त
किया जाता है!

और तुम्हें इंडियन क्रिकेट टीम
से बर्खास्त किया जाता है! टूटी
टांग से तो तू खेल पाएगा
नहीं!

और हम
तुम्हें मालिक की
गद्दी से बर्खास्त
करते हैं!

इवेला, यहां तो मार-
पीट हो रही है!

बाहर चल!
पुलिस को फोन
करते हैं!

च... चल! तू
तेज दौड़ती है!
भाग जा! मैं पीछे-
पीछे आती हूँ!

घौंकनी को बचाने
के बाद!

क्योंकि पुलिस को
आते-आते भी दस
मिनट से कम नहीं
लगेगा!

मैच

घौकली ने अब तक तो किसी तरह अपने आपको धायल होने से बचा रखा था -

लेकिन यह क्रिकेट का मैदान नहीं था जहां पर वह प्रतिद्वन्द्वियों के धक्के छुड़ाता था -

यह युद्ध का मैदान था -

लड़ाई के मैदान में कूद चुकी थी -

और इस मैदान की स्पेशलिस्ट -

हाऽऽऽऽऽ

ओ गॉड!

थैंक्स!

पर तुम हो कौन ?

चंडिका !

सुन लिया न ! मैं ऐसे लोगों के बीच में तुमसे ज्यादा पापुलर हूं !

अब तुम धीरे- धीरे आराम से चलकर मिलक बार की बाकेंड्री से बाहर जाओ !

ये भोग स्टेचर पर जायेंगे !

और इससे थोड़ा सा ज्यादा वक्त चंडिका को गुंडों को धूल चटाने में लगाऊँ-

छोँकनी ने यह सलाह मानने में एक सेकंड का भी वक्त नहीं लगाया-

क्या किस्मत है यार ! छोँकनी से मिली भी तौ इस रूप में ? मिलने का मजा ही खत्म हो गया !

पर मुझे तो बहुत मजा आया !

क्योंकि मेरा काम पूरा होने वाला है !

ये कौन बोला ?

मैं बोला !

इन गुंडों का बाप...

जिम्नास्ट

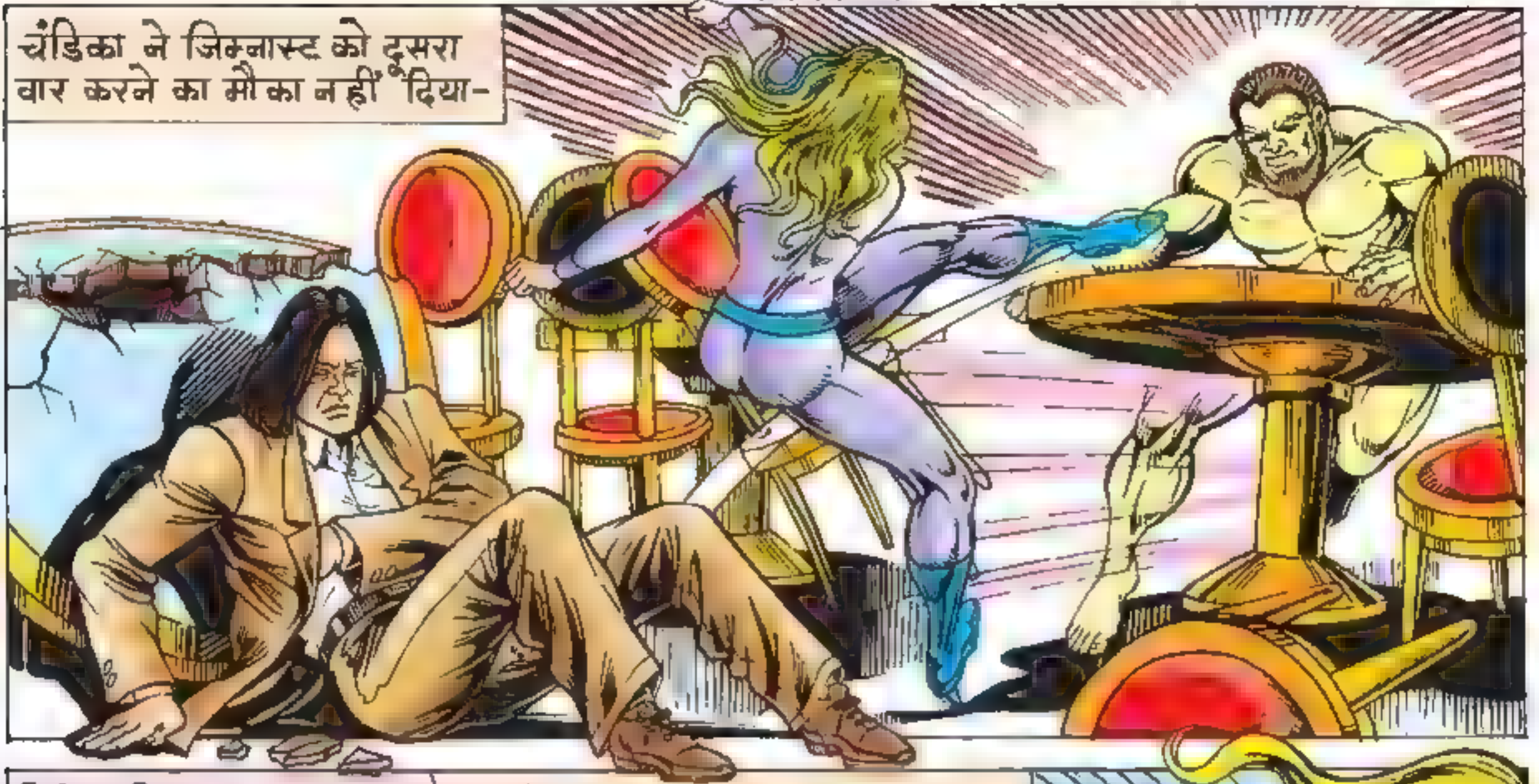
जो शिकार का काम
तमाम करता है बेरी
फास्ट!



ओ गॉड! ये
तो घोंकनी का
कैरियर यहीं पर
खत्म कर देने पर
उतारू है!

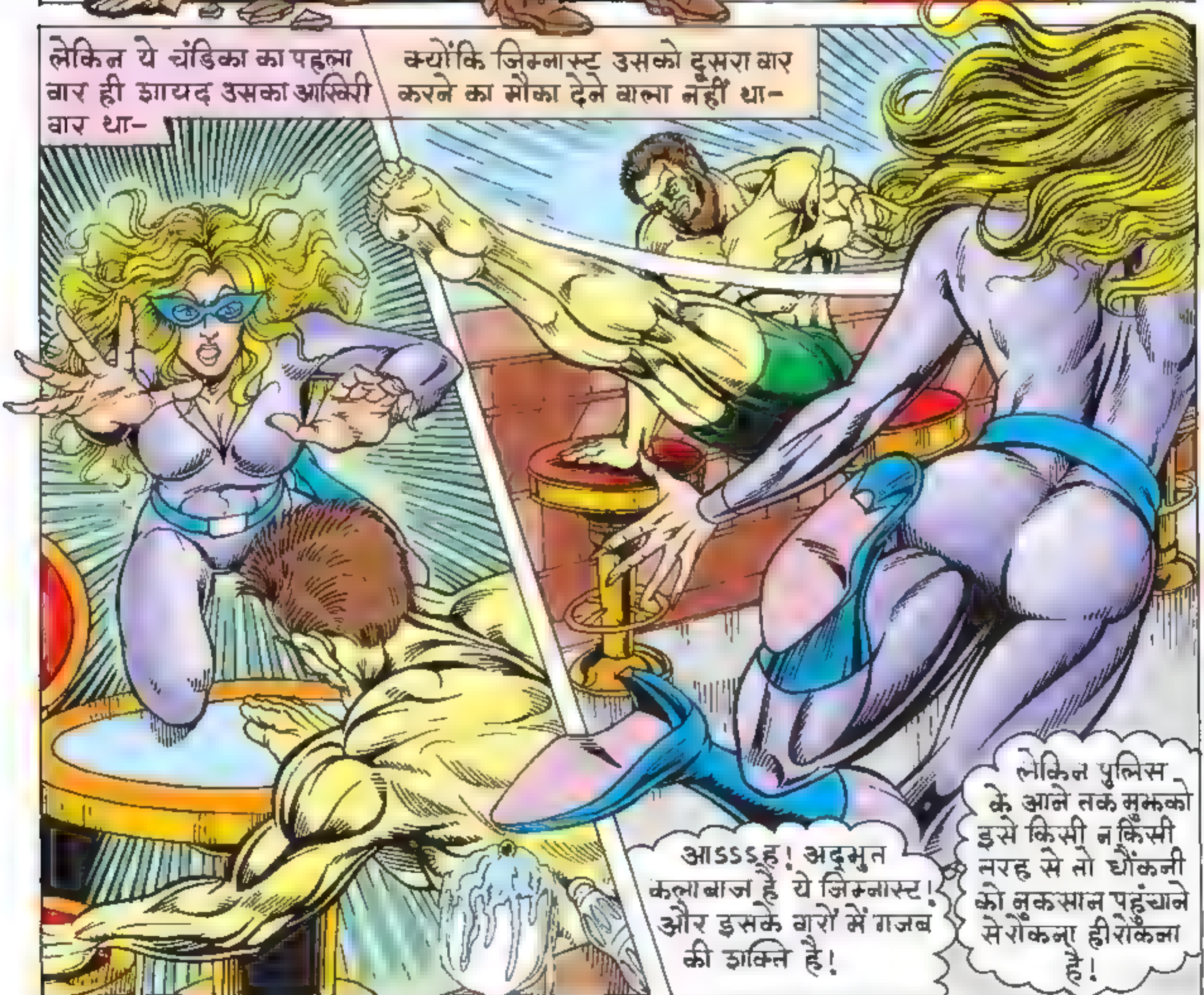
इस बार तो घोंकनी को
कोई घातक चोट नहीं लगी है!
लेकिन अगली बार जिम्नास्ट का बार
और पावर फुल होगा!

चंडिका ने जिम्नास्ट को दूसरा वार करने का मौका नहीं दिया-



लेकिन ये चंडिका का पहला वार ही शायद उसका आखिरी वार था-

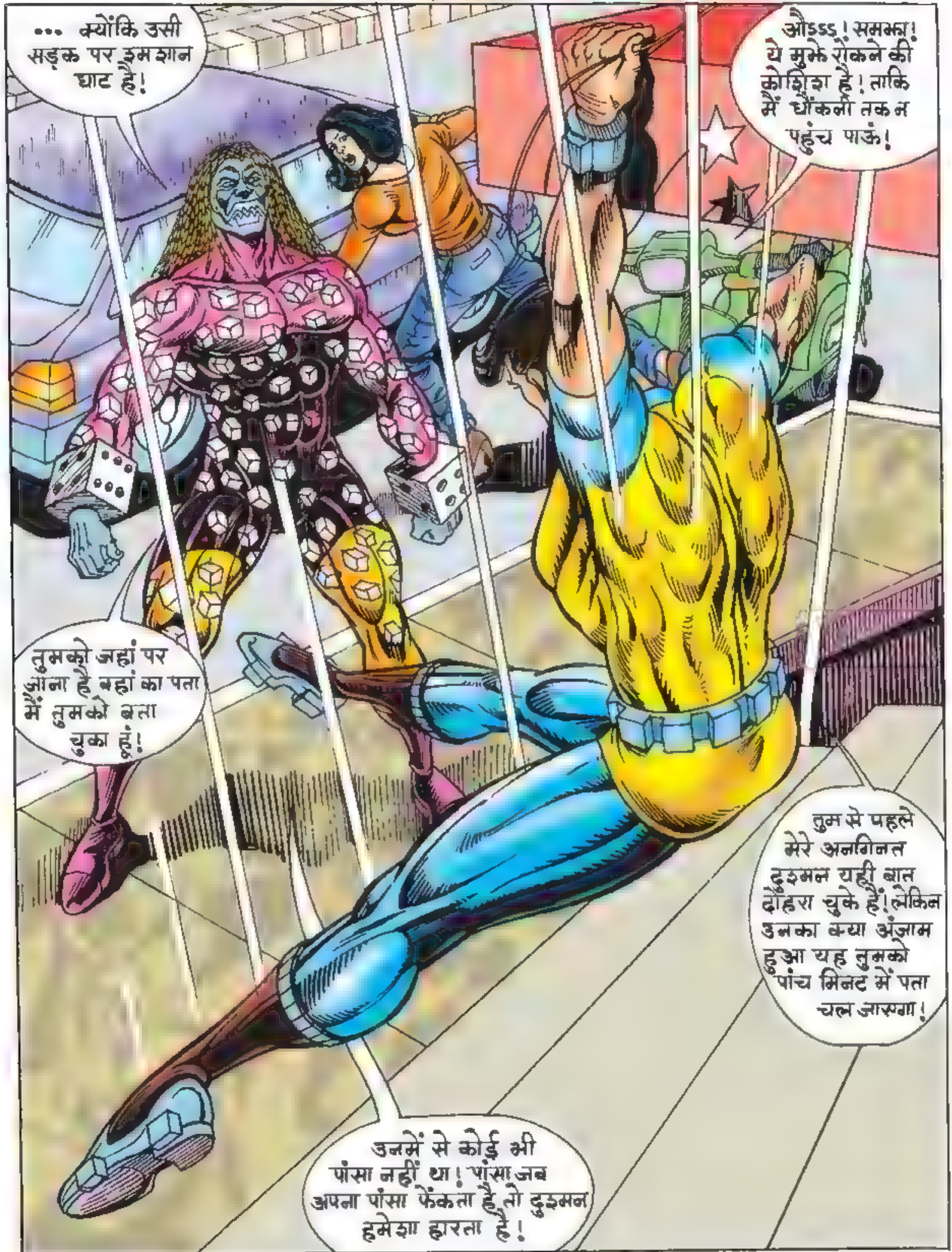
क्योंकि जिम्नास्ट उसको दूसरा वार करने का मौका देने वाला नहीं था-

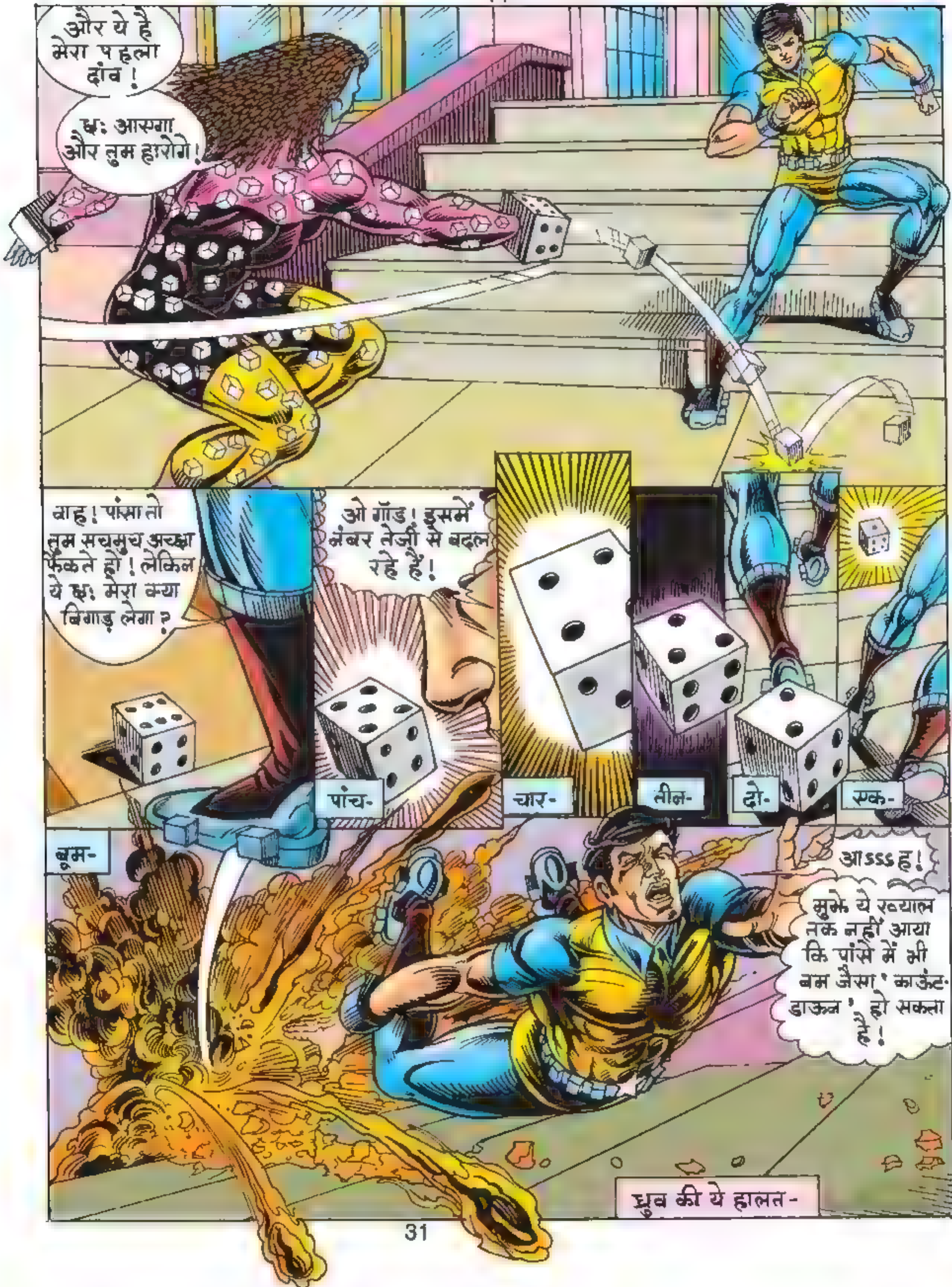


आऽऽऽह! अद्भुत कलाबाज है ये जिम्नास्ट! और इसके वारों में गजब की शक्ति है!

लेकिन पुलिस के आने तक मुझको इसे किसी न किसी तरह से तो चौकनी को नुकसान पहुंचाने से रोकना ही रोकना है!







और ये है मेरा पहला दांव!

ध: आसगा और तुम हारोगे!

वाह! पांसा तो तुम सचमुच अच्छा फेंकते हो! लेकिन ये ध: मेरा क्या बिगाड़ लेगा?

ओ गॉड! इसमें नंबर तेजी से बदल रहे हैं!

बूम-

पांच-

चार-

तीन-

दो-

एक-

आsssह!

मुझे ये खयाल तक नहीं आया कि पांसे में भी बम जैसा 'काउंट-डाऊन' हो सकता है!

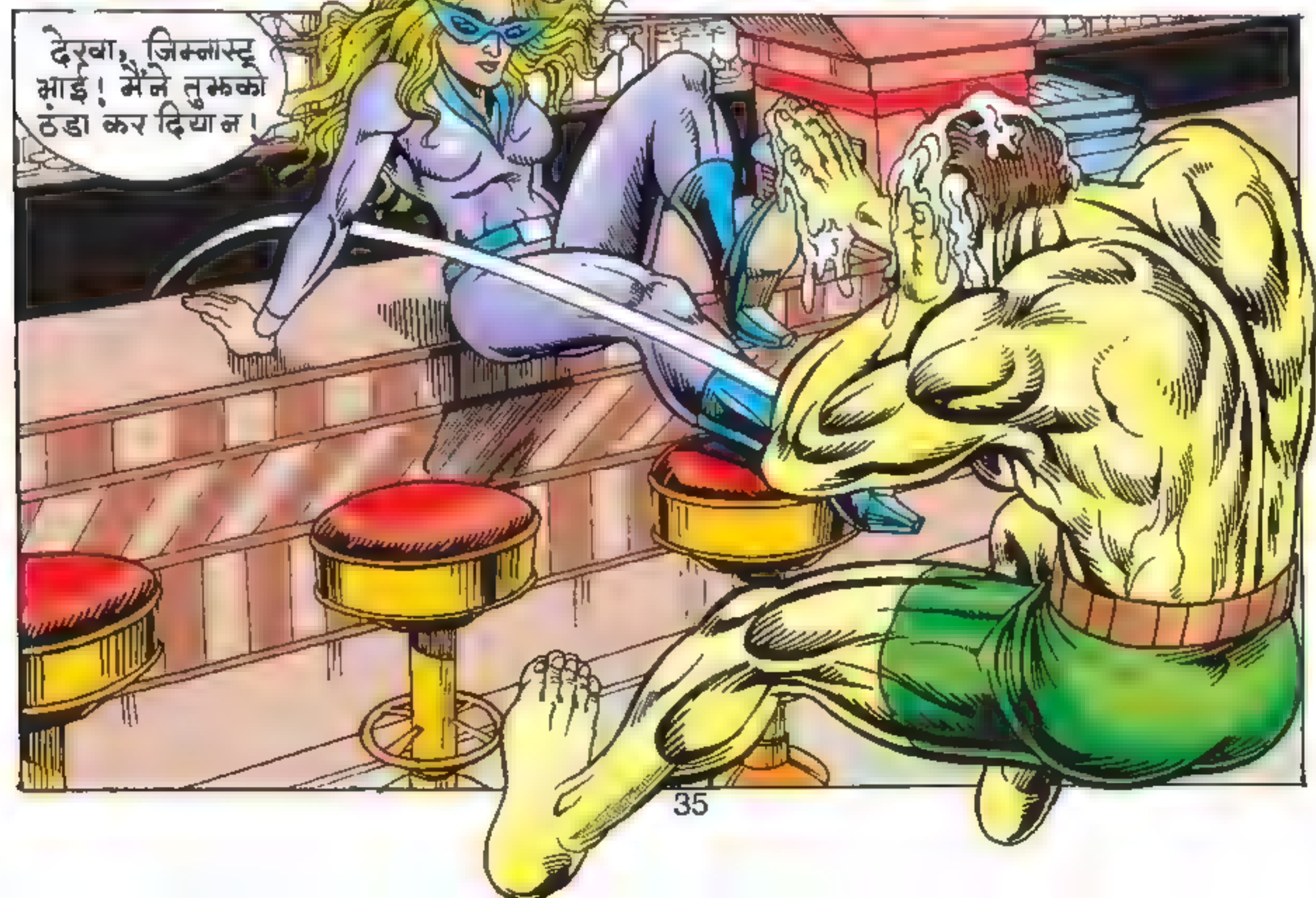
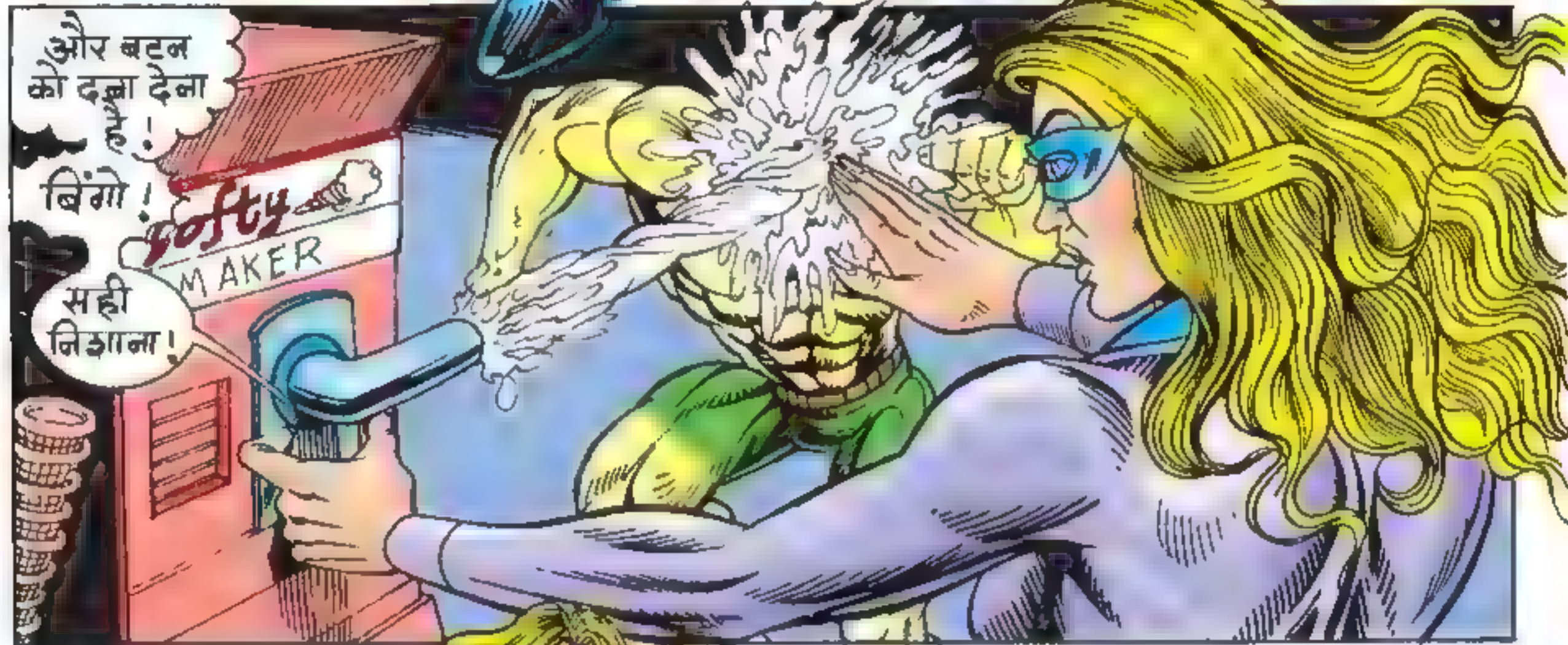
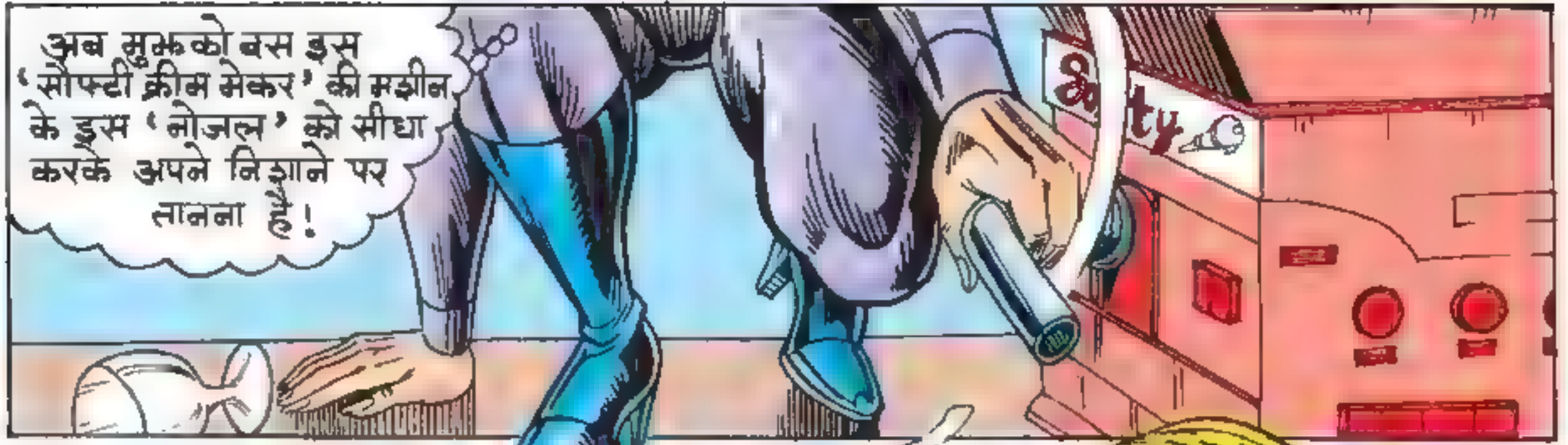
धुव की ये हालत-

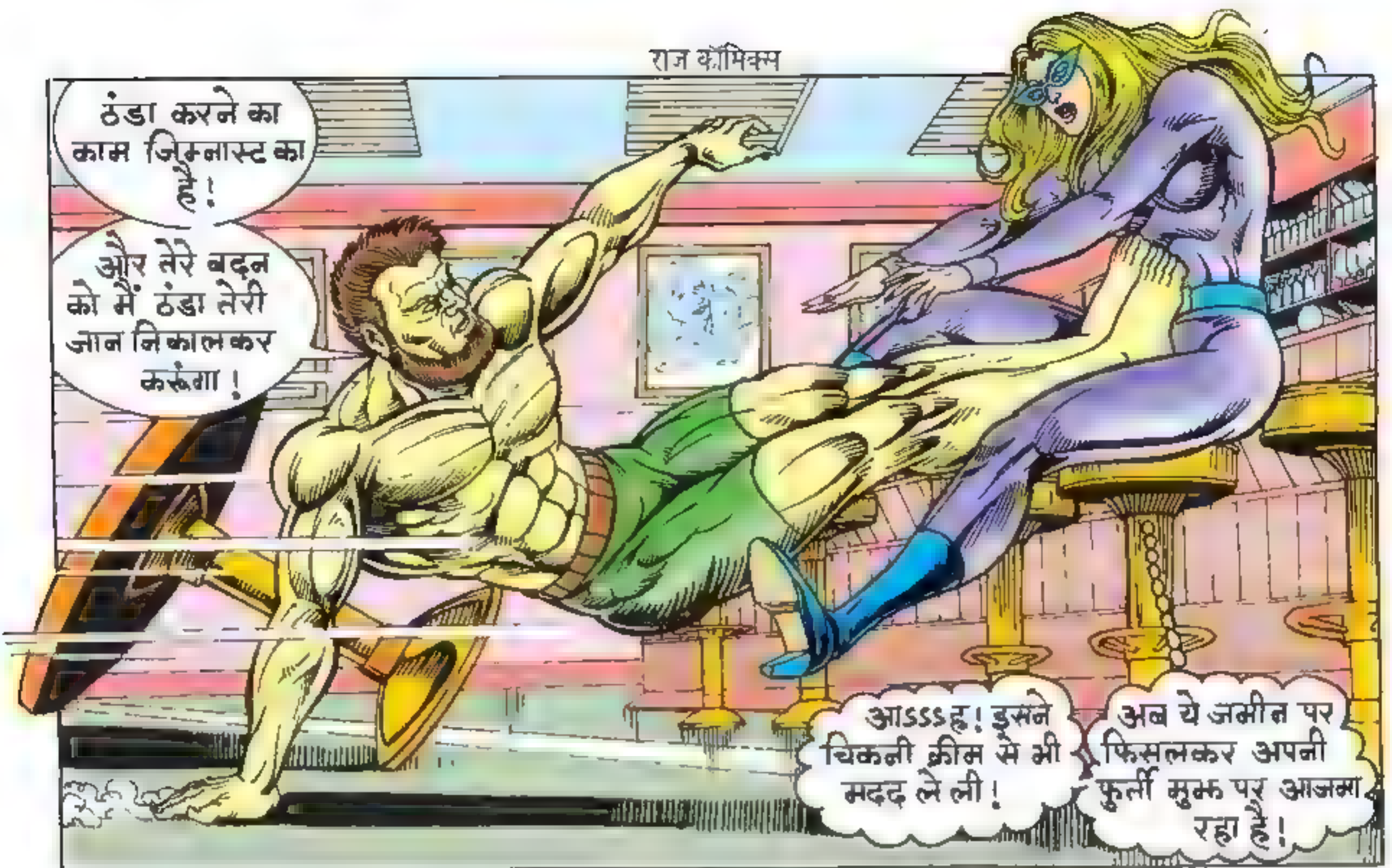
चंडिका की हालत से मैच कर रही थी-

आऽऽऽ ह! इसकी कलाबाजी में इतनी फुर्ती है कि ये मुझे वार करने के लिए अपने पास तक भी पहुंचाने नहीं दे रहा है!

कुछ ऐसा करना पड़ेगा कि इसकी फुर्ती में कुछ कमी आए!

और ऐसा कर पाने के लिए इसने मुझे बिल्कुल सही जगह पर भेजा है!

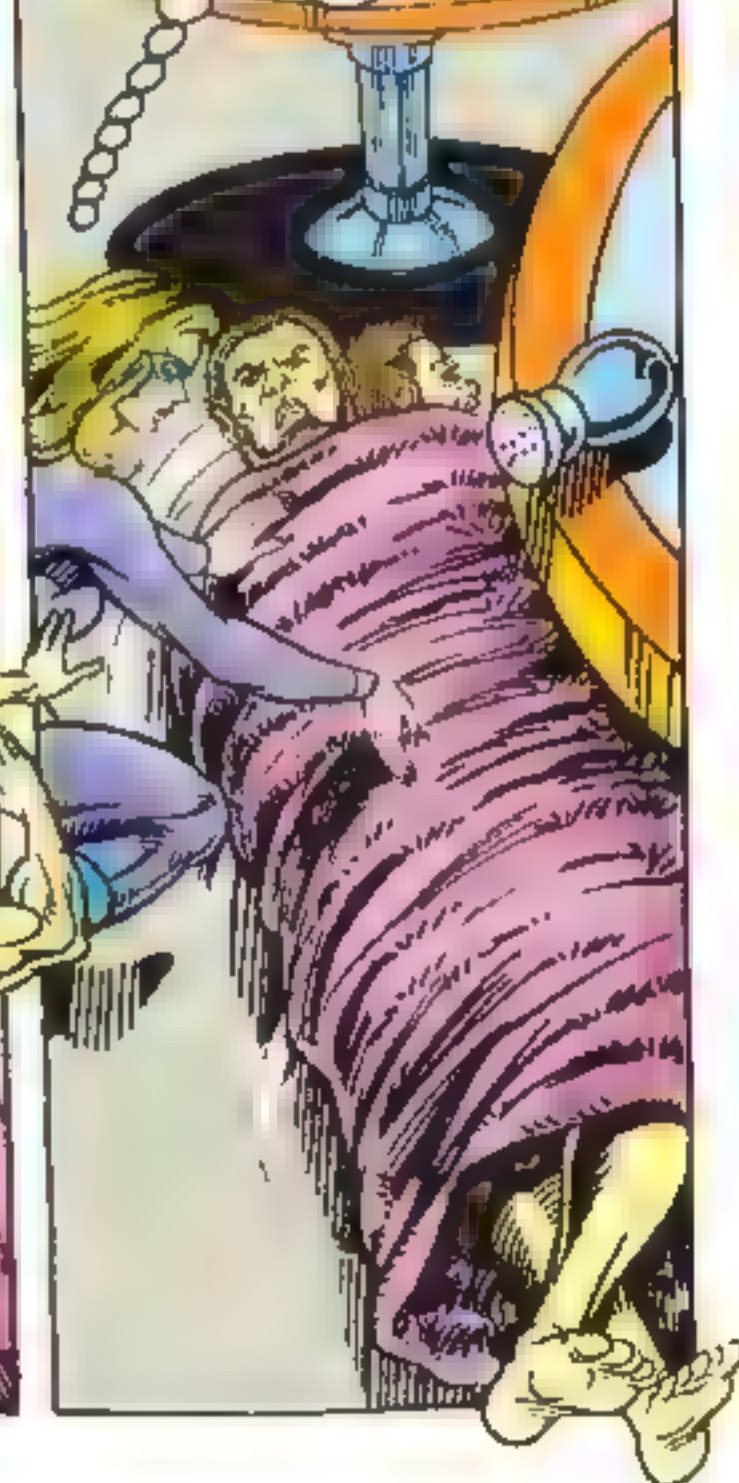


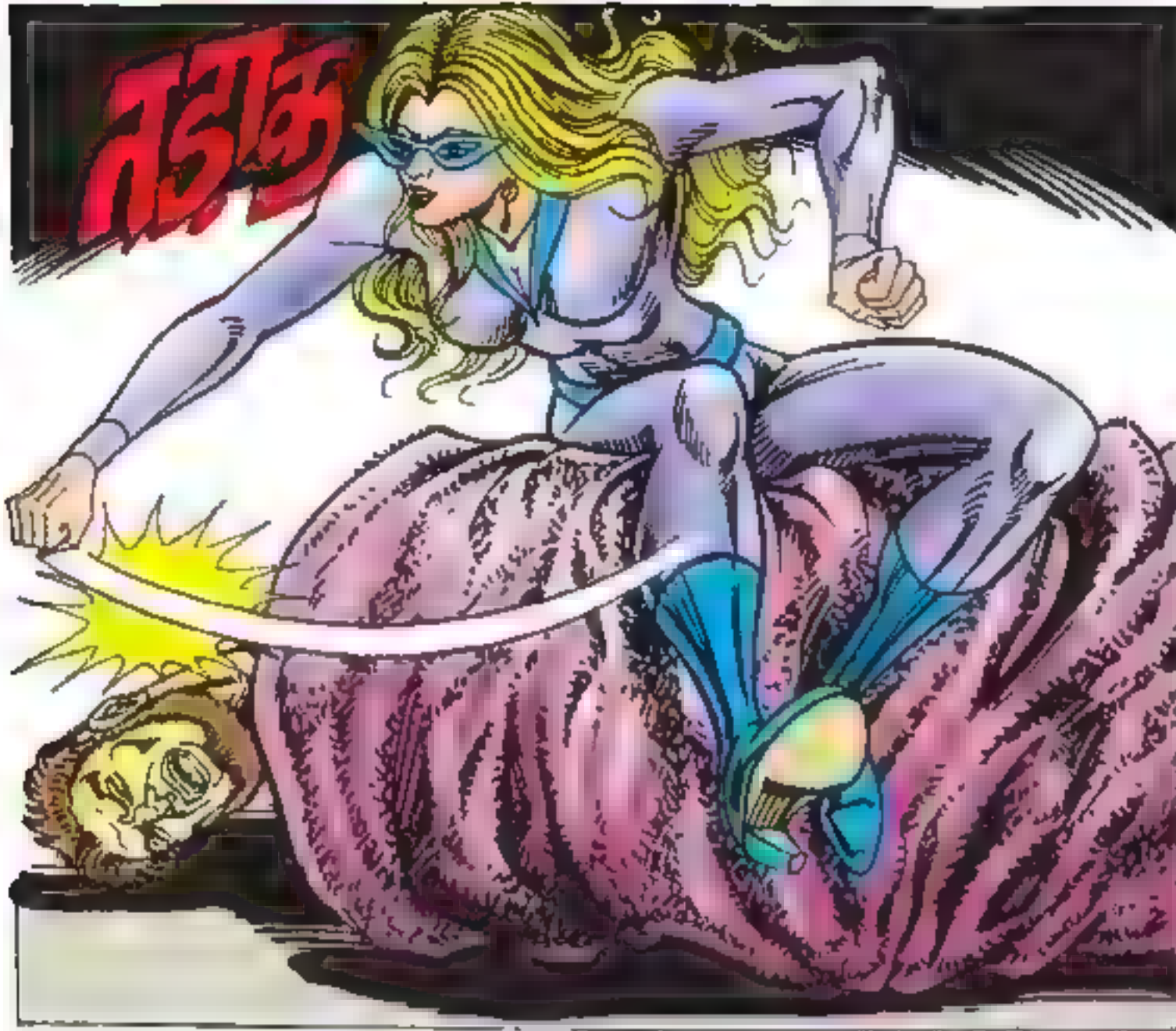


लड़ाई का स्थान बदलना पड़ेगा ! और अपनी चाल को भी ! ये कालीन वाला सेक्शन मेरे प्लान के लिए सफ़ाई परफेक्ट है !

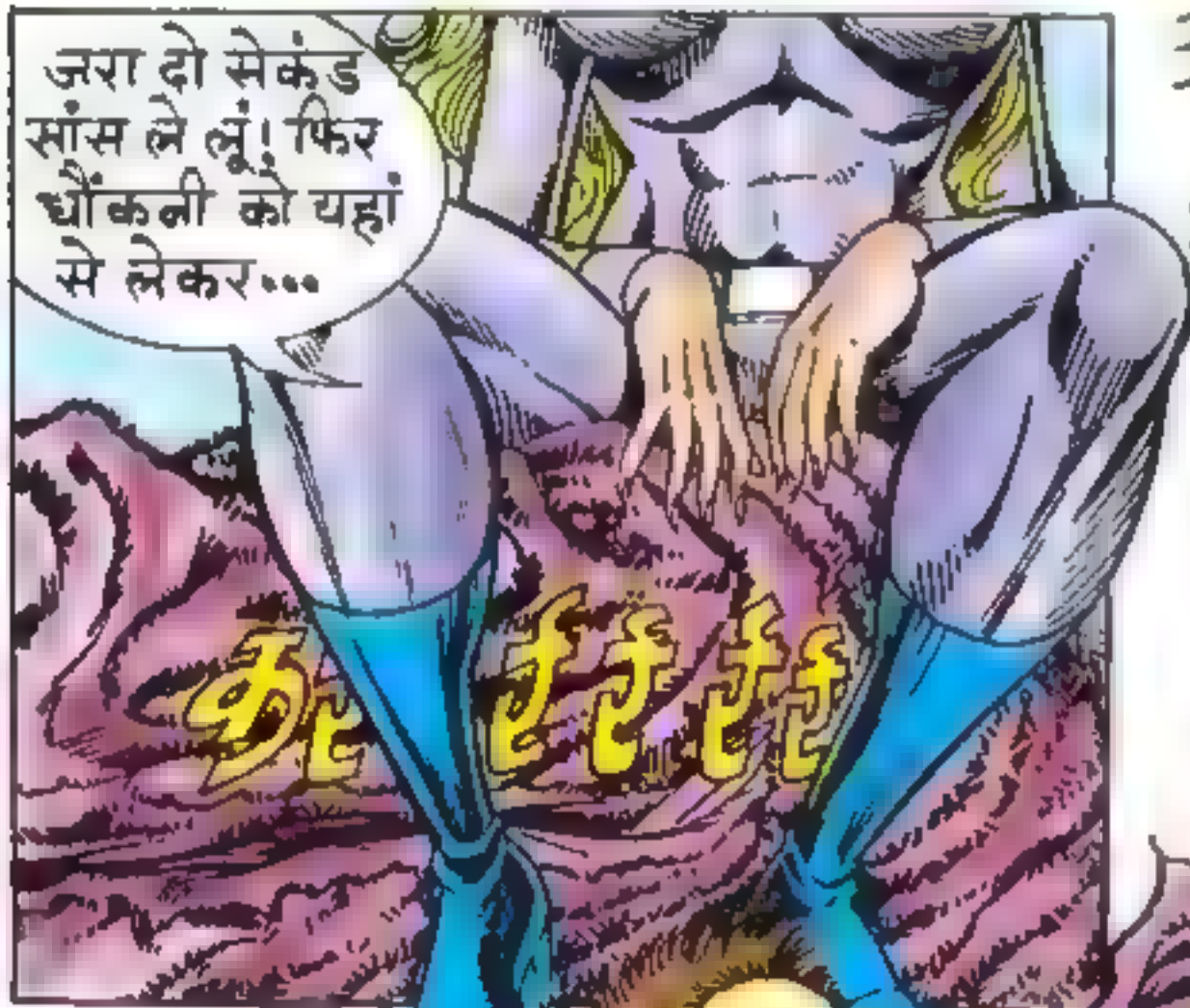
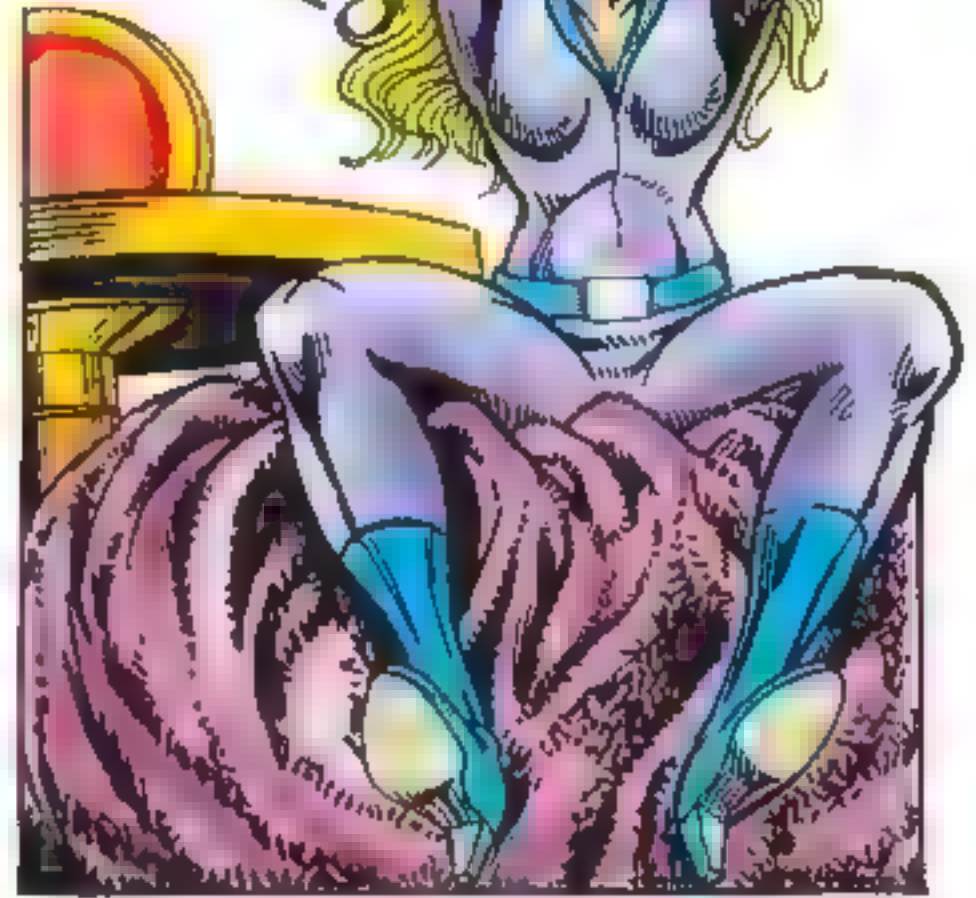
अब मुझे जिम्नास्ट के पैरों पर चार करके इसको कालीन पर गिराना होगा ! ताकि इसके संभल पाने से पहले...

... मैं इसकी फुर्ती के साथ-साथ इसका पार्सल बनाकर जेल के पते पर भेज दूँ !





आऽऽऽह!
आखिरकार
मैं जीत ही
गई!



जरा दो सेकंड
सांस ले लूं! फिर
धौंकनी को यहां
से लेकर...

... जाऊंगीऽऽऽ
ओफ़! ये तो कालीन
काटकर बाहर आ
गया!



इस लड़ाई का
कोई अंत है भी
या नहीं!

इस लड़ाई का चाहे कैसा भी अंत हो-

नतीजा तो सट्टेराजा के पक्ष में ही निकलना था-

कुछ गड़बड़ लगती है, सट्टेराजा! जिम्नास्ट ने अब तक पलटकर मैसेज नहीं भेजा है!

हमारे पुलिस फ्रीक्वेंसी पर सटे ट्रांसमीटर द्वारा यह खबर मिली है कि वहां पर चंडिका मौजूद है!

एक मिनट पहले जो खबर हमको मिली थी उसके अनुसार पांसा ध्रुव तक पहुंच गया था!

और उसने ध्रुव को धौंकनी तक पहुंचने से रोक दिया था!

"उसके बाद की कोई खबर अब तक हमको नहीं मिली है--"

तुम्हारा धमाका मेरा कुछ स्वास बिगाड़ नहीं पाया, पांसा!

ओफ़! एक और गड़बड़! ये चंडिका वहां पर कैसे पहुंच गई?

पुलिस को तो हमने जगह-जगह पर ट्रैफिक जाम लगावाकर रोक दिया था!

रैबर, जिम्नास्ट से चंडिका नहीं जीत पाएगी! वह काम पूरा करके ही आएगा!

पांसा की क्या खबर है?

अगर बिगाड़ पाता तो मुझको बहुत अफसोस होता! सच्ची!

क्योंकि तुम्हारे जैसा दुश्मन अगर जल्दी मर जाए...



... तो लड़ाई का मजा ही खत्म हो जाता है!

आsss ह! अब पांसों की बौछार मेरी तरफ लपक रही है!

इनसे बच पाना तो असंभव है!

पर ये पांसू करते क्या हैं?

शरीर से चिपक कर झटके देते हैं! पांसों के ऊपर छः नंबर हुआ तो छः सौ वोल्ट का झटका लगेगा! चार हुआ तो चार सौ वोल्ट का!

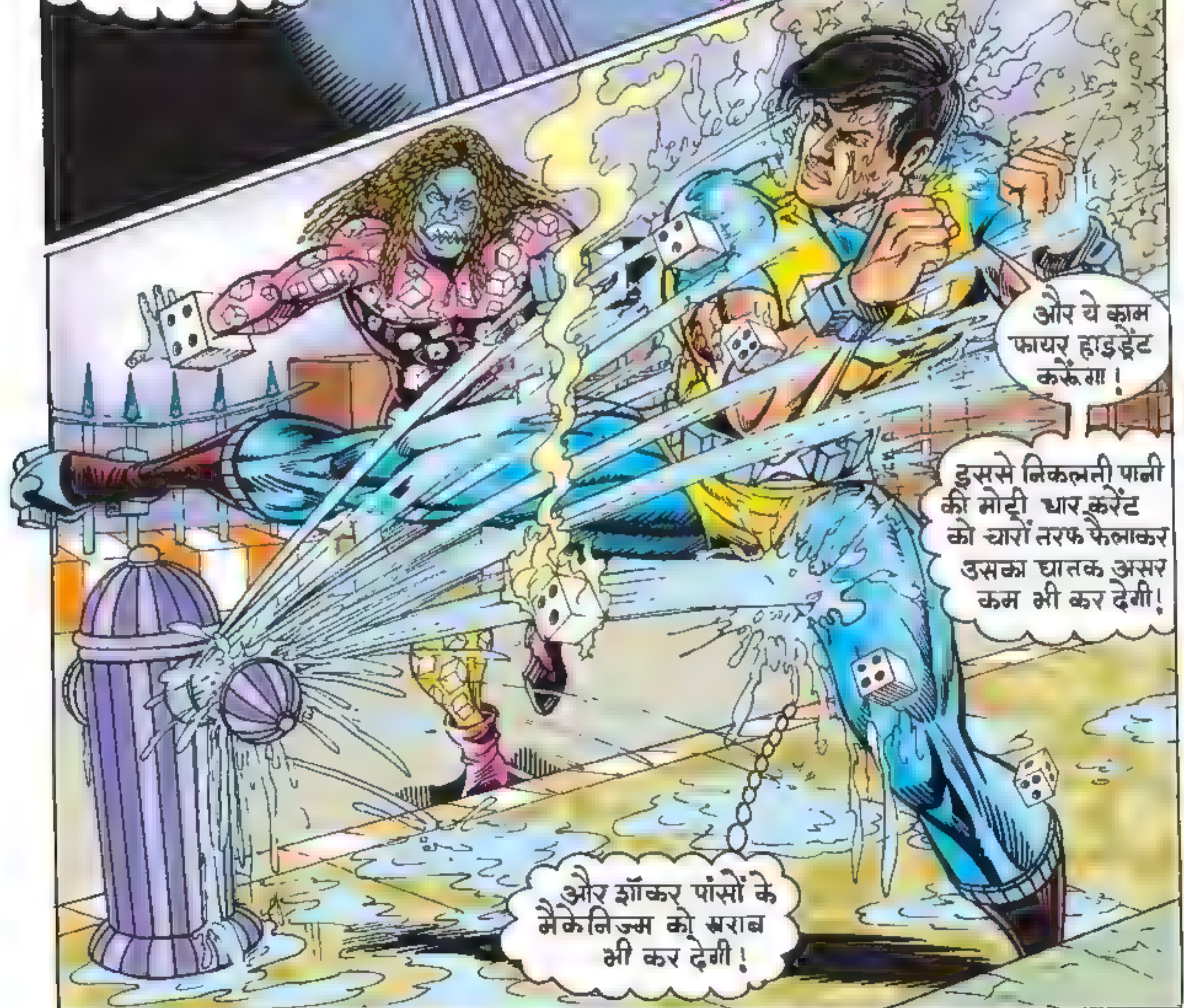
... तो तुमको कुल मिलाकर पन्द्रह सौ वोल्ट का झटका लगेगा! और तब तक लमता रहेगा...

... जब तक तुम जलकर खाक नहीं हो जाते!

और तुम्हारे बदन पर कम से कम एक... दो... सात... नौ... पन्द्रह पांसू चिपके हुए हैं! अगर हर पांसा एक नंबर के हिसाब से सौ वोल्ट का करंट भी सारे...

आऽऽऽह! मैं समझ गया
इसके पांसे की शक्ति! इसके
हर पांसे एक खास नंबर ऊपर
आने पर ही काम करते हैं!

लेकिन पांसा, पांसे फेंकने
में माहिर हैं, इसीलिए वह जो
चाहता है वही नंबर आते हैं!
अगर गलत नंबर ऊपर आया
तो पांसे काम नहीं करेंगे! ये
काम मैं कैसे करूंगा, ये
बाद में सोचूंगा! फिलहाल
तो मुझको अपने आपको
खतरे होने से बचना है!



और ये काम
फायर हाइड्रेंट
करूंगा!

इससे निकलती पानी
की मोटी धार करेंट
को चारों तरफ फैलाकर
उसका घातक असर
कम भी कर देगी!

और शॉकर पांसों के
मैकेनिज्म को भराब
भी कर देगी!

तुम्हारे दो दांव
बेकार चले गए पांसे!
अब मेरी बारी है!

मैच

आsssह!

डा
डा
डा
क

तुम्हारे बार
का जवाब मैं भी बार
से दे सकता हूं!

लेकिन मुझको
अभी उसकी
जरूरत नहीं है!

क्योंकि तुम्हारे
लिए तो मेरे पांसे ही
बहुत हैं!

क्या करते हैं
ये पांसे?

और इसने मेरे पैरों को
अपने घेरे में लेकर कैदी
बना लिया है!

अब मैं फुर्ती दिखाना तो
दूर, हिलना-डुलना भी
मुश्किल से कर पा रहा
हूँ!

ओह! इसने मेरे
पैरों पर दो पांसे चिपका
दिए हैं!

ओह! ये पांसे तो किसी
रबस फोम के बने लगते हैं,
जो शायद हवा के संपर्क में
आकर फूलता है!



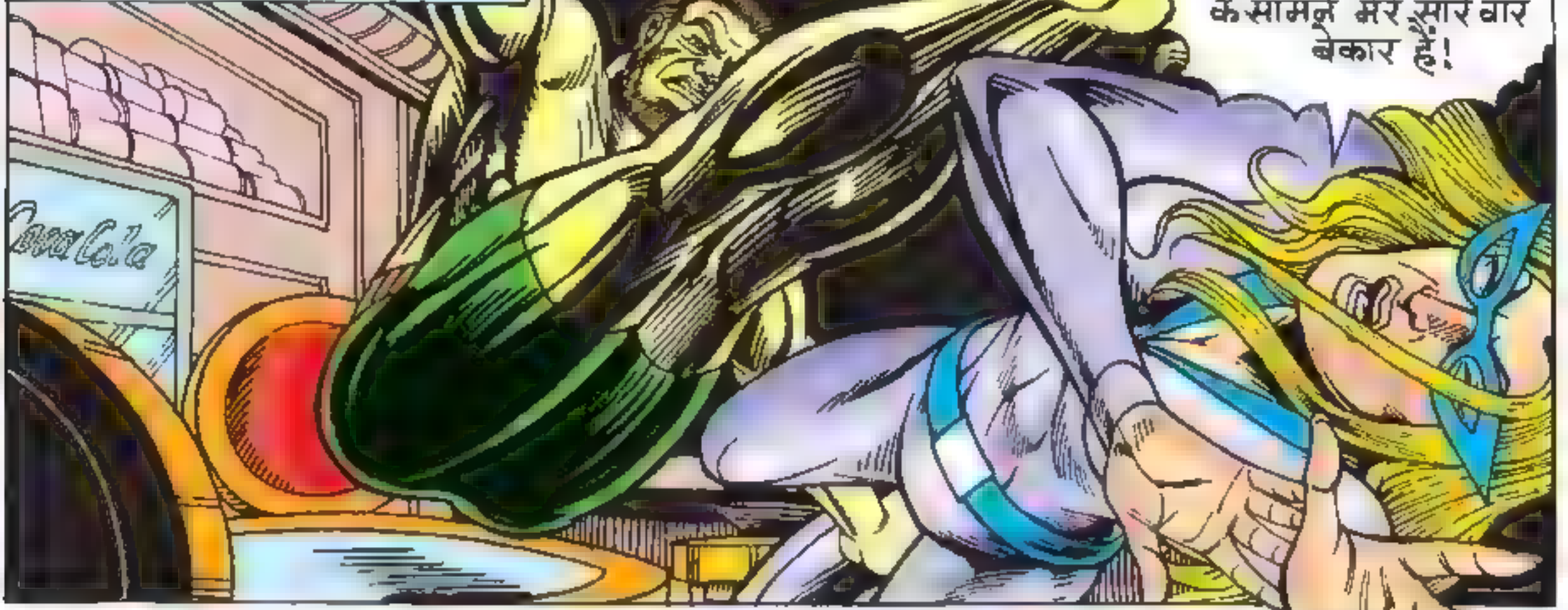
अब ये पांसे तुम्हारे बदन
पर चढ़कर तुम्हारे बदन को एक
विशाल पांसे में बदल देंगे! और इनसे
बचने के लिए तुम कोई रास्ता भी नहीं
सोच पाओगे!

क्योंकि जब तक पांसे तुमको
दफन करेंगे तब तक ये गैस तुमको
बेहोशी के गर्त में भी धकेलती रहेगी!
तुम्हारा दिमाग कुछ सोचने के कबिल
रहेगा ही नहीं!

ध्रुव की तरह ही-

चंडिका भी अपना ज्यादातर समय बचाव में ही गुजार रही थी-

आऽऽऽ ह! इसकी फुर्ती और कलाबाजी के सामने मेरे सारे वार बेकार हैं!

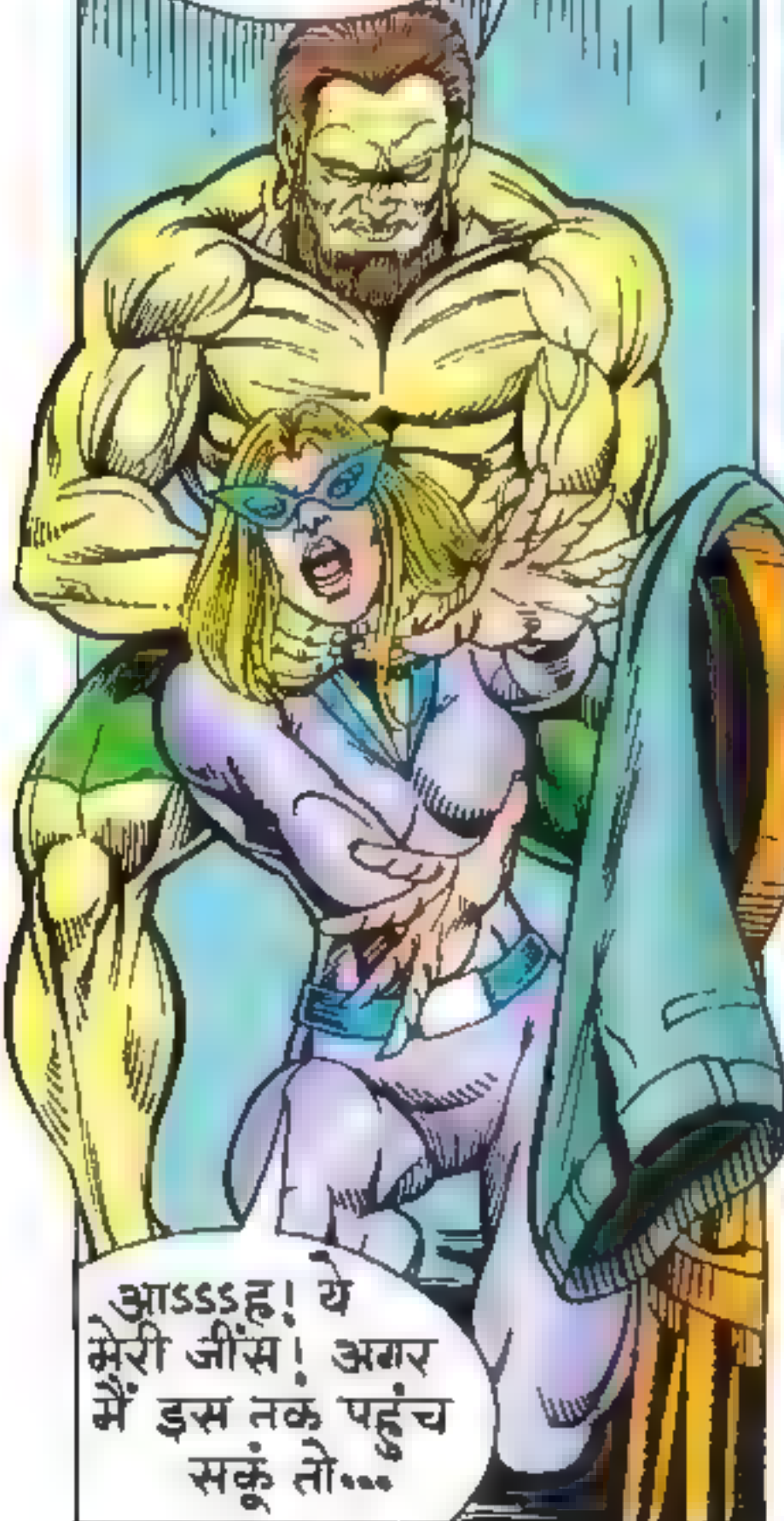


अब मैं तेरी रूखल के अंदर से तेरे कंकाल को बाहर निकालूंगा!

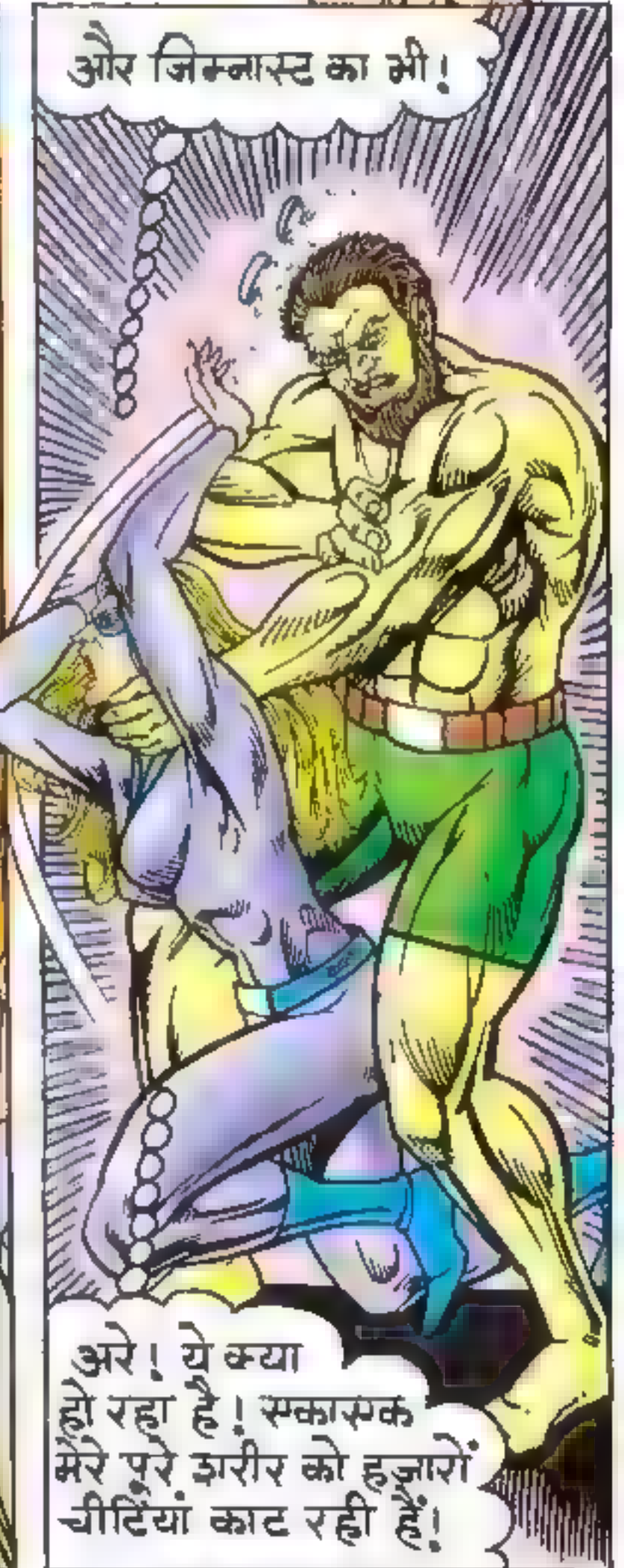
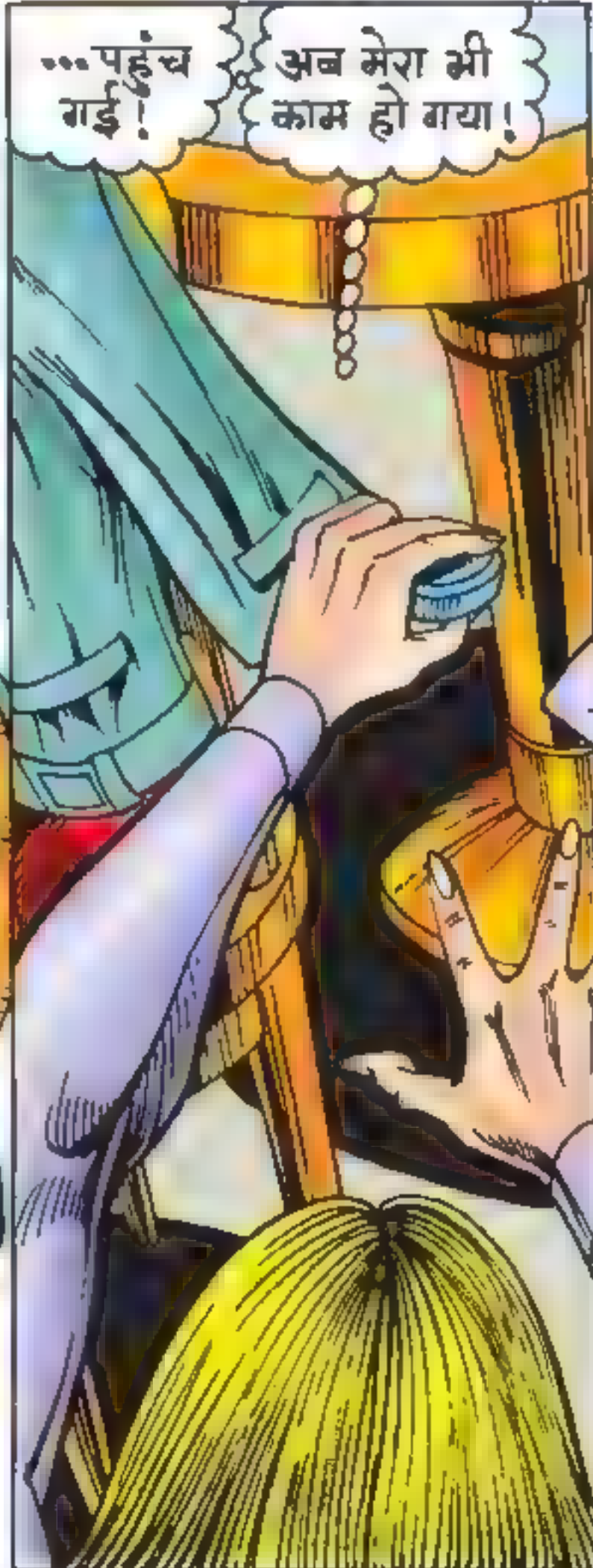
...पहुंच गई!

अब मेरा भी काम हो गया!

और जिम्नास्ट का भी!



आऽऽऽह! ये मेरी जींस! अगर मैं इस तक पहुंच सकूं तो...



अरे! ये क्या हो रहा है! स्कारस्क मेरे पूरे शरीर को हजारों चीटियां काट रही हैं!

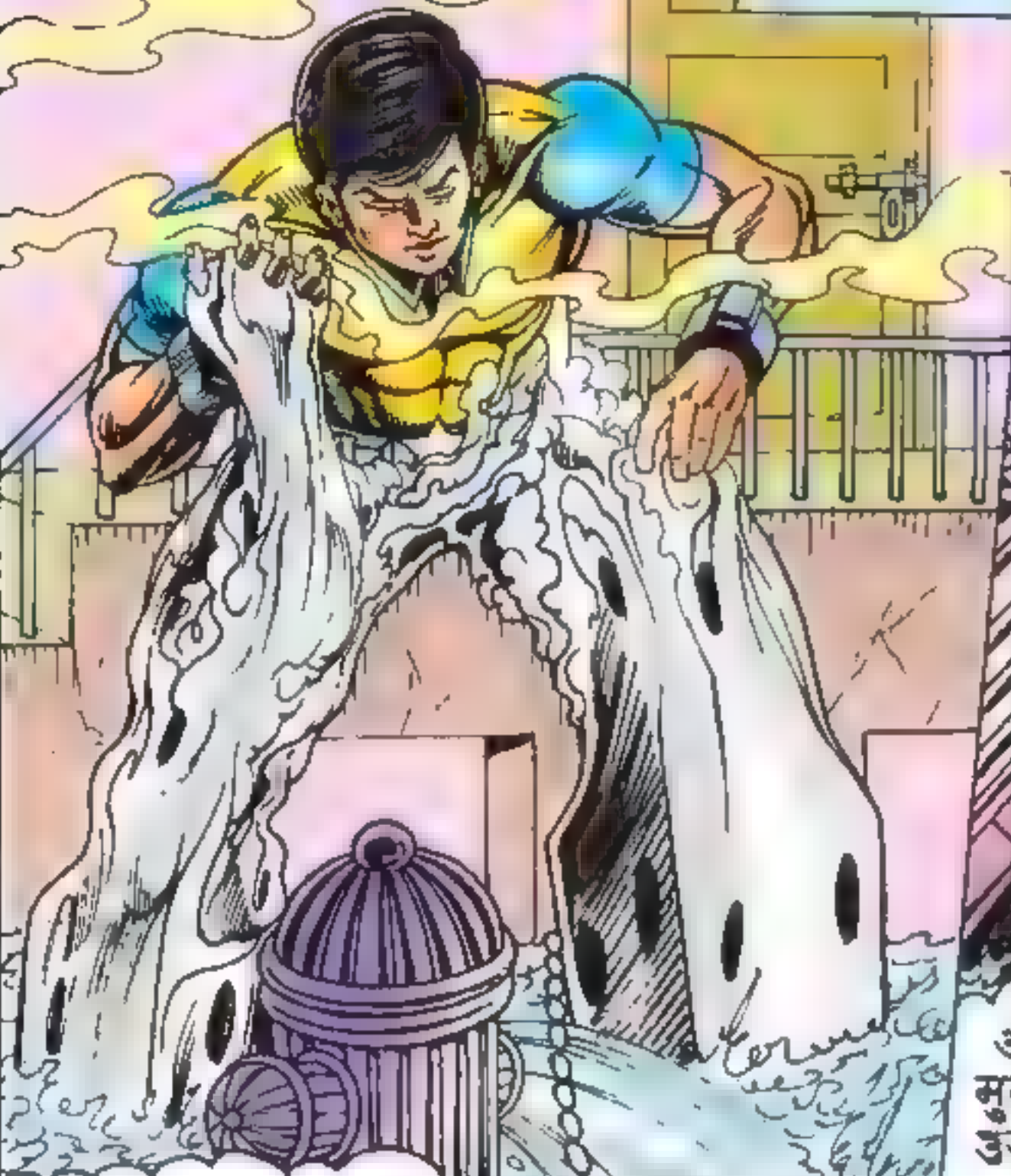


लेकिन ध्रुव के लिये अपने आपको बचाने की चुनौती अभी भी बरकरार थी-

वह खुद एक विशाल पांसे में बदलता जा रहा था-

या फिर... ओ समझा! अगर मेरा खयाल सही है तो मैं बच सकता हूँ! लेकिन उसके लिये मुझे अपने एक खास दोस्त की मदद चाहिए!

क्योंकि इस वक़्त सिर्फ वही मेरी मदद कर सकता है!



आऽऽऽह! ये जहरीली गैस मुझको बेहोशी के गर्त में ढकेलती जा रही है! मुझे सोचने का मौका नहीं मिल रहा है!

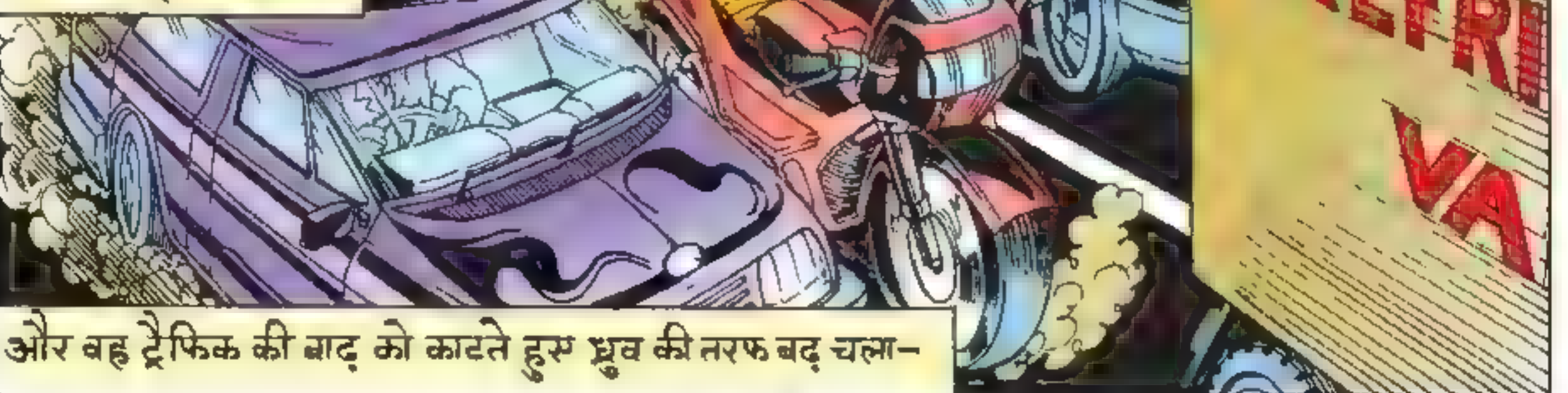
ये फ़ीम बढ़ती कैसे जा रही है! क्या ऐसा इसके हवा के संपर्क में आने से हो रहा है!

और उसके बुलाने के लिये मुझको अपने ट्रांसमीटर पर उसको कुछ खास कमांड्स देने होंगे!

ध्रुव का कमांड मिलते ही-

उसका दोस्त खरखर सोते से जाग उठा-

उसका 'रिमोट-कंट्रोलर' सक्रिय हो गया था-



और वह ट्रैफिक की गड़ को काटते हुए ध्रुव की तरफ बढ़ चला-

समय कम था-

और उस समय में 'दोस्त' को एक लंबी दूरी तय करनी थी-



तुम सोचते हो कि तुम अपनी मोटरसाइकल से टक्कर मार-मार-कर अपने शरीर को टकने वाले पांसे को तोड़ लोगे! पर ऐसा नहीं होगा!

मेरा पांसा टूट नहीं... ओऽऽऽह!

टक्करें मार-मार-कर तुम्हारी मोटर साइकल कायद खराब हो गई है! तभी ये इतना धुआं छोड़ रही है!

धुं धुं धुं धुं धुं धुं

तुम पर तो प्रदूषण नियंत्रण वालों का चालान कर देना चाहिए!

अरे! धुं कहां गया?

तुम्हारी मोटरसाइकल ने तो इतना धुआं छोड़ा है कि तुम तक नजर नहीं आ रहे हो!

और... और उसके शरीर को दफन करने वाले पांसे भी गायब हैं! वे कहां गए?

अब कायद तुम दम घुटने से पहले ही खांस-खांसकर मर जाओगे!

पर तुम्हारे खांसनेकी आवाज क्यों नहीं आ रही है?



लेकिन जब जरा सा दिमाग चलाया तो समझ में आ गया कि ये पांसे फोम के ही बने थे! और चूंकि ये पांसे मेरे इरीर से चिपकने के बाद फूलने लगे थे इससे यह भी स्पष्ट हो गया था कि ये फोम किसी चीज के संपर्क में आने के बाद ही फूलती है!

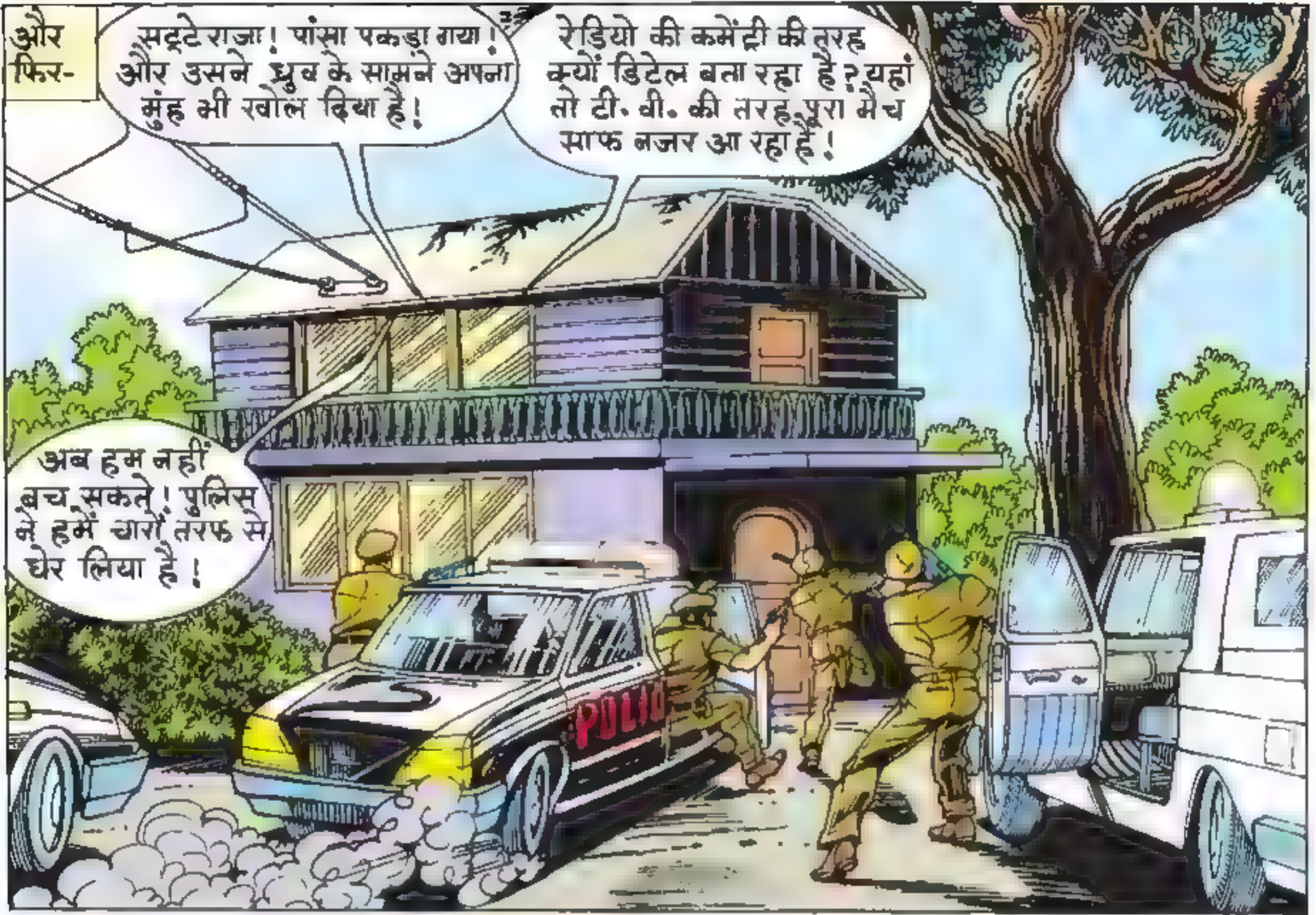
वह चीज हवा या पानी ही हो सकती थी! हवा को तो मैं रोक नहीं सकता था, लेकिन फोम में से पानी हटाने की कोशिश तो कर ही सकता था!

और फोम सिकुड़ने लगा! मौका मिलते ही मैं तुम्हारे पांसों से बाहर आ गया, और उनको उठाकर उनका संपर्क पानी से काटकर उसको पूरी तरह से सूखाकर छोटा कर लिया!

और मोटर साइकल को बुलाकर मैंने वही कोशिश की थी! मोटर साइकल के एंजिन से निकलते गर्म धुएँ ने फोम से पानी को उड़ाना शुरू कर दिया!

अब इससे पहले कि ये पांसे तुम्हारा मुँह भी ढक लें, मुझको अपने बॉस का पूता बता दो! फिर शायद मैं तुमको बचा लूँ!

बताता हूँ!
बताता हूँ!



"वह अड़डा साबुत नहीं रहेगा-"



"लेकिन ध्रुव की इस हरकत का जवाब तो मुझे देना ही पड़ेगा-"

"और वह जवाब कल ध्रुव के हाथों में होगा-"



भइया, तुम्हारे नाम कोरियर से एक लेटर आया है!

कहाँ से?

पता नहीं!

इस पर भेजने वाले का नाम पता नहीं है!

ओ गॉड!



क्या हुआ, भइया?

इवेला, वनडे मैच कब है!

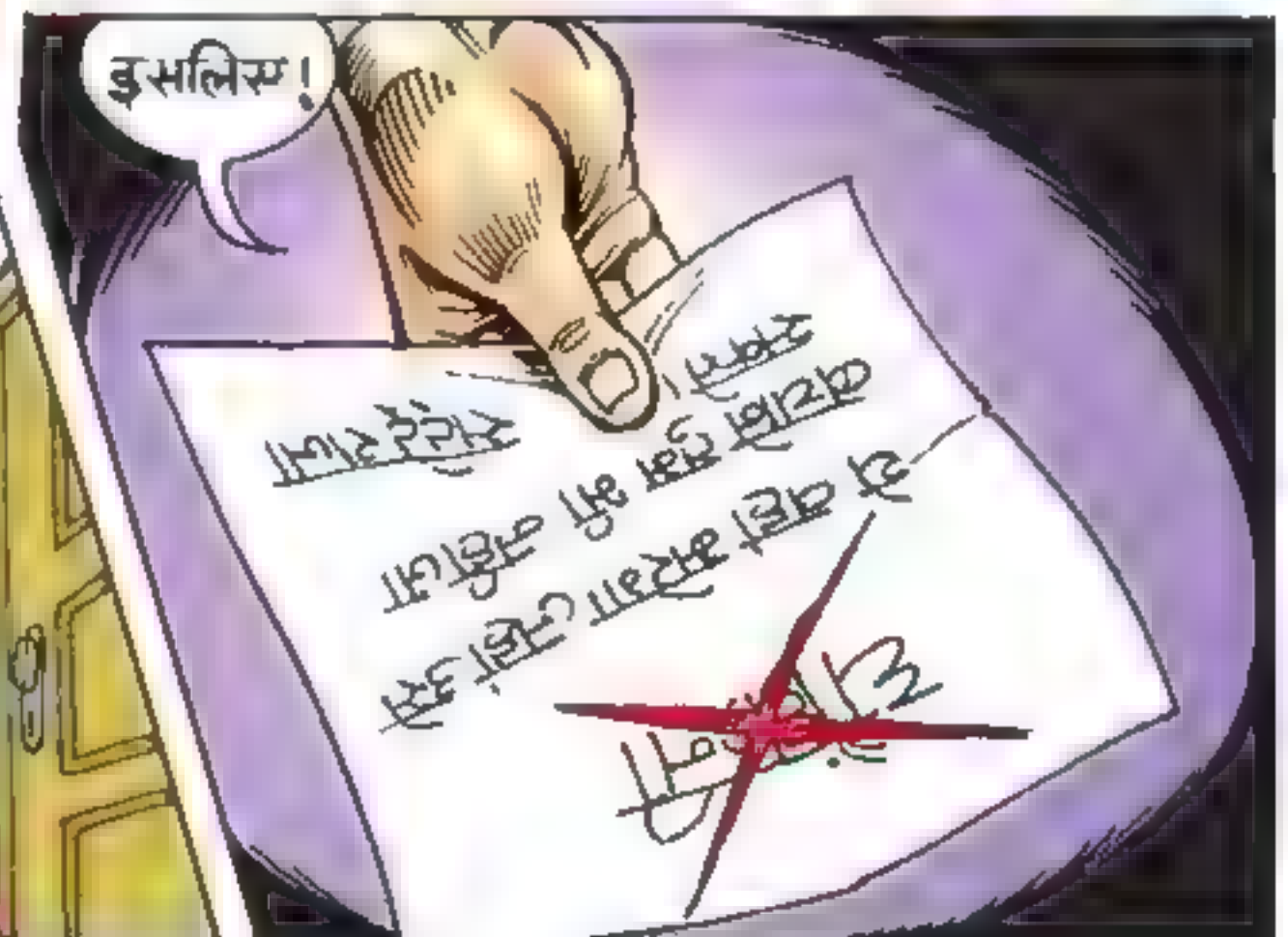
कल! डे-नाइट मैच है!

इसलिए!

तब तो मुझे इंडियन क्रिकेट टीम के मैनेजमेंट से तुरंत बात करनी पड़ेगी!



पर क्यों?





और फिर-

मैंने आपके बारे में काफी सुना है मिस्टर ध्रुव! इसीलिए मैं आपके कहने पर रुक गया और कल वाले वनडे की टीम की घोषणा नहीं की!

आपसे मिलने के लिए राजी भी हो गया!

लेकिन अब मुझको क्या करना है, ये भी तो बताइए!

देखिए सर! सदरेराजा एक बुद्धिमान अपराधी है! हालांकि क्रिकेट टीम के ठहरने वाले स्थान से लेकर स्टेडियम के चप्पे-चप्पे तक पुलिस के जवान कदम-कदम पर मौजूद हैं, लेकिन फिर भी मैं कोई चांस नहीं लेना चाहता!

उसने ये कहा है कि वह घौंकनी को ऐसी जगह पर मारेगा जहां पर मैं भी नहीं पहुंच सकता! और मेरे स्कूल से वह स्थान खेल का मैदान है! बाउंड्री के अंदर का हिस्सा!

यानी... यानी आप चाहते हैं कि...

~~घौंकनी~~
यह कहना जहां से कबले उस भी नहीं जा सकते,
सदरेराजा

यस, सर! आप सही समझ रहे हैं! मैं वही चाहता हूँ!

ऐसा तो पहले कभी भी नहीं हुआ! प्रेस वाले मेरी रैवाल खींच लेंगे!

अगर घौंकनी को कुछ हो गया तो आपकी स्थिति और भी खराब हो जायगी, सर!

ओ तो है! ओफफ!
इधर कुंआ है तो उधर
रवाई! पर मैं अपनी
जान बचाने के लिस
घौंकनी की जान खतरे
में नहीं डाल सकता!

मुझे आपका
प्रस्ताव मंजूर
है!

अब सबकुछ
तयशुदा कार्यक्रम
के अनुसार ही
आगे बढ़ रहा था-

राजनगर में होने
वाले कल के बल-डे मैचके लिस
भारतीय टीम की घोषणा कर दी
गई है! कैप्टेन राहुल द्रविड
के अलावा अन्य तेरह खिलाड़ी
इस प्रकार हैं!

कहीं पर तो आश्चर्य
और अविश्वास था-

थैंक्यू सर!
मैं वादा करता हूँ कि
आपको अपने इस
निर्णय पर पछताना
नहीं पड़ेगा!

व्हाट!

ये मजाक
तो नहीं कर
रहे हैं!

लुटिया डुबो
देने ये टीम
की!

नाम सुनने के बाद-

और कहीं पर खुशी
की लहर दौड़ रही थी-

अरे! अरे! ये
तो कमाल हो गया!

लेकिन टिकट तो
कभी के खत्म हो
चुके थे-

ये तो बहुत
पहले होना चाहिए
था!

अब हम
मैच देखने जरूर
जायेंगे!

स्टेडियम
ठसाठस भर चुका था-

क्योंकि आज मैच खेलने वाली भारतीय टीम में एक सदस्य राजनगर का भी था-

राहुल द्रविड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया है! और इसीलिए राजनगर के इस सिंधु स्टेडियम में पहली बार फील्डिंग करेंगे राजनगर की झान... सुपर कमांडो ध्रुव!

तुमको क्रिकेट का अनुभव नहीं है ध्रुव! बुरा मत मानना लेकिन आज का मैच हम यही सोचकर खेल रहे हैं कि हमारी टीम में सिर्फ दस खिलाड़ी ही हैं!

बुरा क्यों मानेंगा, कैप्टन! ये तो सच है!

वैसे भी मेरा पूरा ध्यान मैदान में मौजूद ऐसे किसी भी खतरा पर होगा, जो धौंकनी को नुकसान पहुंचा सके!

मुझे तो अभी भी यह समझ में नहीं आया कि खतरा था तो धौंकनी को खिलाते ही नहीं!

ये समस्या का हल नहीं है! समस्या का हल तो उसको रंगे हाथों पकड़ना है!

धमकी देने वाला ठीक यही चाहता है!

और उनको भी जो उसके इशारों पर नाचते हैं!

पाकिस्तानी पारी की शुरुआत हो गई-

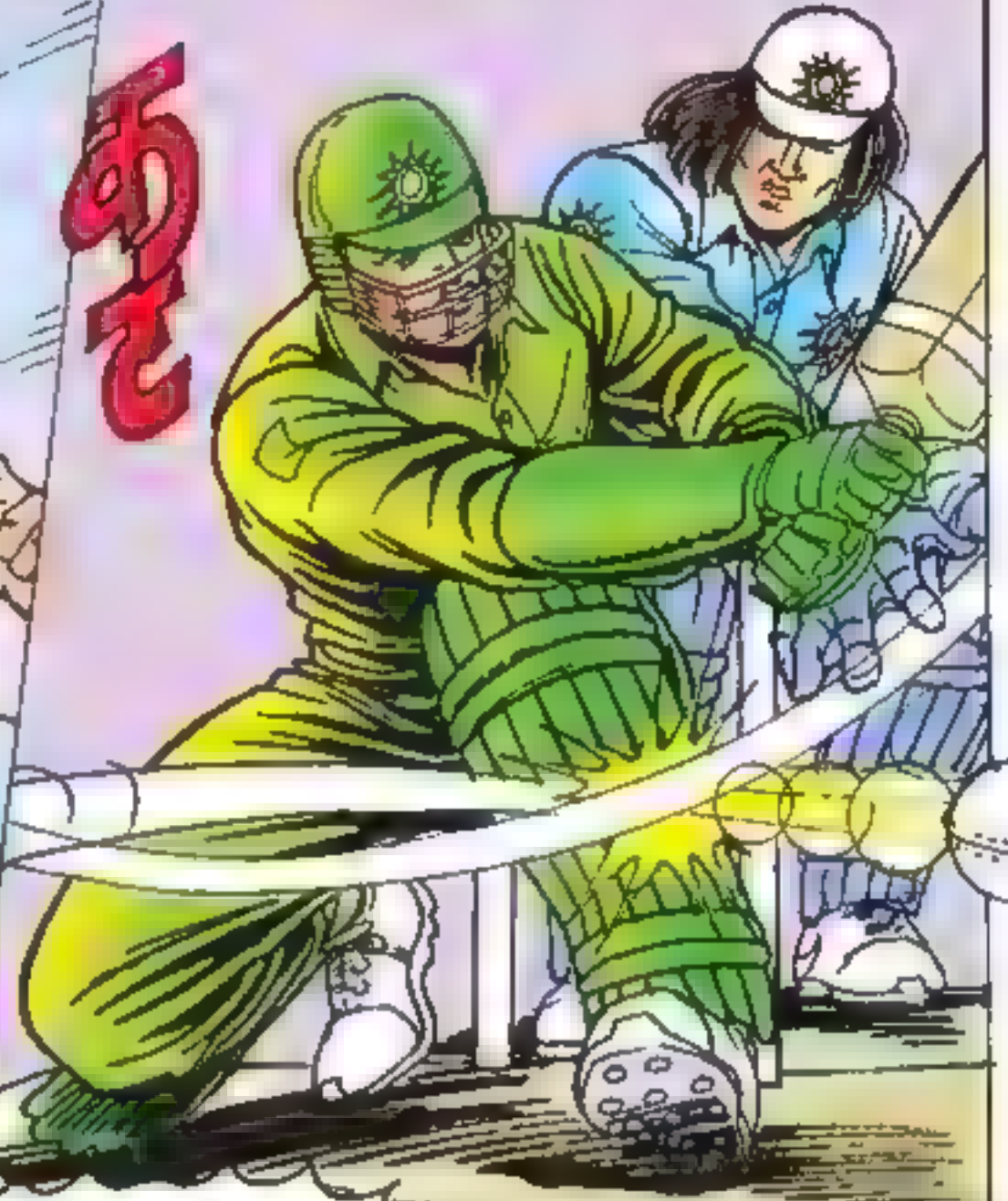
पठान की लूजनेर को बट ने बड़ी खूबसूरती से गली और प्वांस्ट के बीच से निकाल दिया है, और ये स्क्वैड कवर बाउंड्री पर चार रन!... बट फॉर्म में नजर आ रहे हैं और निश्चित रूप से इस चौके का मनोवैज्ञानिक प्रभाव भारत पर जरूर पड़ेगा!



आज का मैच मुश्किल लग रहा है! मैनेजमेंट के ध्रुव को टीम में लेने की बजह से हमारा एक बॉलर कम हो गया है! अगर हमारे दो बॉलर भी पिट गए तो हमको तीन सौ से ऊपर का टारगेट, चेज करना पड़ेगा!

काश, ध्रुव की जगह हम जहीर को ले पाते! ध्रुव तो फील्डिंग भी ठीक से नहीं कर पाएगा!

और ये एक और खूबसूरत चौका! पाकिस्तान ने सिर्फ छः ओवरों में पचास रनों का आंकड़ा पार कर लिया है! आप क्या कहते हैं, सिद्धू?



बाउंड्री लाइन पर खड़ा ध्रुव, चारों तरफ अपनी नजरें दौड़ा रहा था-



बेरी ओमिनस साइंस! ये शुभ लक्षण नहीं है मेरे भाई!

पुलिस के मुखबिरो की सूचना के अनुसार सदटेराजा का फायदा तभी है जब भारत ये मैच हार जाय! यानी पाकिस्तान जीत जाय! और फिलहाल पाकिस्तान का पलड़ा भारी लग रहा है! सदटेराजा ऐसी स्थिति में चौंकनी पर हमला करके रवतुरा मोल लेना नहीं चाहेगा! यानी मैं भी अभी आराम से भारतीय टीम को अपना योगदान दे सकता हूँ!

hand sa

चौदह ओवरों का खेल समाप्त हो चुका है। और पाकिस्तानी सलामी जोड़ी ने शतकीय साझेदारी पूरी कर ली है। रनरेट सात रन प्रति ओवर के आंकड़े को छू रही है!

मैच भारत के हाथों से फिस्सलता हुआ! लेकिन क्रिकेट में कभी भी कुछ भी हो सकता है! अगर भारत इस साझेदारी को तोड़ सके तो नए आस खिलाड़ी पर दबाव बनाया जा सकता है!

कुंवले ने नए ओवर की शुरुआत की है!

उनकी ये पहली बॉल!

और बट ने इस बॉल को आगे बढ़कर मारा है! गेंद हवा में है! लेकिन इसको कैच में बदल सकने वाले खिलाड़ी गेंद से काफी दूर! गेंद बाउंड्री के बाहर जाकर गिरेगी! ये निश्चित तौर पर एक छक्का है!

लेकिन... लेकिन!
ओह! अद्भुत नजारा!

ध्रुव अविश्वसनीय रफ्तार से गेंद की तरफ बढ़ रहा है! अब दौड़ बॉल और ध्रुव के बीच में है! ध्रुव बॉल तक पहुंच तो जाएगा, लेकिन बॉल को पकड़ नहीं पाएगा!

क्योंकि बॉल अभी भी काफी ऊंचाई पर है!

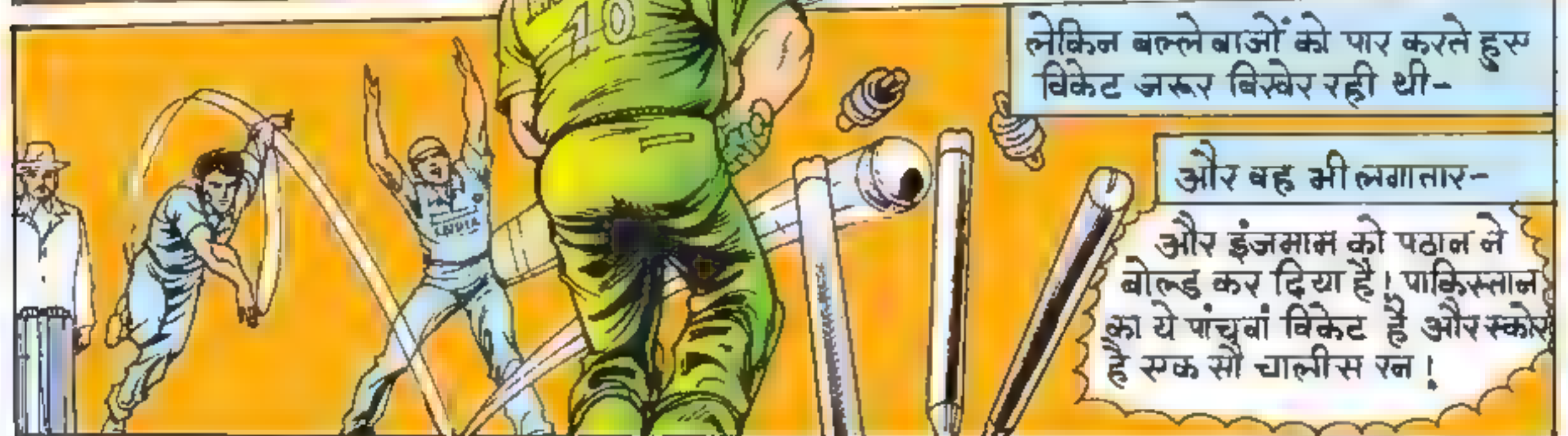
ध्रुव का ये प्रयास बेकार...

लेकिन... धुब ने धलांग लगाकर
बॉल को हवा में ही लपक लिया है।
वह भी जमीन से दस फुट की ऊंचाई
पर! इट्स रमेजिंग! झायद ये क्रिकेटिंग
हिस्ट्री का सबसे नायाब कैच है!

और इसके साथ ही बट
सत्तर के स्कोर पर पैवेलियन
लौट रहे हैं!

पूरा स्टेडियम दर्शकों
के झोर से गूंज रहा
है!

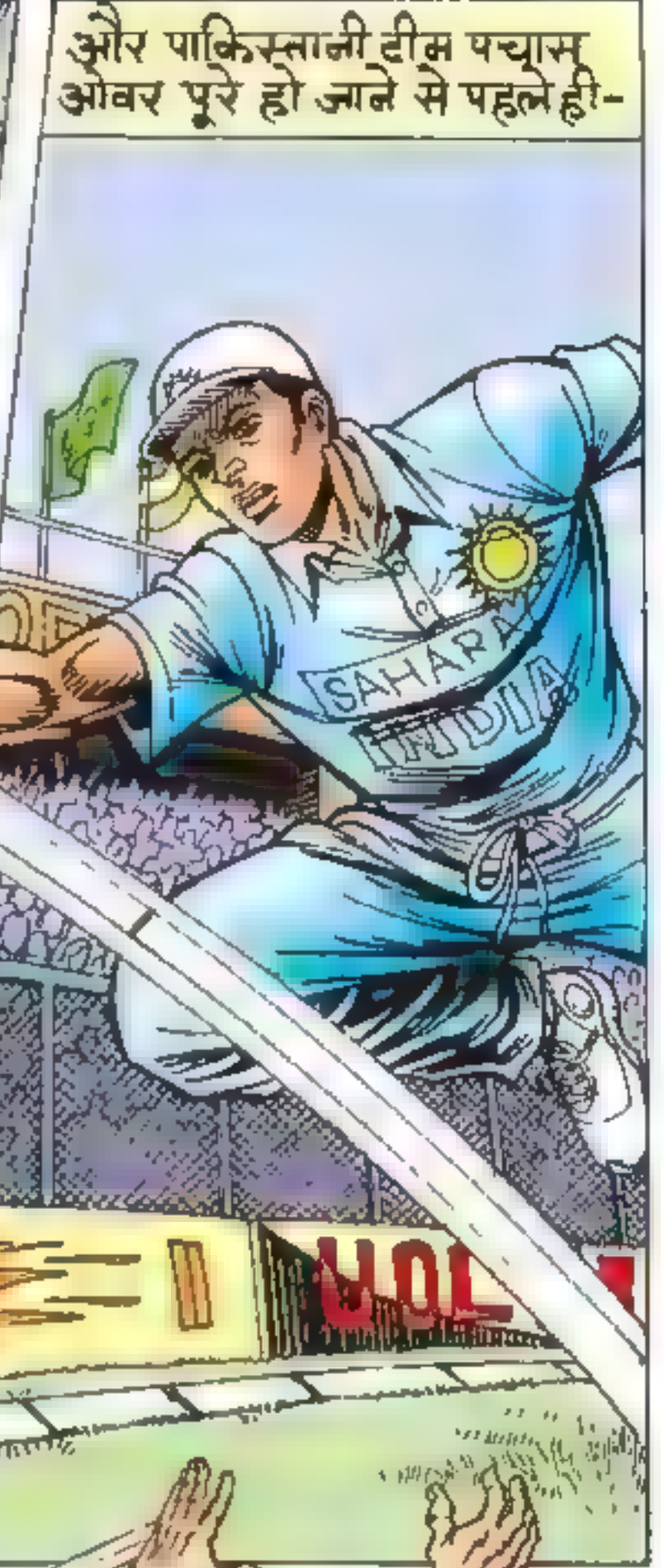
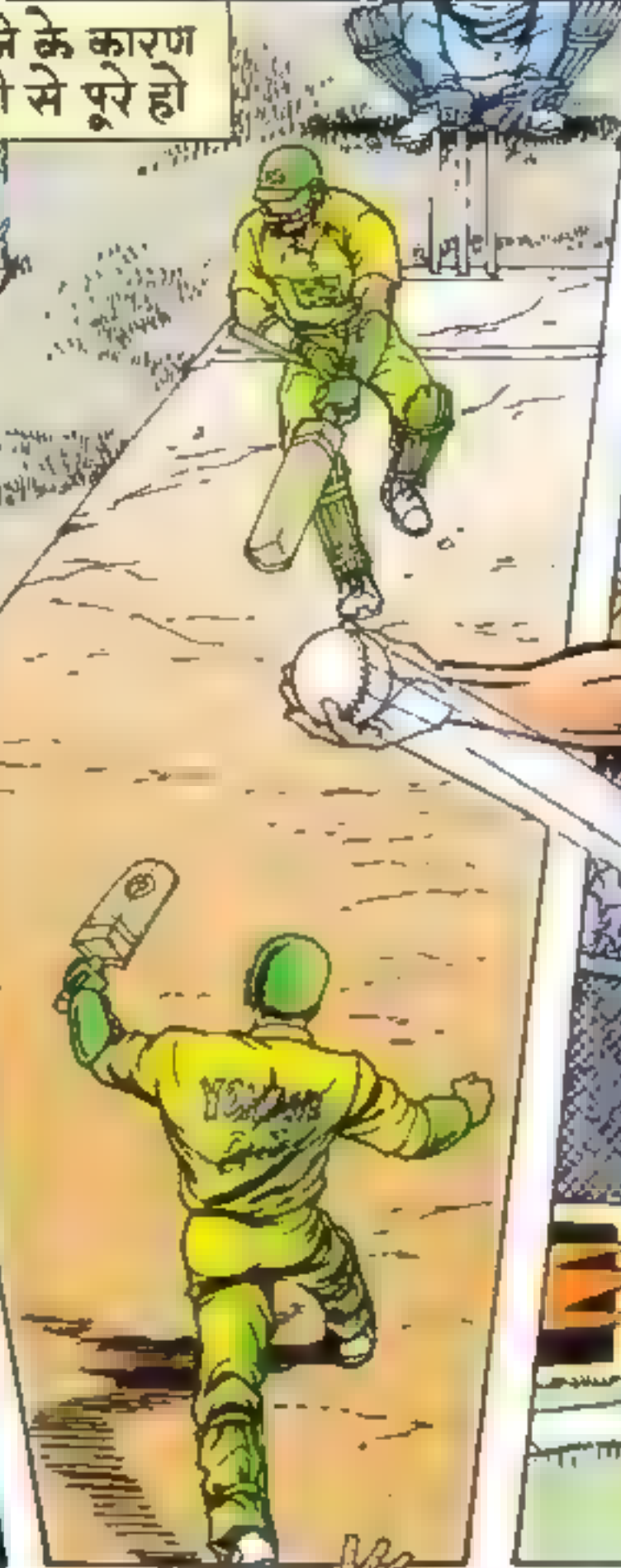




खेल का रुख पलट गया है! अब पाकिस्तानी टीम प्रेशर में है! तीस ओवरों का खेल पूरा हो चुका है! और रन रेट गिरकर पांच से भी नीचे आ चुकी है! अगले बल्लेबाज हैं...

रन न बनने के कारण ओवर तेजी से पूरे हो रहे थे -

और पाकिस्तानी टीम पचास ओवर पूरे हो जाने से पहले ही -

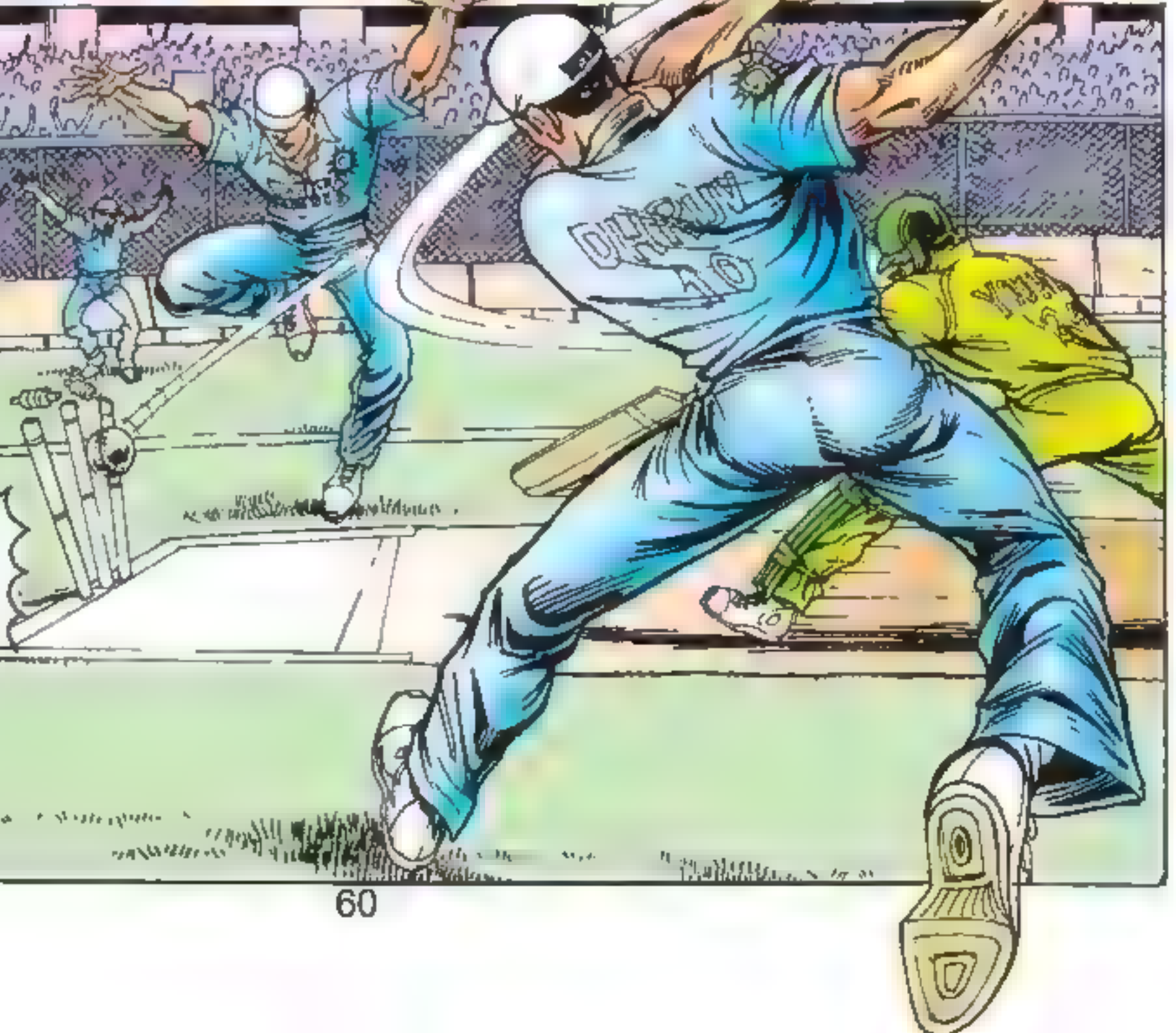


देर हो गई थी -

ध्रुव के सटीक थ्रो ने स्टंप बिखेर दिए हैं!

झोसब रन आउट हो गए हैं, और पूरी पाकिस्तानी टीम दो सौ तीन के स्कोर पर सिमट गई है!

एक समय में ऐसा लग रहा था कि पाकिस्तान तीन सौ के जादुई आंकड़े को पार कर लेगा! लेकिन...



और फिर- भारतीय
ड्रेसिंग रूम में-

स्कोर कम जरूर है लेकिन
पाकिस्तान की तेज गेंदबाजी कोई
भी करिश्मा दिखा सकती है!
हमको रिलेक्स नहीं होना
है!

ओपनिंग में
घोंकनी के साथ
में खुद जाऊंगा!

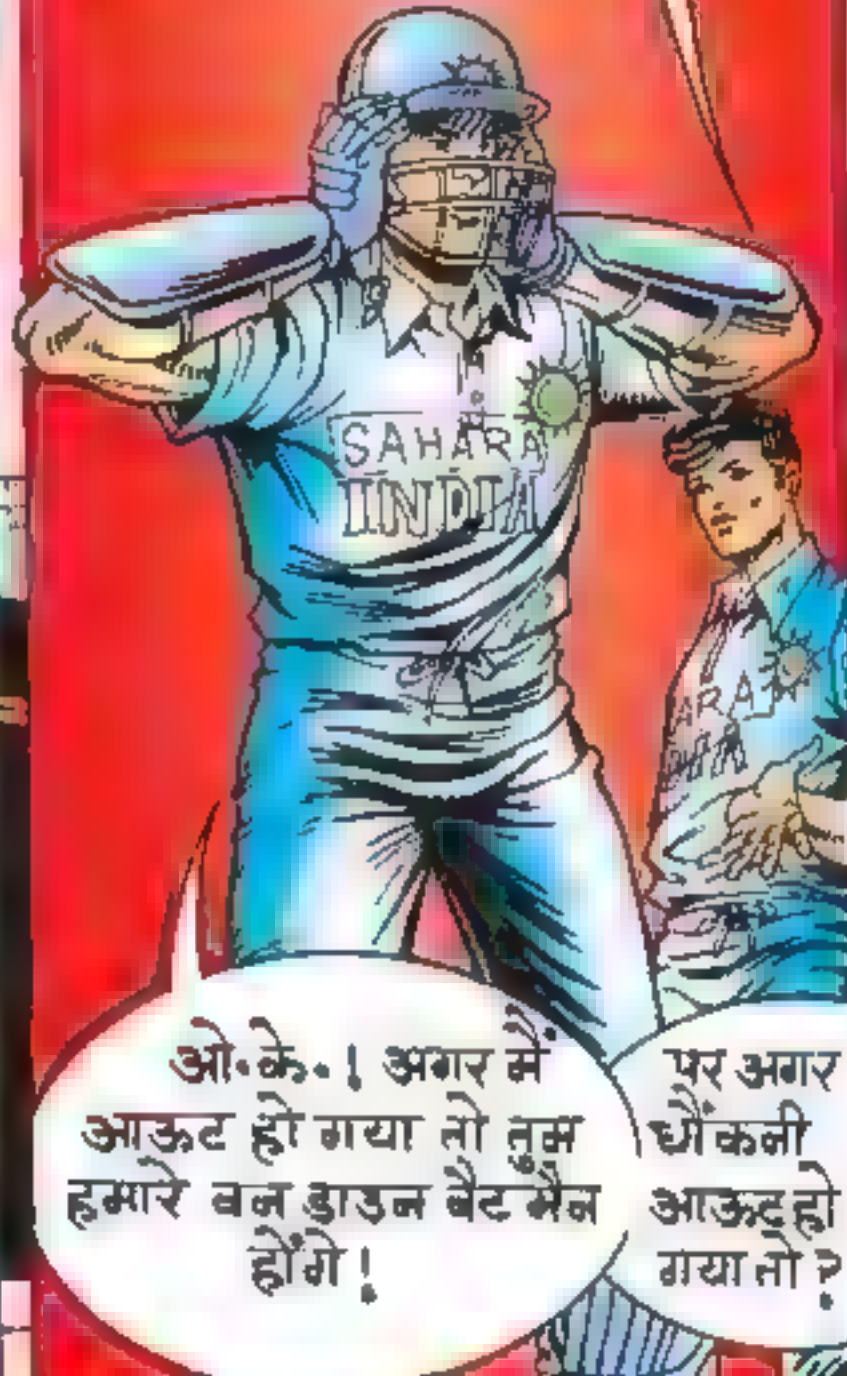
मैं घोंकनी के साथ पिच पर रहना
चाहता हूँ! क्योंकि जैसे-जैसे
घोंकनी रन बनाता जाएगा, भारत
जीत के करीब आता जाएगा और
घोंकनी के ऊपर खतरा बढ़ता
जाएगा!



स्कमक्यूज मी,
कैप्टेन! खतरा अब
यहां से शुरू होता
है!

भारत मैच जीतने
की पोजीशन में है! अगर
सद्वेराजा ने घोंकनी पर
हमला करने की सोची है तो
उसके लिए यही वक्त स्कदम
उचित है!

फिर तुम
क्या चाहते
हो?



ओ.के. अगर मैं
आऊट हो गया तो तुम
हमारे बल डाउन बैट मैं
होगे!

पर अगर
घोंकनी
आऊट हो
गया तो?

तो फिर इस पर कोई
खतरा नहीं आएगा! क्योंकि
सद्वेराजा यही चाहता है!
उसके बाद मैं खुलकर
सद्वेराजा की तलाश कर
सकूंगा!

और अब
भारत की
सलामी जोड़ी
फ्लड लाइट्स
के नीचे पाकिस्तान
के दो सौ तीन के
स्कोर का पीछा
करेगी!

मुझे पूरा यकीन
है कि वह इस वक्त
स्टेडियम में ही कहीं
पर है!



मैं आऊट
नहीं होऊंगा!

मुझे सद्वे-
राजा को जवाब
भी तो देना है!

भारतीय पारी की शुरुआत
भी पाकिस्तानी पारी की तरह ही
धमाकेदार थी-

डोरुब की ये गेंद
ऑफ स्टम्प से जरा सी बाहर
लेकिन धौंकनी ने इस बॉल
को लेग साइड में घुमा
दिया है...



और ये गेंद सक्सबायर लेग
बाउंड्री के बाहर जाकर गिरी
है!

धौंकनी का ज्ञानदार छक्का!
और इसके साथ ही भारत का
स्कोर तेइस रन! अभी ये
चौथे ओवर की शुरुआत ही है,
लेकिन भारतीय खिलाड़ी रवास
कर के धौंकनी डोरुब की रफ्तार
से बिल्कुल चिन्तित नजर नहीं
आ रहे हैं!

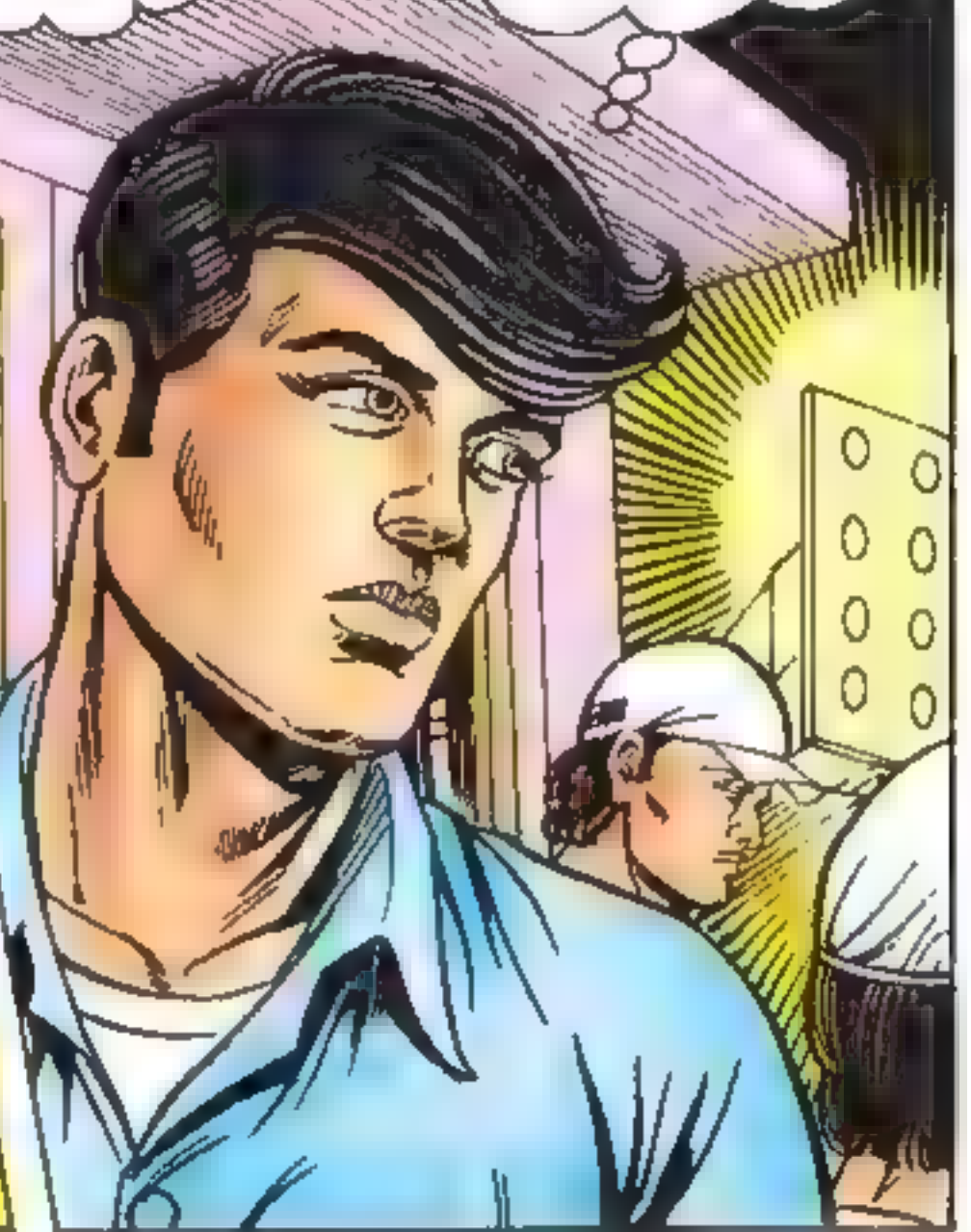
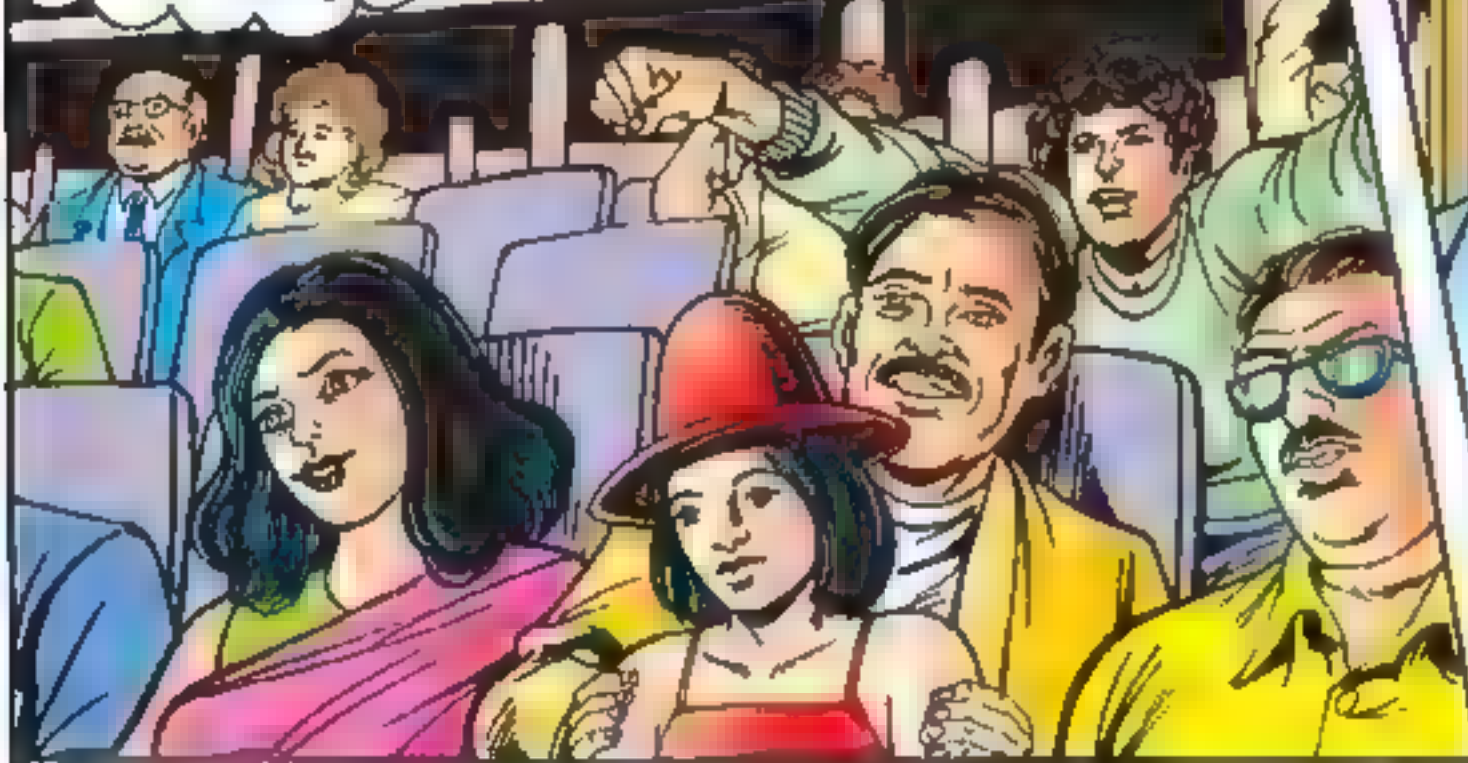
भारतीय पारी तेजी से आगे बढ़ रही थी-

और उतनी ही तेजी से ध्रुव की चिन्ताएं भी बढ़ती जा रही थीं-

धौंकनी जितनी तेजी से रन बना रहा है, खतरा भी उतनी ही तेजी से उसकी तरफ बढ़ रहा है! जैसे ही स्टूटेराजा को महसूस होगा कि भारत ये खेल जीत सकता है, वह अपना सारा गुस्सा धौंकनी पर उतारेगा!

और सबसे बड़ी मुश्किल ये है कि ये डे-नाइट मैच है! रात के अंधरे में कुछ साफ नजर नहीं आ रहा है!

स्टूटेराजा कहीं पर भी छुपा हो सकता है! वैसे तो पुलिस के जवान चप्पे-चप्पे पर तैनात हैं! लेकिन फिर भी जब तक स्टूटेराजा पकड़ा नहीं जाता खतरा बना रहेगा!

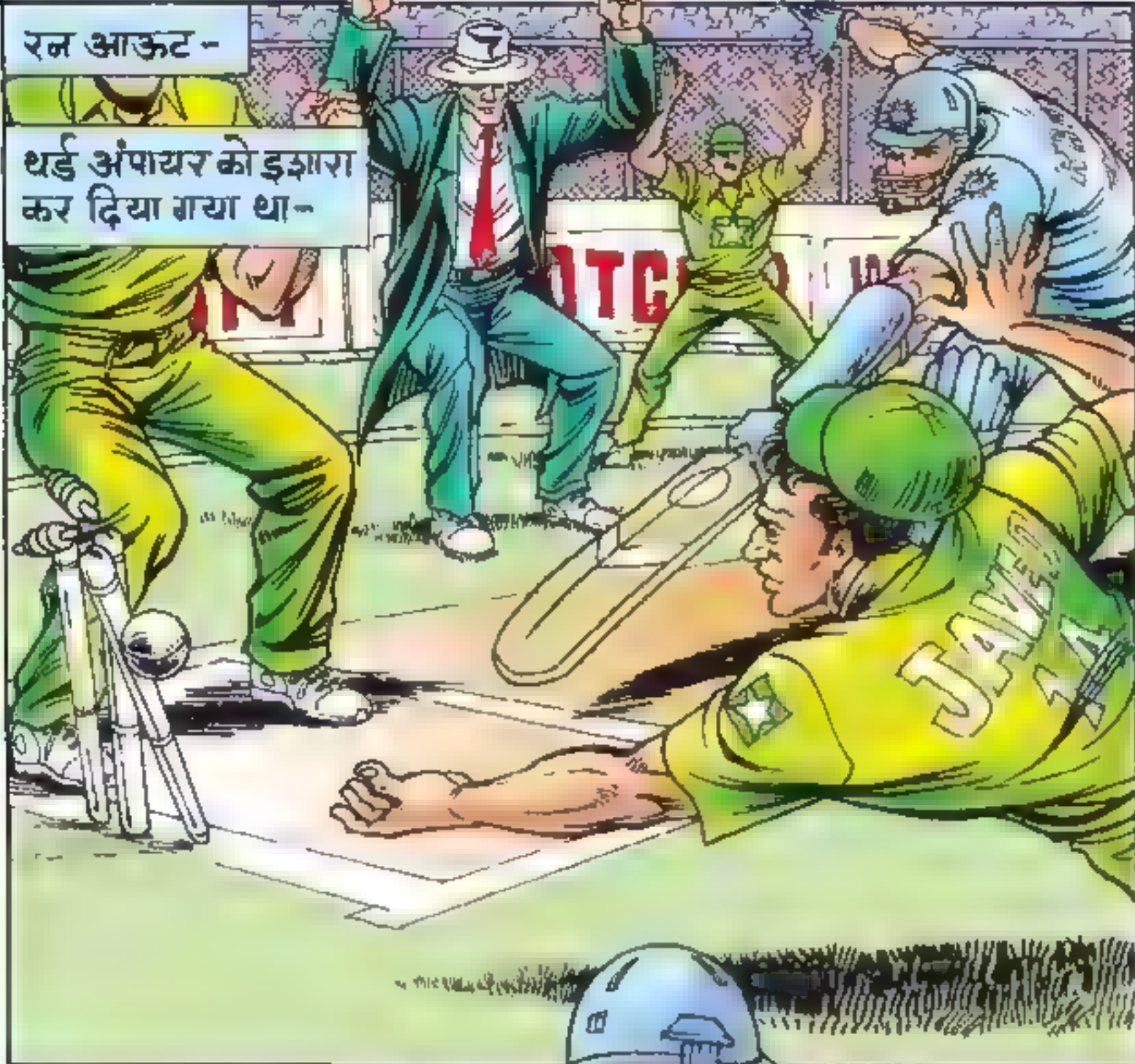


अब जब तक राहुल आउट नहीं होता तब तक मैं मैदान में जा नहीं सकता! अब तो धौंकनी ही आउट होकर पैवेलियन लौट आए तो ज्यादा अच्छा है! कम से कम उस पर मंड़राता खतरा तो टलेगा!

लेकिन धौंकनी ने तो आज आउट न होने की कसम खा रखी थी-

अब तो बैट्समैन सिर्फ अपनी शलती से ही आउट हो सकते थे! जैसे कि...





रन आऊट -

थर्ड अंपायर को इशारा कर दिया गया था -



और लालबत्ती ने चमकने में ज्यादा समय नहीं लिया -



ध्रुव के मैदान में उतरने की बारी आ गई थी -

तुम घबराना मत, ध्रुव! अभी हमारे पास ऐसे बहुत बेट्स हैं जो रन बना सकते हैं!

सिर्फ बॉल को देखना! और डिफेंसिव खेलना! रन बनाने का काम धोकी पर छोड़ देना!

ये तो कमाल हो गया है! शायद ये कोच चैपेल की रणनीति का एक नया पहलू है!

सचिन के बजाय मैदान पर ध्रुव को भेजा गया है! ध्रुव को बल्लेबाजी का अनुभव बिल्कुल भी नहीं है!

और उनके सामने शोसब अरवलर की आग उगलती गेंदें हैं!

लगता है आगे का मैच काफी दिलचस्प होगा!

बच्चे, ये क्रिकेट का मैदान है और यहां के हीरो हम हैं! तुम्हारा बीमा है न?

मेरा है जोरुब भाई! तुम गेंद का बीमा करा लो!

अगली बॉल को धौंकनी ने लॉग ऑफ की तरफ खेल कर रन ले लिया है! धौंकनी पहुंचे हैं उनचास पर और भारत का स्कोर एक विकेट पर एक सौ चौबीस रन! भारत की मजबूत शुरुआत!

और अब अपनी जिन्दगी की पहली अंतर्राष्ट्रीय बॉल का सामना करने के बिरुद्ध स्ट्राइक लेगे ध्रुव!



कांफीडेंस तो है तुममें! तुम पर बाउंसर फेंकने में मजा आसगा!

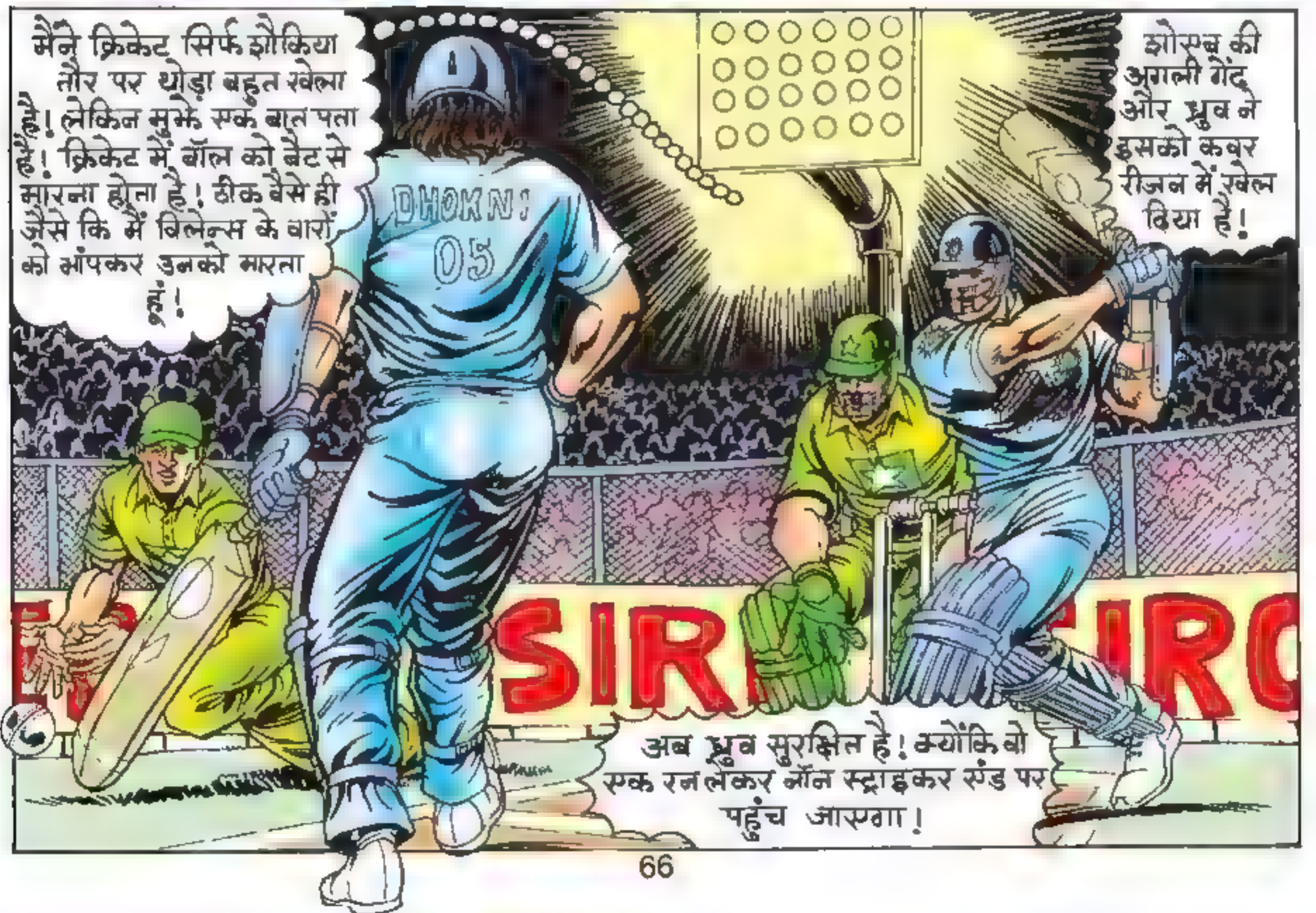
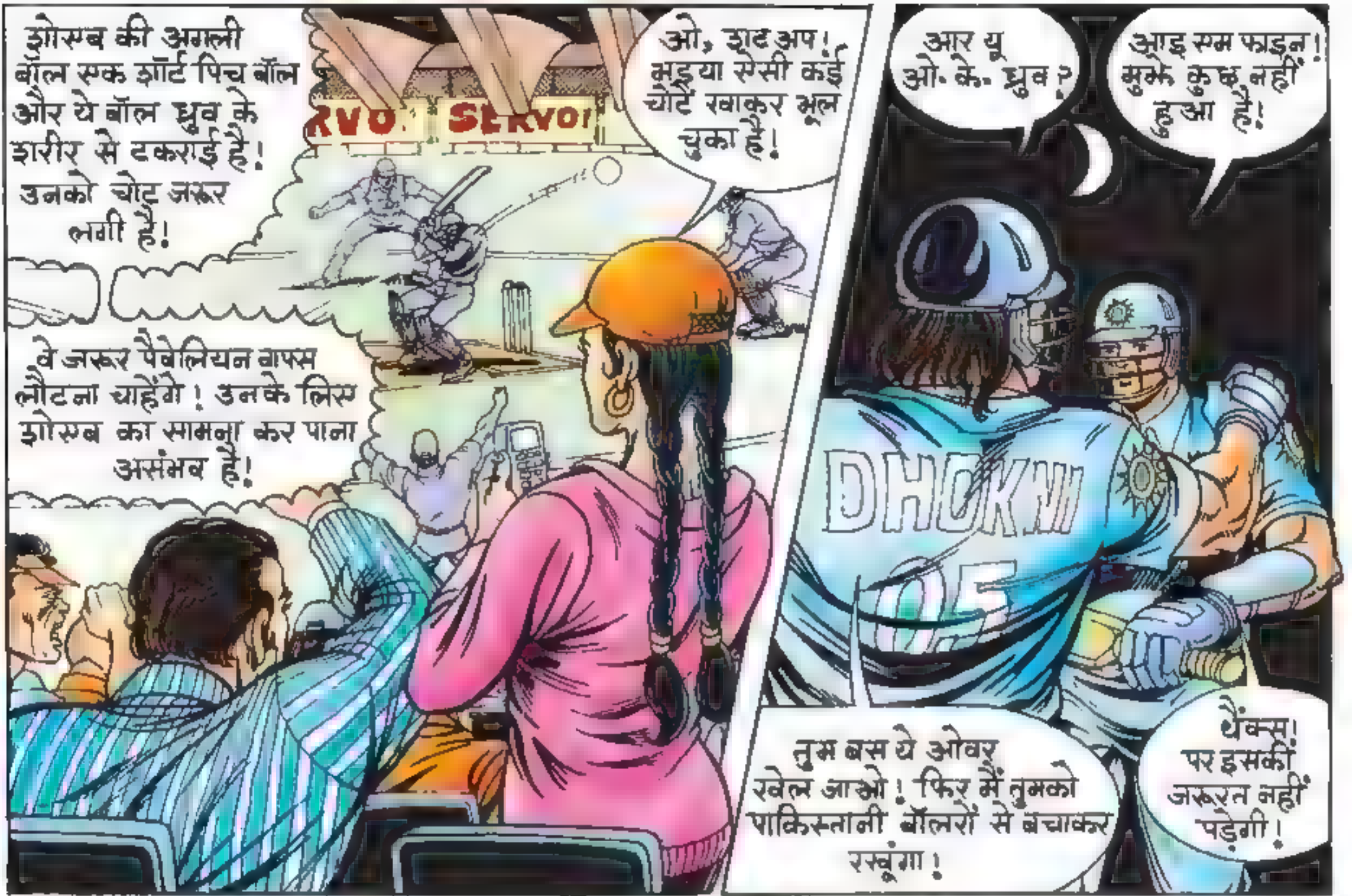
ध्रुव अभी नॉन स्ट्राइकर सेंड पर है! धौंकनी स्ट्राइक ले रहे हैं!

जोरुब की शॉर्ट पिच बॉल और ये बॉल ऑफ स्टंप से बाहर निकलती हुई! ध्रुव भाग्यशाली हैं कि उनके बैट का कोना बॉल से नहीं छुआ! आप चैपेल के इस कदम के बारे में क्या कहते हैं सिद्धू?



ध्रुव को भेजना, एक गैलत निर्णय है! अनुभव हीनता के कारण वेडस लेवल की क्रिकेट में ज्यादा देर तक नहीं टिक पाएंगे!

जल्दी ही आप उनको पैवेलियन वापस लौटता हुआ देखेंगे!



धौंकनी ने वाकई ध्रुव पर आंच नहीं आने दी! क्योंकि उसने ध्रुव को स्ट्राइक लेने का मौका ही नहीं दिया था-

धौंकनी का यह शानदार झटक! अब भारत जीत से सिर्फ छः रनों की दूरी पर है!

ध्रुव का ध्यान कहीं और था-

अब ओवर की आखिरी बॉल...

हमला होगा तो बस अभी होगा! पर कहां से? सट्टे राजा पुलिस की नजर बचाकर कहां छुपा हुआ है? इन हजारों दर्शकों के बीच में वह कहां है?

वन रन!

ध्रुव! वन रन!

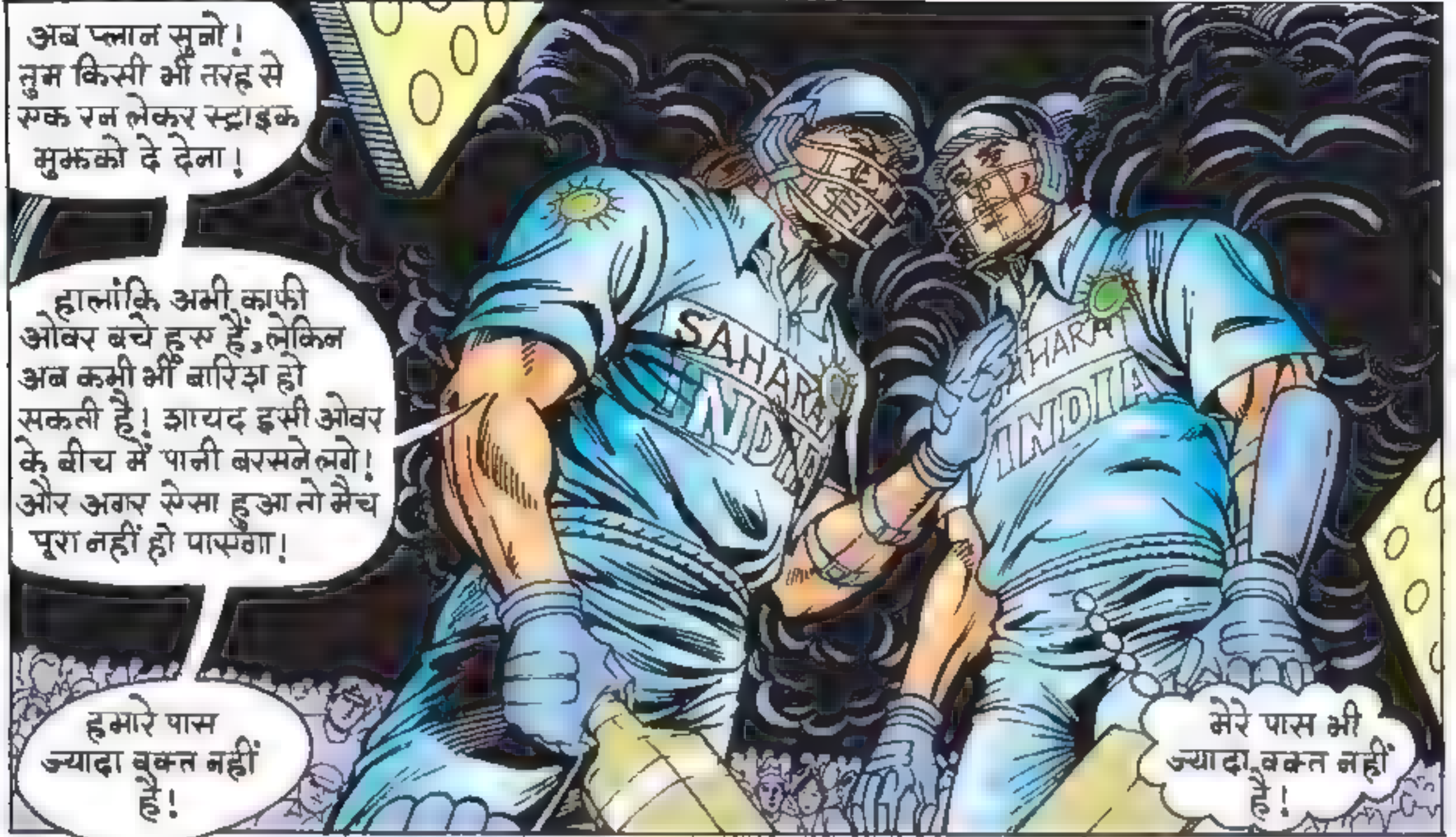
ओफ़! अब हम रन नहीं ले सकते! ओवर खत्म हो गया है! और अब ध्रुव को अगला ओवर का सामना करना ही पड़ेगा!

तुमने ये क्या किया ध्रुव रन क्यों नहीं लिया?

अब तुमको अगला ओवर खेलना पड़ेगा! और वह ओवर डोरुब फेंकेगा!

आई रम सॉरी, धौंकनी!

मेरा ध्यान भटक गया था!

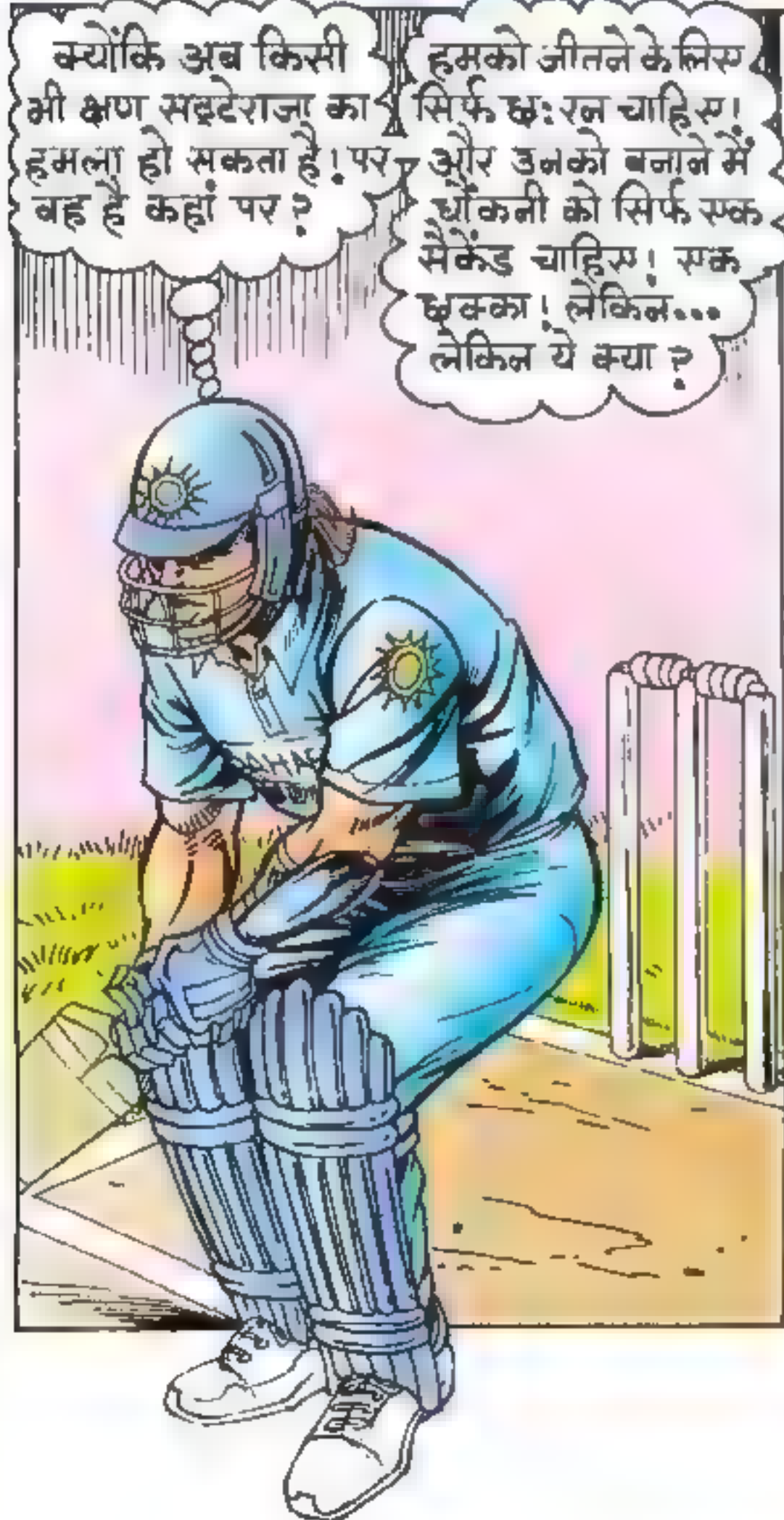


अब प्लान सुनो!
तुम किसी भी तरह से
स्कोर रन लेकर स्ट्राइक
मुझको दे देना!

हालांकि अभी काफी
ओवर बचे हुए हैं, लेकिन
अब कभी भी बरिश्त हो
सकती है! शायद इसी ओवर
के बीच में पानी बरसने लगे!
और अगर ऐसा हुआ तो मैच
पूरा नहीं हो पाएगा!

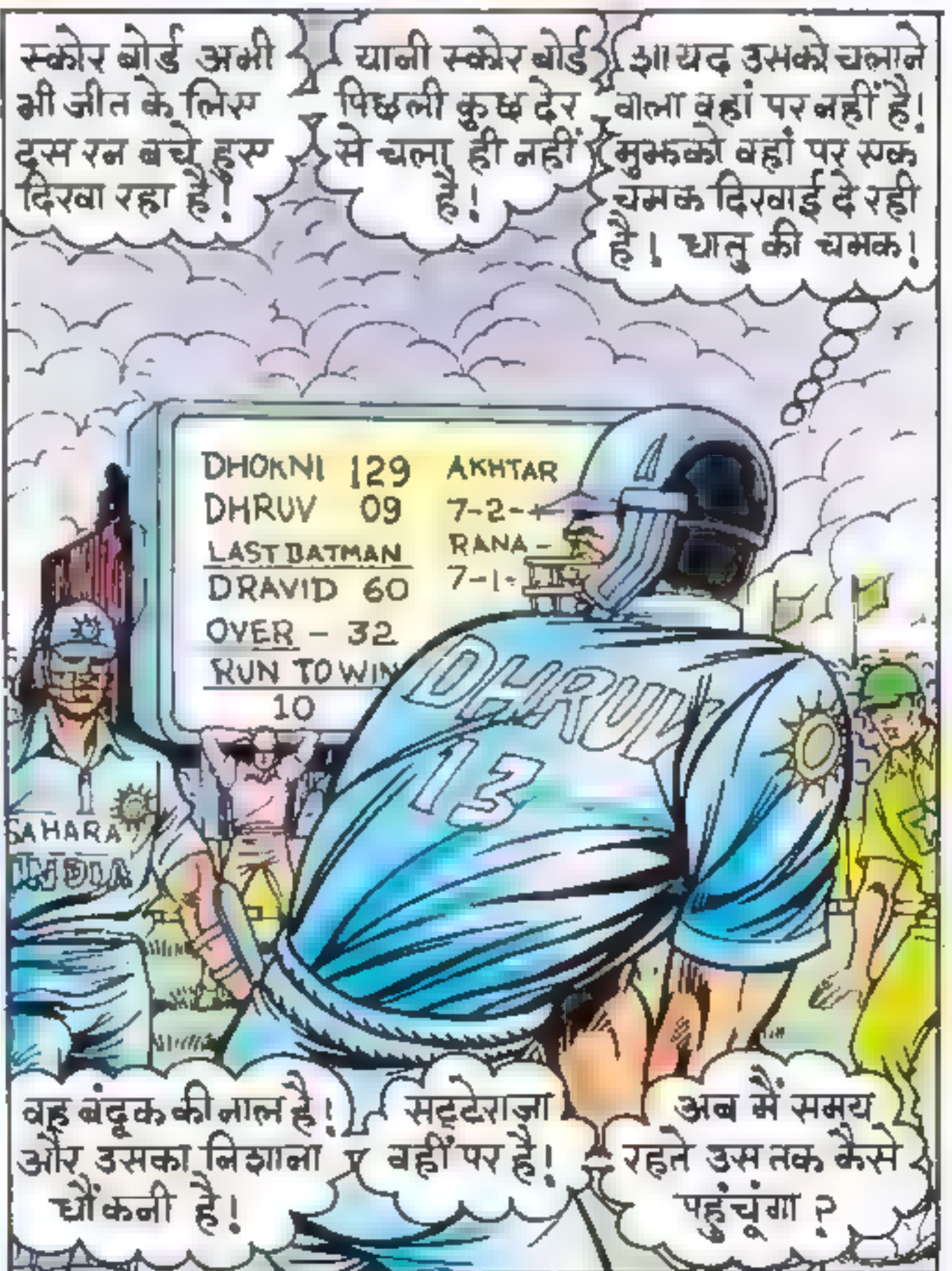
हमारे पास
ज्यादा वक्त नहीं
है!

मेरे पास भी
ज्यादा वक्त नहीं
है!



क्योंकि अब किसी
भी क्षण स्ट्रट्टेराजा का
हमला हो सकता है! पर
वह है कहाँ पर?

हमको जीतने के लिए
सिर्फ छः रन चाहिए!
और उनको बनाने में
घोंकनी को सिर्फ एक
सेकेंड चाहिए! एक
छक्का! लेकिन...
लेकिन ये क्या?



स्कोर बोर्ड अभी
भी जीत के लिए
दस रन बचे हुए
दिरवा रहा है!

यानी स्कोर बोर्ड
पिछली कुछ देर
से चला ही नहीं
है!

शायद उसके चलाने
वाला वहाँ पर नहीं है!
मुझको वहाँ पर एक
चमक दिरवाई दे रही
है! धातु की चमक!

DHOKNI 129	AKHTAR
DHRUV 09	7-2-4
LAST BATMAN	RANA -
DRAVID 60	7-1-
OVER - 32	
RUN TO WIN	
10	

वह बंदूक की नाल है!
और उसका निशाना
घोंकनी है!

स्ट्रट्टेराजा
वहीं पर है!

अब मैं समय
रहते उस तक कैसे
पहुँचूँगा?

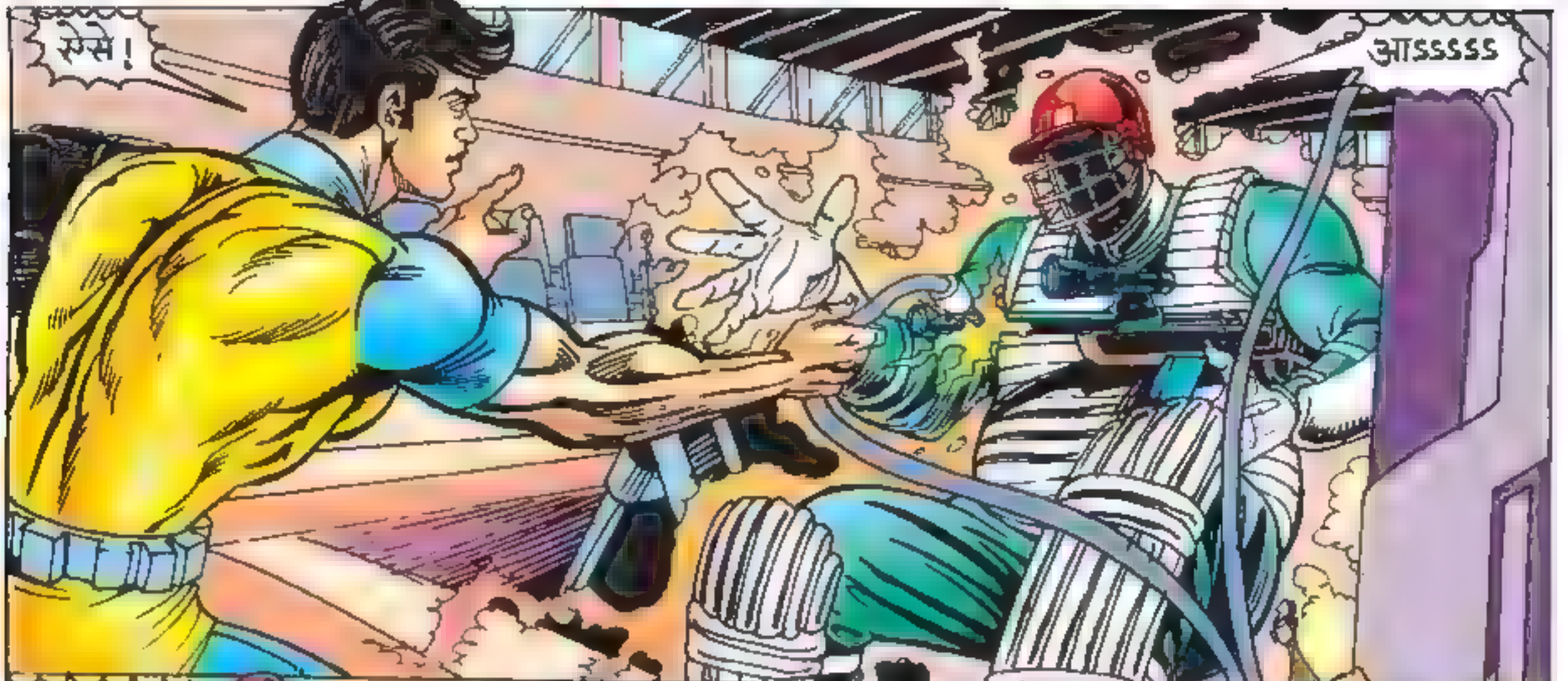
ध्रुव का ध्यान कहीं
और है! शायद वह
शोरब के बाउंसर से
बचने का रास्ता सोच रहा
है! शोरब की रफ्तार
आश्चर्यजनक है! शायद
वह इस बार क्रिकेट
इतिहास की सबसे तेज
बॉल फेंकने जा रहा है!

ये गेंद ध्रुव को भी
नजर नहीं आएगी, और
उसके स्टम्प... ओ गॉड!
ध्रुव... ध्रुव...

ओ बादशाह ओ, ओ बाहे
गुरू, ये की चमत्कार है!
ध्रुव ने आगे बढ़कर बॉल
को उठा दिया है! बॉल सीधे
स्कोर बोर्ड की तरफ जा
रही है! और ये...

... गेंद शोरब
के हाथ से छूटी!
गेंद मुझे तो नजर
नहीं आ रही है!





रुसे!

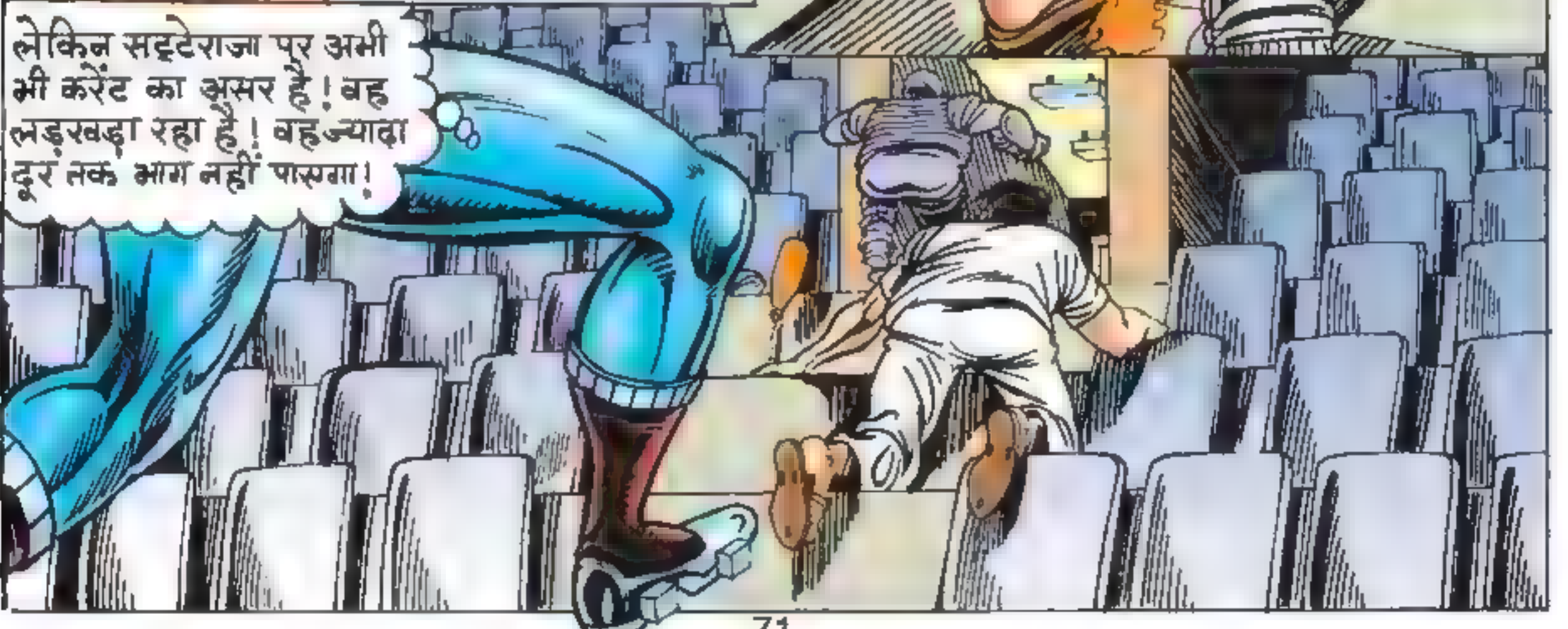
आSSSSS



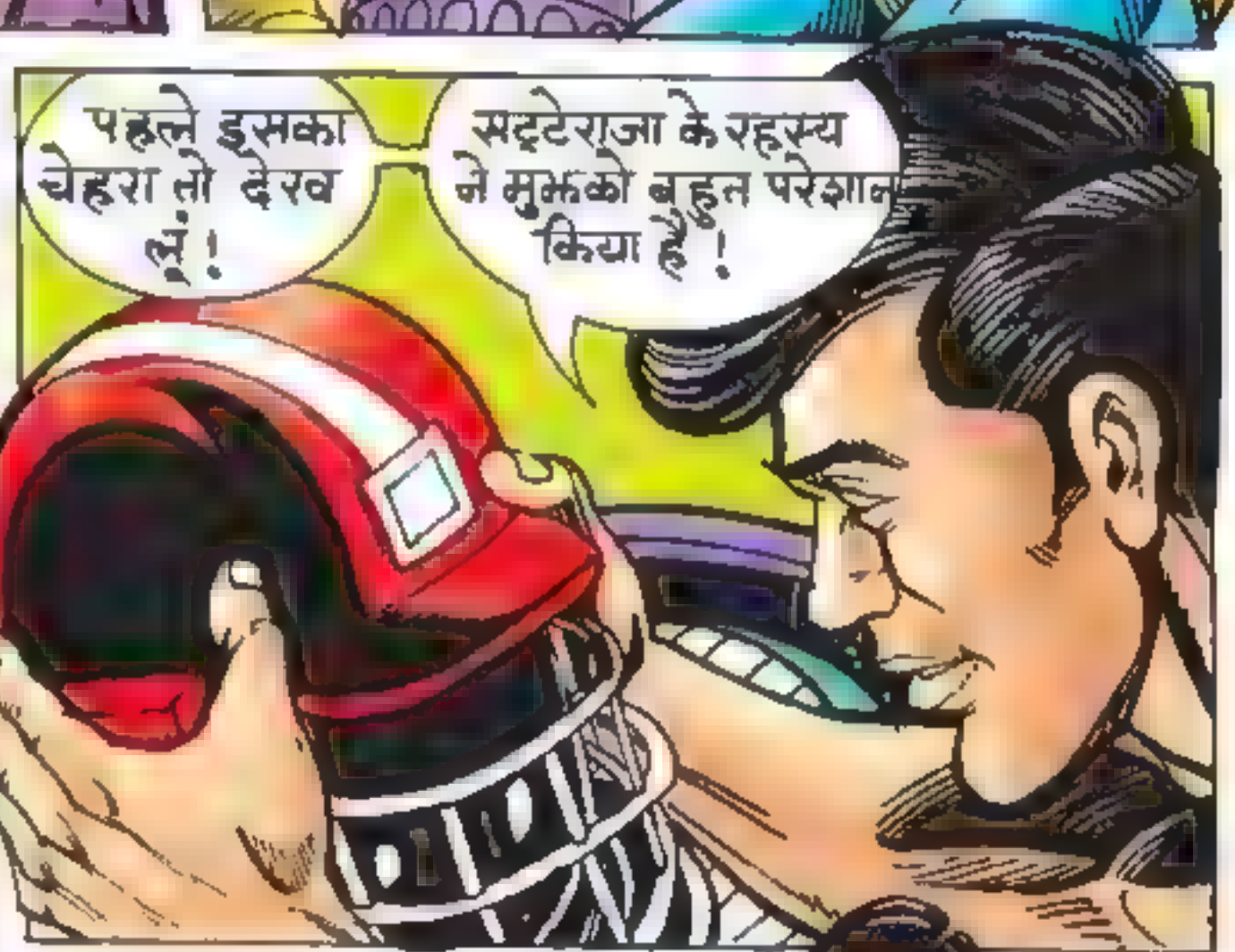
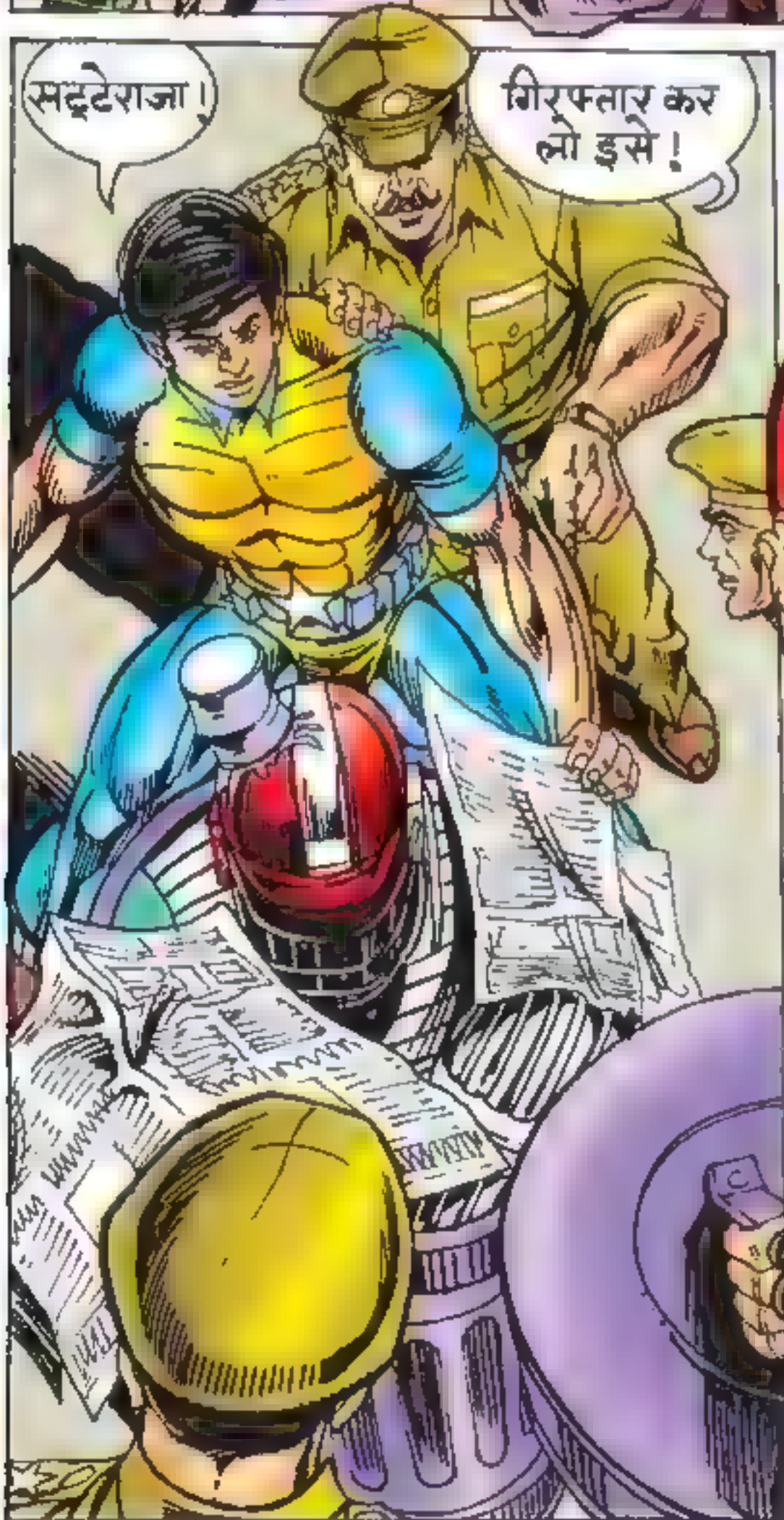
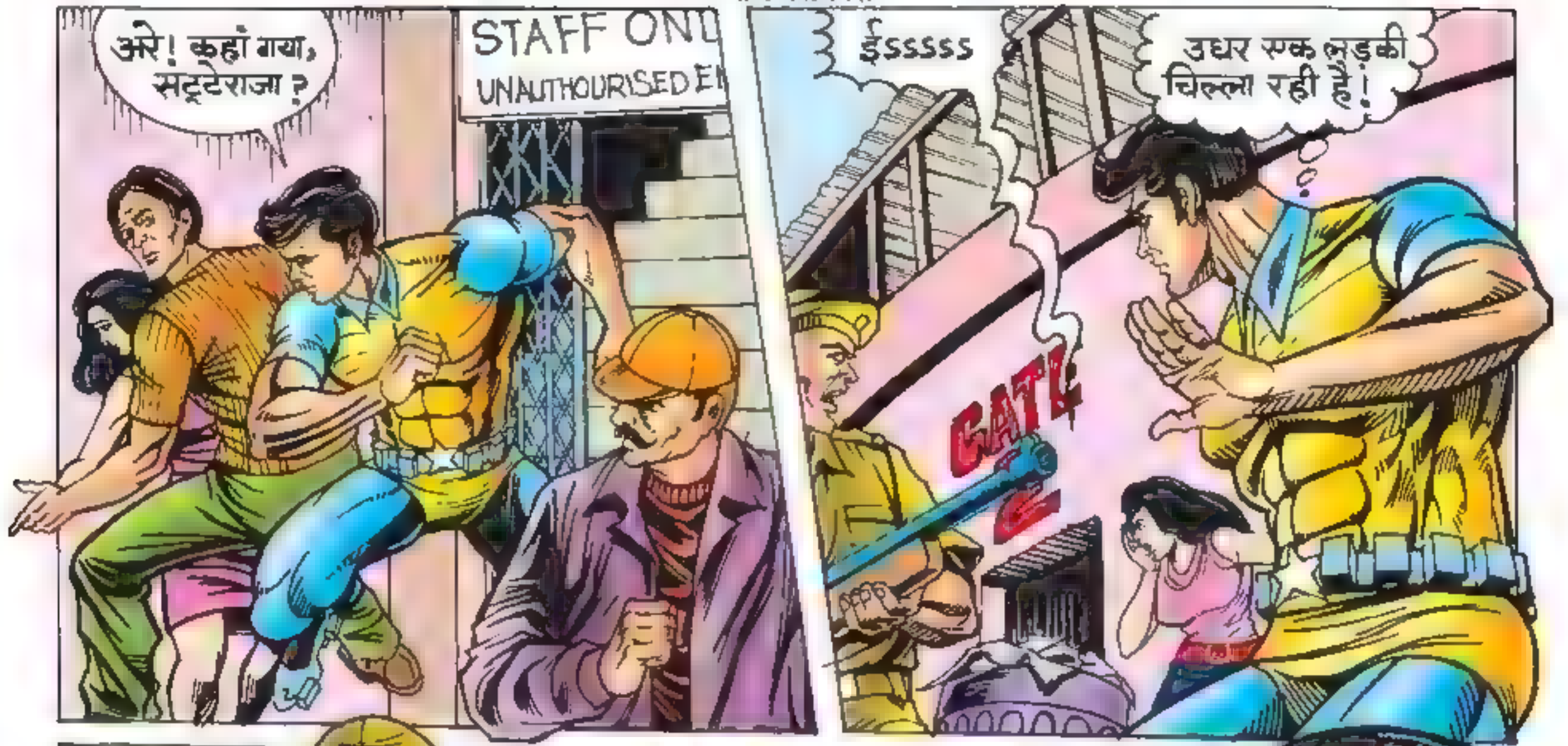
हियाSSSS

वह स्कोर बोर्ड
से स्टेडियम की
तरफ भाग रहा है!

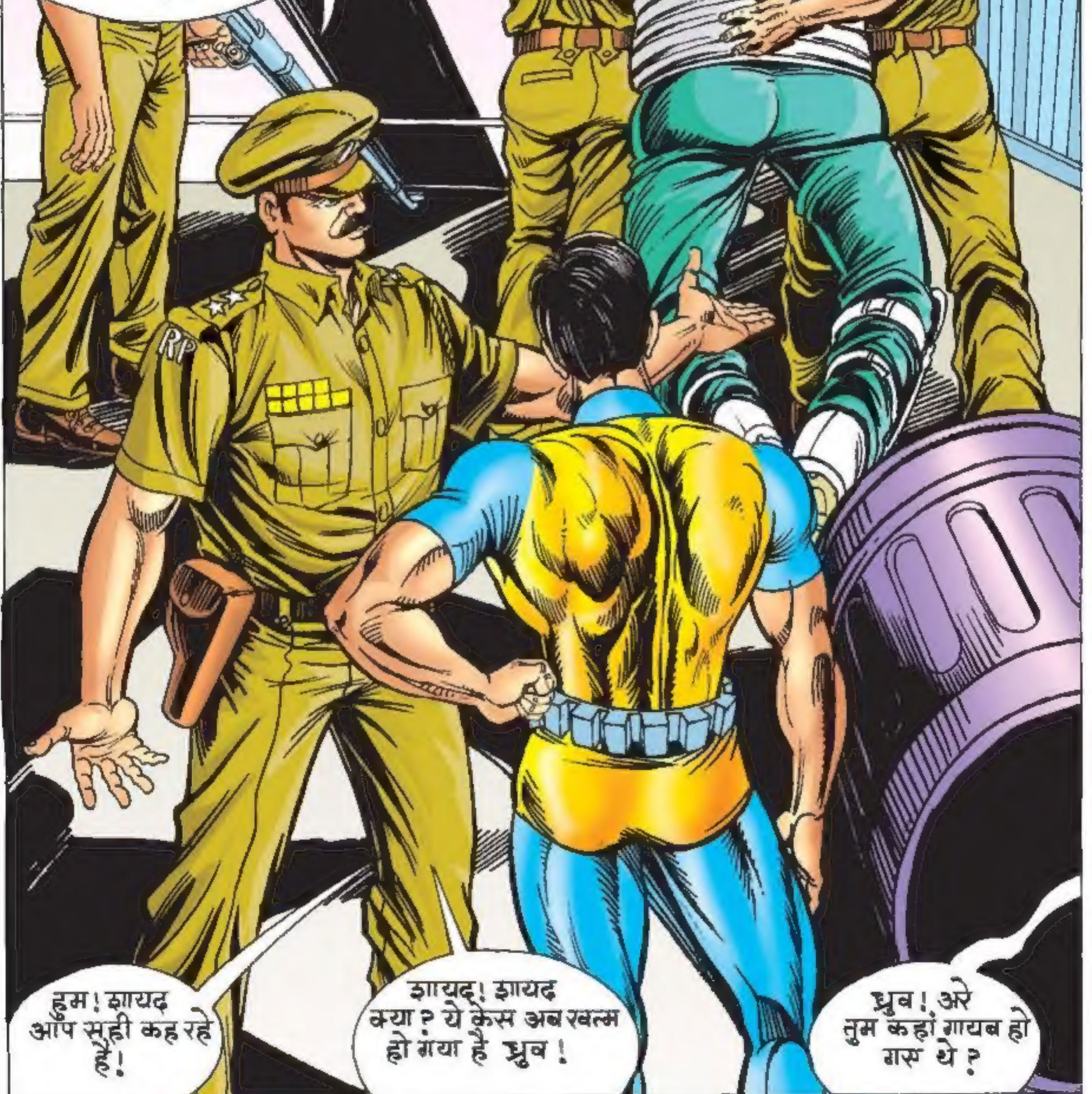
ओफ़!



लेकिन सद्वेराजा पर अभी
भी करंट का असर है! वह
लड़खड़ा रहा है! वह ज्यादा
दूर तक भाग नहीं पाएगा!



अब सारा मामला डी डी की तरह
साफ हो गया है। सौमित्र रॉय की
क्रिकेट खिलाड़ियों तक पहुंच थी।
और इसी का फायदा उठाकर सौमित्र
रॉय ने ये धंधा शुरू कर दिया। और
ये धंधा उसने अपने गायब होने का
नाटक करने के बाद चालू किया ताकि
वह पुलिस की आंखों में धूल भोंक
सके, और अंडरग्राउंड रहकर
अपना धंधा आराम से चलाता
रहे!



हम! शायद
आप सही कह रहे
हैं!

शायद! शायद
क्या? ये केस अब खत्म
हो गया है ध्रुव!

ध्रुव! अरे
तुम कहाँ गायब हो
गए थे?





और अपनी सारी जिन्दगी उस पैसे का मजा लेती रहूँ जो मैंने क्रिकेट पर सट्टा खिलाकर कमाया है!

फिर ये बच्चा किसका है?

सौमित का! इसको मैंने इसी लिए अपने पास रखा ताकि अगर सौमित कभी मेरे चंगुल में भागने में कामयाब हो भी जाय तो भी अपनी जुबान खोलने की हिम्मत न कर सके!

मैं सट्टेराजा बन गई! अपने हेलमेट में आवाज भारी करने वाला माइक्रो फोन फिट करा लिया! पुरुषों जैसा बेष रख लिया!

मैंने सबकुछ सही किया ध्रुव!



बस, मुझसे रुक जगह गलती हो गई!

मैं तुमको चुनौती देने का साहस कर बैठी!

अब चलो, कहां चलना है?

पुलिस स्टेशन!